खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 20 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-77

आठ दिन का अभियान नौ माह 13 दिन के अंतरिक्ष प्रवास में बदला

अंतरिक्ष में परचम लहरा कर पृथ्वी पर लौटीं सुनीता विलियम्स

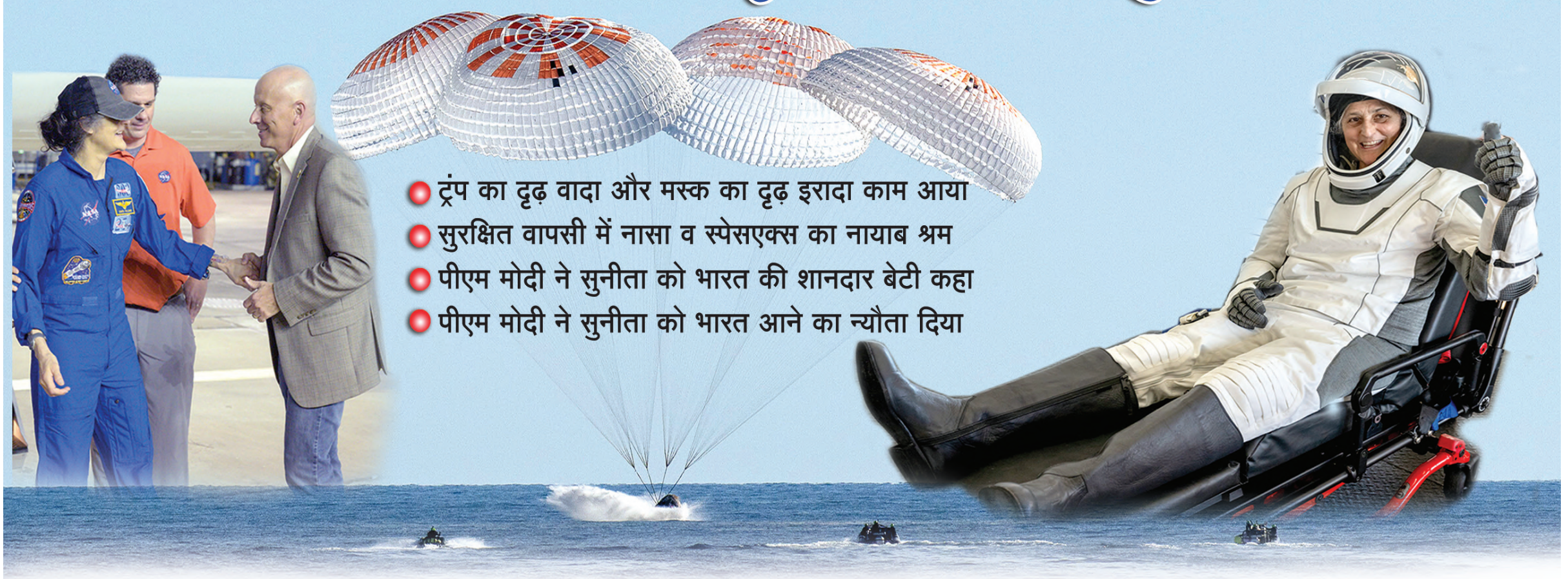

- ट्रंप का दृढ़ वादा और मस्क का दृढ़ इरादा काम आया
- सुरक्षित वापसी में नासा व स्पेसएक्स का नायाब श्रम
- पीएम मोदी ने सुनीता को भारत की शानदार बेटी कहा
- पीएम मोदी ने सुनीता को भारत आने का न्यौता दिया

फ्लोरिडा, 19 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) से संबद्ध भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर धरती पर सुरक्षित वापस लौट आए। फ्लोरिडा के तट पर उनकी सफल लैंडिंग हुई। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर स्पेसएक्स क्रू-9 वापस धरती पर आ गया। नासा के ये दोनों अंतरिक्ष यात्री मात्र आठ दिन के मिशन पर गए थे, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण दोनों नौ माह और 13 दिन तक अंतरिक्ष में फंसे रहे। उनकी वापसी का श्रेय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगी एलन मस्क को जाता है, जिन्होंने अंतरिक्ष प्रयोगशाला में फंसी सुनीता विलियम्स को सुरक्षित वापस लाने का वादा किया था। तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के मसले पर कतई गंभीर नहीं थे।

सुनीता विलियम्स की वापसी के पहले ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें पत्र लिख कर अपनी एवं सम्पूर्ण देशवासियों की शुभकामनाएं दी थी। पीएम मोदी ने सुनीता विलियम्स को भारत आने का न्यौता भी दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में कहा, भले ही आप हजारों मील दूर हों, लेकिन आप हमारे दिलों के करीब हैं। भारत के लोग आपके अच्छे स्वास्थ्य और आपके मिशन में सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। आपकी वापसी के बाद हम भारत में आपसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। भारत के लिए अपनी सबसे शानदार बेटियों में से एक की मेजबानी करना खुशी की बात होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स को 1 मार्च 2025 को पत्र लिखा था। पीएम मोदी ने लिखा, मैं आपको भारत के लोगों की ओर से शुभकामनाएं देता हूं। आज एक कार्यक्रम में मेरी मुलाकात प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो से हुई। हमारी बातचीत के दौरान आपका नाम आया और हमने चर्चा की कि हमें आप पर और आपके काम पर कितना गर्व है।

इस बातचीत के बाद, मैं खुद को आपको पत्र लिखने से नहीं रोक पाया। भारत के 140 करोड़ लोगों को आप पर गर्व है। हाल की घटनाओं ने एक बार फिर आपकी दृढ़ता को दर्शाया है। भले ही आप हजारों मील दूर हैं, लेकिन आप हमारे दिल के करीब हैं। भारत के लोग आपके कुशल स्वास्थ्य और आपके मिशन में सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। सुनीता विलियम्स के साथ मुलाक़ात का जिक्र भी पीएम मोदी ने किया। पीएम मोदी ने उनके पिता के साथ 2016 में हुई मुलाक़ात की भी चर्चा की और विलियम्स को भारत की सबसे शानदार बेटियों में से एक बताया। पीएम मोदी ने इच्छा जताई कि वह उनकी धरती पर वापसी के बाद उनसे मिलना चाहेंगे।

▶10पर

सुनीता विलियम्स ने एक साथ तोड़े कई रिकॉर्ड

फ्लोरिडा, 19 मार्च (एजेंसियां)। 5 जून 2024 को जब भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बैरी विल्मोर बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचे थे, तब किसी ने सोचा नहीं था कि उनका आठ दिन लंबा मिशन 9 महीनों से ज्यादा समय के लिए खिंच जाएगा। अब अमेरिकी समयानुसार 18 मार्च को देर शाम जब सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर पृथ्वी पर लौटे, तो वे आईएसएस पर 286 दिन बिता चुके थे। इस लंबी अवधि में सुनीता विलियम्स ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। इनमें स्पेसवॉक से लेकर स्पेसशिप में समय बिताने तक के रिकॉर्ड हैं।सुनीता विलियम्स अब तक तीन बार अंतरिक्ष मिशन पर जा चुकी हैं। इनमें 2006, 2013 और 2024 के स्पेस मिशन शामिल हैं। जहां उन्होंने कुल मिलाकर 608 घंटे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर बिताए हैं।

▶10पर

षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस की संस्थाओं पर ईडी का छापा

भारत विरोधी धन-दान पर देर से जागी सरकार

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ षडयंत्रों में लगे अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस की फंडिंग संस्था ओपन सोसाइटी फाउंडेशन (ओएसएफ) से जुड़े कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापामारी की। सोरोस से जुड़े कई संगठनों की जांच फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा) के उल्लंघन मामले में की जा रही है। वर्ष 2016 में गृह मंत्रालय भारत में एनजीओ को अनियमित दान देने के मामले में ओएसएफ पर रोक लगाई थी। लेकिन ओएसएफ ने भारत सरकार के इस आदेश को ताक पर रख कर विभिन्न एनजीओ को धन देना जारी रखा। सोरोस का धन लेकर सारे एनजीओ भारत विरोधी गतिविधियों में सक्रिय हैं। फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) और कंसलटिंग फीस के नाम पर पैसा भारत लाकर ओएसएफ अलग-अलग एनजीओ को फंडिंग दे रहा था। ईडी अब ओएसएफ और उसके द्वारा भारत में लाए गए विदेशी निवेश की सभी फाइलें खंगाल रहा है। ईडी का स्कैनर एस्पाडा इंटरनेशनल नाम की एक कंपनी पर भी है। यह भारत के भीतर सोरोस इकॉनोमिक डेवलपमेंट फाउंडेशन (एईडीएफ) की सलाहकार है और मॉरिशस की एक कम्पनी की सब्सिडियरी कंपनी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस द्वारा स्थापित

▶10पर

2016 से ही सोरोस कर रहा था फेमा कानून का उल्लंघन

नेता, एनजीओ, नौकरशाह सब खा रहे थे सोरोस का पैसा

विदेशी फंडिग के बूते चल रहा धर्मांतरण का गोरखधंधा

धर्मांतरण रोकने के लिए आएगा सख्त कानून

रायपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) के जरिए व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण का धंधा चलाया जा रहा है। इसमें भारी तादाद में विदेशी फंडिंग हो रही है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, धर्मांतरण में विदेशी फंडिंग के मामले की जांच के लिए केंद्र सरकार से कहा गया है। विदेश फंडिंग मामले की जांच और कार्रवाई का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। छत्तीसगढ़ में सक्रिय 364 गैर सरकारी संस्थाओं के खिलाफ जांच जारी है। इनमें से 84 संस्थाओं की विदेशी फंडिंग रोकी गई है। 127 संस्थाओं की वैधता समाप्त की गई है। विदेशी फंडिंग मामले की विस्तार से जांच कराई जा रही है।धर्मांतरण को रोकने के लिए छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार जल्द ही नया कानून बनाएगी। गृह मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 1968 लागू है, लेकिन अब नए प्रावधानों के साथ एक सख्त और प्रभावी कानून की आवश्यकता महसूस की जा रही है। गृह मंत्री ने कहा कि देशभर में सबसे प्रभावी प्रावधानों के साथ एक नया कानून बनाया जाएगा। सरकार धर्मांतरण गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने के लिए इस कानून को लागू करेगी। प्रदेश में कुल 153 संस्थाएं विदेशी फंडिंग पर चल रही हैं, जिन्हें 200 से 300 करोड़ रुपए का फंड राज्य से भी मिलता है। सरकार अब इन सभी पर कड़ी निगरानी रखेगी और सुनिश्चित करेगी कि कोई भी संस्था धर्मांतरण के लिए इस फंड का दुरुपयोग न करे।

▶10पर

छत्तीसगढ़ में सैकड़ों संस्थाओं को मिल रहा विदेश से धन

84 संस्थाओं की फंडिंग रोकी गई, 127 की वैधता समाप्त

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0

न्यूनतम : 22^0

उत्तराखंड में लैंड-जेहाद पर हो रही सख्त कार्रवाई

पांच सौ से अधिक अवैध मदरसे चिन्हित किए गए

देहरादून, 19 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखंड में चल रहे लैंड-जेहाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। इसके तहत प्रशासन ने उधमसिंह नगर के 29 अवैध मदरसों को सील कर दिया। केवल एक जिले में ही सौ से अधिक अवैध मदरसे चिन्हित किए गए हैं। उत्तराखंड में 5 सौ से अधिक अवैध मदरसे चिन्हित किए गए हैं जिनमें से 82 के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

काशीपुर परगना क्षेत्र में 17 अवैध मदरसों को सील कर दिया गया है। सितारगंज क्षेत्र अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा क्षेत्र अंतर्गत अवैध रूप से संचालित हो रहे कुल 17 मदरसों पर कार्रवाई करते हुए 10 मदरसे सील किए गए जबकि सात मदरसों को नोटिस दिया गया है। शासन स्तर से इन अवैध मदरसों के खिलाफ कई पहलुओं की जांच भी की जा रही है। यहां कहां कहां के बच्चे पढ़ रहे हैं?

▶10पर

खालिस्तानवादी हरकतें रोकने में पंजाब सरकार नाकाम

बसें रोक कर लगाए जा रहे भिंडरावाले के पोस्टर

चंडीगढ़, 19 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब सरकार खालिस्तानवादी हरकतों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। पंजाब में बाहरी राज्यों से आने वाली बसें रोक कर उस पर जबरन खालिस्तानी आतंकी भिंडरावाले के पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। प्रशासन चुप्पी साधे हुए हैं।

खालिस्तानी आतंकी जरनैल सिंह भिंडरावाला के समर्थक हिमाचल प्रदेश में गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। वह भिंडरावाले के झंडे लगाकर घूमने पर अड़े हुए हैं। उनको रोकने का प्रयास करने वाले हिमाचल के लोगों के साथ हाथापाई की गई और उन्हें धमकाया गया है। यहां तक कि हिमाचल प्रदेश से पंजाब जाने वाली बसों को रोक कर उन पर जबरदस्ती भिंडरावाले पोस्टर गए हैं। यह विवाद होली के दौरान चालू हुआ। होली के साथ ही सिखों का होला मोहल्ला त्यौहार होता है। इस त्यौहार के दौरान बड़ी संख्या में पंजाब के लोग हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला में स्थित मणिकर्ण गुरूद्वारे में दर्शन करने के लिए आते हैं।

बीते कुछ वर्षों से यहां बड़ी संख्या में सिख युवा भी आ रहे हैं। यह युवा पंजाब के अलग-अलग हिस्सों से बाइक से हिमाचल प्रदेश आते हैं। बीते कुछ वर्षों में इस यात्रा के दौरान हुडदंग की शिकायतें आई हैं। इस बार भी यह विवाद इन्हीं बाइक से आने वाले युवकों से चालू हुआ। 15 मार्च को मनाली के छियाल इलाके में पंजाब से दो युवक बाइक पर आए।

▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का आदेश खारिज किया

केरल के मंदिरों में नहीं रुकेगा हाथी जुलूस

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के एक फैसले पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला केरल के मंदिरों के भीतर हाथी जुलूस और उनके धार्मिक अनुष्ठानों में उपयोग में रोक को लेकर था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हाथियों का मंदिरों में उपयोग हमारी संस्कृति का हिस्सा है और हाईकोर्ट का आदेश इसे रोकने की क्षमता रखता है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने यह रोक लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सामाजिक संस्था गज सेवा समिति की याचिका पर दिया है। केरल हाईकोर्ट ने मंदिरों में हाथियों के उपयोग पर रोक लगाने का आदेश जनवरी 2025 में दिया था। याचिका दाखिल करने वाली संस्था गज सेवा समिति ने आरोप लगाया था कि हाथियों पर रोक लगाने की मांग करने वाले हिंदुओं की दो हजार साल से अधिक पुरानी

▶10पर

अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स का राष्ट्रपति ट्रंप पर पलटवार

वाशिंगटन, 19 मार्च (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने मंगलवार को संघीय न्यायपालिका के खिलाफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ती बयानबाजी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के खिलाफ फैसला सुनाने वाले न्यायाधीशों पर महाभियोग चलाने का आह्वान लक्षित प्रतीत होता है। रॉबर्ट्स का बयान सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया है।

मुख्य न्यायाधीश ने बयान में कहा, दो शताब्दियों से भी अधिक समय से यह स्थापित है कि न्यायिक निर्णय से संबंधित असहमति के लिए महाभियोग उचित प्रतिक्रिया नहीं है। इसके लिए अपीलीय समीक्षा प्रक्रिया मौजूद है। रॉबर्ट्स के बयान में सीधे तौर पर ट्रंप का नाम नहीं लिया गया है। मुख्य न्यायाधीश का यह बयान ऐसे समय आया है जब राष्ट्रपति ने संघीय न्यायाधीशों पर अपने हमले तेज कर दिए और विशेष रूप से अमेरिकी जिला न्यायाधीश जेम्स बोसबर्ग के खिलाफ महाभियोग चलाने का आह्वान किया है। बोसबर्ग ने वेनेजुएला के कथित गिरोह के सदस्यों के निर्वासन पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी।

महत्वपूर्ण यह है कि एलन मस्क समेत ट्रंप के कई सहयोगी प्रशासन के खिलाफ सुनाए गए फैसलों पर संबंधित जजों के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस के रिपब्लिकन सदस्यों ने भी संघीय जजों पर महाभियोग चलाने की पहल की है। टेक्सास के रिपब्लिकन प्रतिनिधि ब्रैंडन गिल ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने बोसबर्ग के खिलाफ महाभियोग के लिए पहल की है। ट्रंप ने बोसबर्ग के खिलाफ ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा, यह कट्टरपंथी वामपंथी पागल जज है। यह उपद्रवी और आंदोलनकारी है। इसे दुर्भाग्य से बराक हुसैन ओबामा ने नियुक्त किया था। ट्रंप ने कहा कि यह कुटिल जजों की तरह है। इसके खिलाफ महाभियोग लाना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कभी अदालत के आदेश की अवहेलना नहीं की।

न्यूज ब्रीफ

हूती ने दागे हाईपरसोनिक मिसाइल गाजा पर हमले के बाद से फिर गदर

गाजा। इजरायल ने गाजा पट्टी पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए। इसके चलते ही में यमन के हूती विद्रोहियों की तरफ से भी इजरायल पर मिसाइल का अटैक किया गया। आईडीएफ की तरफ से एक ब्यान जारी कर मिसाइल हमले की पुष्टि की गई। यमन की तरफ से इजरायल पर मिसाइल लॉन्च की गई थी। इजरायल एयरफोर्स ने मिसाइल को सीमा में घुसने से पहले ही इंटरसेप्ट कर उसे नष्ट कर दिया। इस अटैक पर हूती के प्रवक्ता ने कहा कि हूती ने इजरायल के नेवातिम एयरबेस पर हाइपरसोनिक मिसाइल से हमला किया। इसके अलावा आईडीएफ ने अन्य हाई वैल्यू टारगेट को मारने का दावा किया है। जिनमें महमूद मरजूक अहमद अबू-वातफा जो हामास के इंटरनल अफेयर मिनिस्टर और हामास की इंटर्नल सिक्योरिटी फोर्स के इंचार्ज थे। हमास की इंटर्नल सिक्योरिटी फोर्स का प्रमुख बहजत हसन मोहम्मद अबू-सुलतान अहमद और हामास के लॉ एंड जस्टिस मंत्री अमर अब्दुल्लाह अल्हाता शामिल है। आईडीएफ लगातार बदल रहा स्थिति का आकलन कर रही है। इसी के हिसाब से आईडीएफ होम फ्रंट कमांड के डिफेंसिव गाइडलाइन में कई तरह के बदलाव कर रही है। इन बदलावों के तहत गाजा पट्टी के पास रहने वाले समुदायों और पश्चिमी नेगेव और पश्चिमी लाचिश के कुछ समुदायों के क्षेत्र मे रोजमर्रा की सीमित की गई गतिविधियों से आंशिक गतिविधियों में बदल दिया। मतलब ऐसी जगह पर ही शैक्षिक गतिविधियां चलाई जा सकती हैं जहां चेतावनी के समय सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की व्यवस्था हो।

गाजा में 400 लोगों की मौत के बाद बोले नेतन्याहू ये तो हमले की शुरुआत है

तेल अवीव। मंगलवार की सुबह इजरायल ने गाजा पर हवाई हमले किए, जिसमें 400 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर आई है। इस हमले के बाद इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में मंगलवार को हुए हमले सिर्फ शुरुआत हैं और हमास के साथ भविष्य में बंधकों की रिहाई से जुड़ी सभी बातचीत गोलीबारी के बीच होगी। इजरायल और हमास के बीच लगभग दो महीने तक युद्धविराम चला, लेकिन गाजा पर हमले के बाद यह टूट गया। नेतन्याहू ने कहा कि हमास ने बंधक रिहाई का पहला चरण खत्म होने के बाद अभी भी 59 लोगों को रिहा करने का प्रस्ताव खारिज कर दिया। इनमें से 24 के जिंदा होने की उम्मीद है। वर्तमान में इजरायल केवल हवाई हमला कर रहा है, लेकिन चैनल 12 ने सूत्रों के हवाले से कहा कि अधिकारी गाजा में फिर से जमीनी हमले के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। इजरायली अधिकारियों ने कहा कि अगर हमास अगले कुछ दिनों में बातचीत के लिए तैयार नहीं होता तो यह ऑपरेशन और भी तेज हो जाएगा। इजरायल के राष्ट्रीय चैनल पर नेतन्याहू का पहले से रिकॉर्ड बयान चलाया गया। नेतन्याहू ने इसमें दोहराया कि इजरायल तब तक हमले करता रहेगा, जब तक कि वह युद्ध से जुड़े अपने सभी लक्ष्यों को हासिल नहीं कर लेता, जिसमें हमास को पूरी तरह खत्म करना और सभी बंधकों को छुड़ाना शामिल है। उन्होंने कहा, हमास की ओर से इससे पहले रिहा किए गए बंधकों से यह साबित हो गया है कि उन्हें छुड़ाने के लिए सैन्य दबाव जरूरी शर्त है। नेतन्याहू ने कहा कि यह सैन्य अभियान इजरायल की खुफिया एजेंसियों और आईडीएफ की सिफारिश पर शुरू किया गया।

ट्रंप और पुतिन की बातचीत के बाद रूस यूक्रेन युद्धविराम की बढ़ी उम्मीद

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों ने ऊर्जा और बुनियादी ढांचे पर तत्काल सीजफायर (युद्धविराम) पर सहमति जताई। ट्रंप ने बताया कि इस समझौते के तहत, वे पूरी तरह से युद्धविराम और अंततः रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे इस भयंकर युद्ध को समाप्त करने की दिशा में तेजी से काम करेंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, अगर मैं राष्ट्रपति होता तो यह युद्ध कभी नहीं शुरू होता। ट्रंप के मुताबिक, शांति समझौते के कई महत्वपूर्ण तत्वों पर चर्चा की गई, जिसमें यह भी बताया गया कि हजारों सैनिकों की जान जा चुकी है और दोनों देशों के नेता (राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की) युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। ट्रंप ने इस प्रक्रिया को पूरी ताकत के साथ लागू होने की बात कही और उम्मीद की कि यह युद्ध मानवता के हित में समाप्त हो जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने को लेकर फोन पर बातचीत की।

पाकिस्तान : जाफर ट्रेन अपहरण के बाद बलूचिस्तान और केपी में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी

इस्लामाबाद , 19 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के हिंसा प्रभावित खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांतों में सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ लक्षित आतंकवादी हमलों में तेजी देखी जा रही है। हालांकि पिछले 24 घंटों में आतंकवाद विरोधी अभियानों में कई आतंकवादी हताहत भी हुए।

हमलों का यह ताजा सिलसिला बोलन दर्रे में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के सदस्यों द्वारा जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन अपहरण के बाद शुरू हुआ है। इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 26 बंधकों की हत्या कर दी गई थी। दो दिन के ऑपरेशन के दौरान पांच सुरक्षाकर्मी भी शहीद हो गए।

नवीनतम जानकारी के अनुसार, केपी और बलूचिस्तान के विभिन्न हिस्सों से ताजा झड़पों की सूचना मिली है। पुलिस अधिकारियों, कांस्टेबलों, सुरक्षा कर्मियों और अन्य लोगों पर घात लगाकर हमले किए गए।

पुलिस सूत्रों ने कहा कि केपी प्रांत में विभिन्न हमलों में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया, जबकि कम से कम छह आतंकवादी मारे गए।

केपी के बन्नू शहर में हथियारबंद मोटरसाइकिल सवारों ने लोअर हेड कांस्टेबल (एलएचसी) को निशाना बनाया, जब वह मीरानशाह रोड पर ड्यूटी पर था। हमले में कांस्टेबल की मौत हो गई, जबकि हमलावर मौके से भाग निकले।

केपी पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के कमांडो ने बन्नू में एक ऑपरेशन (आईबीओ) के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया।

केपी के लक्की मरवत इलाके में पुलिस कर्मियों ने सराय गाम्बिला में एक पुलिस स्टेशन पर आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया।

केपी पुलिस ने दो दिन के अभियान के बाद कुर्रम पार के पहाड़ी इलाके में आतंकवादियों के कई ठिकानों को भी नष्ट कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार को दादिवाला पुलिस स्टेशन और अब्बास खट्टक पुलिस चौकी पर आतंकवादी हमले के बाद यह अभियान शुरू हुआ। इसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों और पुलिस अधिकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं और भीषण गोलीबारी हुई। झड़पों में एक आतंकवादी मारा गया।

खैबर जिले में सुरक्षा बलों के साथ गोलीबारी में कम से कम तीन आतंकवादी मारे गए।

बलूचिस्तान के खुजदार में ग्रेनेड हमले में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि ग्रेनेड एक घर के अंदर फटा, जिसमें एक पुलिस अधिकारी के पिता और उसके भाइयों के चार बच्चे घायल हो गए। घटना में घर के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए।

जानकारी के अनुसार, यह हमला खुजदार में कादिर शेख के घर को निशाना बनाकर किया गया, जो बलूचिस्तान के हब शहर के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) हैं।

इससे पहले, बलूचिस्तान के नुश्की जिले में सुरक्षा बलों के काफिले पर हुए बम हमले में कम से कम तीन सुरक्षाकर्मियों और दो नागरिकों की मौत हो गई थी।

एक अन्य घटना में, प्रांतीय राजधानी क्वेटा में बलूचिस्तान के आतंकवाद निरोधी बल (एटीएफ) के वाहन के पास हुए विस्फोट में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई, जबकि कम से कम छह अन्य घायल हो गए।

आर्सा नेता अता उल्लाह समेत 10 गिरफ्तार, सात को 10 दिन की रिमांड पर भेजा गया

ढाका, 19 मार्च (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने सोमवार रात को गुप्त अभियान चलाकर अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए - आर्सा) के प्रमुख अता उल्लाह अबू अम्मार जुनूनी सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी सिद्धिरगंज, नारायणगंज और मयमनसिंह में किए गए अभियानों के दौरान हुई। आतंकवादी गतिविधियों और अवैध रूप से बांग्लादेश में प्रवेश करने के आरोप में अता उल्लाह सहित सात लोगों को 10 दिनों की रिमांड पर भेज दिया गया है।

सोमवार रात सिद्धिरगंज के भूमि पल्ली इलाके में एक गुप्त बैठक के दौरान छह लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि अन्य चार को मयमनसिंह से पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में अता उल्लाह (48), मोस्ताक अहमद (66), सलीमुल्लाह (27), मोनिरुज्जमान (24), असमत उल्लाह (40), मोहम्मद हसन (43), असमाउल होस्ना (23), शाहिना अख्तर (22), एक 15 वर्षीय लड़का और 17 वर्षीय लड़की शामिल हैं।

आरएबी-11 के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल एएचएम सज्जाद हुसैन ने इन गिरफ्तारियों की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि अता उल्लाह और अन्य आरोपितों पर बांग्लादेश में अवैध प्रवेश और आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के गंभीर आरोप हैं। सभी आरोपितों को सिद्धिरगंज पुलिस स्टेशन ले जाया गया और फिर उन्हें नारायणगंज जिला अदालत में पेश किया गया।

अता उल्लाह अबू अम्मार जुनूनी पर प्रमुख रोहिंग्या नेता मुहीबुल्लाह की हत्या का आदेश देने का आरोप है। इससे पहले गिरफ्तार किए गए संदिग्धों ने इस हत्या के पीछे अता उल्लाह का नाम लिया था। इसके अलावा, बांग्लादेश के डीजीएफआई अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर रिज़वान रश्दी की हत्या में भी अता उल्लाह का नाम सामने आया है। यह हत्या बंदरबन के तुम्ब्रू सीमा क्षेत्र में एक संयुक्त मादक पदार्थ विरोधी अभियान के दौरान हुई थी।

मंगलवार को सभी सात मुख्य आरोपितों को अदालत में पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने प्रत्येक मामले में पांच दिनों की रिमांड देते हुए कुल 10 दिनों की पुलिस हिरासत की मंजूरी दी। कोर्ट इंस्पेक्टर क़य्यूम खान ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ अवैध घुसपैठ और आतंकवाद से संबंधित आरोप लगाए गए हैं। गिरफ्तार तीन महिलाओं और एक किशोर को भी उसी आरोप में जेल भेज दिया गया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है, और पुलिस को इस गिरोह के अन्य सदस्यों की भी तलाश है।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के तीन विश्वविद्यालय अनिश्चितकाल के लिए बंद

इस्लामाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान के तीन विश्वविद्यालयों ने अनिश्चितकाल के लिए परिसर में कक्षाएं बंद कर दी हैं। विद्यार्थियों से वर्चुअल कक्षाओं में भाग लेने को कहा गया है। यह तीनों शिक्षण संस्थान हैं-बलूचिस्तान विश्वविद्यालय, सरदार बहादुर खान महिला विश्वविद्यालय और तुर्बत विश्वविद्यालय। तीनों में शैक्षणिक गतिविधियों को तत्काल निलंबित कर दिया है। सूत्रों के हवाले से कहा गया कि हाल ही में हुए हमलों और सुरक्षा खतरों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। यह निर्णय सिबी के पास जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर यात्रियों को बंधक बनाए जाने के कुछ समय बाद लिया गया। इस घटना की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली थी। तब से बलूचिस्तान में कई हमले हो चुके हैं। बताया गया है कि तीनों विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों को निलंबित करने का डीन और शैक्षणिक विभागों के प्रमुखों के साथ परामर्श के बाद लिया गया। बलूचिस्तान विश्वविद्यालय ने अधिसूचना में कहा है कि डीन और अनुभागीय प्रमुखों के साथ बैठक के बाद निर्णय लिया गया कि अगले आदेश तक सभी परिसर वर्चुअल लर्निंग पर स्विच करेंगे। बलूचिस्तान विश्वविद्यालय के कुलपति जहूर अहमद बाजई ने बताया कि कक्षाओं को ऑनलाइन स्थानांतरित कर दिया गया है, क्योंकि दूरदराज के क्षेत्रों के छात्र राष्ट्रीय राजमार्गों पर विरोध प्रदर्शनों के कारण परिसरों तक पहुंचने में असमर्थ थे। जिन क्षेत्रों में इंटरनेट एक्सेस की समस्या है, वहां के छात्रों को सेमेस्टर के दौरान रियायतें दी जाएंगी। ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्णय ईद-उल-फितर के बाद लिया जाएगा। सरदार बहादुर खान महिला विश्वविद्यालय ने भी इसी तरह के निर्णय की घोषणा करते हुए एक अधिसूचना जारी की। इसमें कहा गया है कि छात्राएं रमजान के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगी। कुलपति प्रो. डॉ. गुल हसन की अध्यक्षता में बैठक के बाद तुर्बत विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा कि मौजूदा स्थिति के मद्देनजर मंगलवार से शैक्षणिक गतिविधियों और कक्षाओं को निलंबित कर दिया गया है।

विरोध प्रदर्शन

मैक्सिको में मैमीसाइकिल मोनूमेंट के सामने बुल फाइटिंग के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग।

ट्रंप प्रशासन ने पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी हत्याकांड के दस्तावेज सार्वजनिक किए

वाशिंगटन, 19 मार्च (एजेंसियां)।

ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की हत्या से जुड़े दस्तावेजों का पुलिंदा सार्वजनिक कर दिया। हालांकि कैनेडी हत्याकांड से जुड़ी कई फाइलें पहले भी सार्वजनिक की जा चुकी हैं। बाइडेन प्रशासन के दौरान 13,000 दस्तावेजों का पुलिंदा देश के सामने सार्वजनिक किया गया था। मंगलवार को सार्वजनिक दस्तावेजों में कुछ हिस्से संपादित बताए गए हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि कैनेडी की हत्या से संबंधित 80,000 पन्नों का रिकॉर्ड देखने के लिए लोग दशकों से इंतजार कर रहे हैं। खास बात यह है कि ट्रंप ने इस साल जनवरी में दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद कैनेडी, रॉबर्ट एफ. कैनेडी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्याओं से संबंधित हजारों फाइलों को सार्वजनिक करने संबंधी एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे।

राष्ट्रीय अभिलेखागार की वेबसाइट पर यह दस्तावेज मंगलवार शाम अपलोड किए गए। इस संबंध में टॉम समोलुक का कहना है कि सार्वजनिक किए गए दस्तावेज में कुछ भी नया नहीं है। कैनेडी की हत्या के लिए एक अकेला बंदूकधारी ली हार्वे ओसवाल्ड जिम्मेदार था। टॉम समोलुक हत्या रिकॉर्ड समीक्षा बोर्ड के उप निदेशक रहे हैं। 1990 के दशक में हत्या से संबंधित रिकॉर्ड का अध्ययन करने के लिए सरकार ने इस बोर्ड का गठन किया था। टॉम और दर्जनों लोगों की टीम ने 1994 और 1998 के बीच दस्तावेजों की नए सिरे से जांच की थी

उन्होंने कहा कि बोर्ड ने जिन अभिलेखों के संग्रह की समीक्षा की, उनमें से अधिकांश को सार्वजनिक कर दिया गया है। अगर दस्तावेजों में कुछ भी नया तथ्य होता तो बोर्ड तभी जारी कर देता। मंगलवार को सार्वजनिक किए गए दस्तावेज में कुछ भी नहीं है। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में लगभग 80,000 पृष्ठ पहले से वर्गीकृत अभिलेख हैं। उनको बिना किसी संशोधन के प्रकाशित किया जाएगा।

वर्जीनिया विश्वविद्यालय के राजनीतिक अध्येता लैरी सबाटो ने कहा कि जो लोग इन दस्तावेजों से 61 साल बाद हत्याकांड के रहस्य से परदा उठने की उम्मीद कर रहे हैं, वे बुरी तरह निराश होने वाले हैं। कैनेडी की हत्या ने लंबे समय से षड्यंत्र के सिद्धांतों को हवा दी है। ऐसा करने में ट्रंप भी पीछे नहीं रहे।

लैरी सुबाटो का टिप्पणी इस मायने में अहम है कि वह इस हत्याकांड पर किताब लिख चुके हैं। इस किताब का नाम है-द कैनेडी हाफ-सेंचुरी: द प्रेसीडेंसी, असैसिनेशन, एंड लास्टिंग लिगेसी ऑफ जॉन एफ. कैनेडी। जॉन एफ कैनेडी की 22 नवंबर, 1963 को गोली मार कर हत्या की गई थी।

आतंकवाद से निपटने की जीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग है भारत: रक्षा सचिव

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां)

भारत ने बुधवार को स्पष्ट किया कि वह आतंकवाद से निपटने की जीरो टॉलरेंस की अपनी नीति पर अडिग है और इसके लिए क्षेत्रीय सहयोगियों से एकजुटता का आह्वान करता है।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने आज यहां आतंकवाद से निपटने के लिए आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम) – प्लस और विशेषज्ञ कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) की 14वीं बैठक में मुख्य भाषण के दौरान कहा, भारत आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य-सहिष्णुता की नीति पर अडिग है और एक ऐसे दृष्टिकोण में विश्वास करता है जो मजबूत घरेलू तंत्र, बढ़ी हुई खुफिया जानकारी साझा करने और मजबूत क्षेत्रीय सहयोग को जोड़ता है।

रक्षा सचिव ने कहा कि आतंकवाद एक गतिशील और उभरती चुनौती बनी हुई है, जिसके खतरे तेजी से सीमाओं को पार कर रहे हैं और आतंकवाद के कारण होने वाले नुकसानों में वृद्धि हो रही है। आतंकवादी समूहों द्वारा उन्नत प्रौद्योगिकी, साइबर उपकरणों और मानव रहित प्रणालियों के उपयोग को रोकने के लिए एक सुसंगत, दूरदर्शी और कार्रवाई-उन्मुख दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र, भू-राजनीतिक और आर्थिक महत्व को देखते हुए, विशेष रूप से संक्रमणकालीन आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के प्रति संवेदनशील है, जिसके लिए एक व्यापक, अनुकूल और गहन सहयोगात्मक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है।

श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि ए डीएमएम-प्लस प्लेटफॉर्म के माध्यम से, भारत उभरते खतरे को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए रक्षा बलों, सुरक्षा एजेंसियों और नीतिगत ढाँचों के बीच तालमेल बनाने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा, जटिल, परस्पर जुड़ी और तेज़ गति वाली दुनिया में, सामाजिक और पारिस्थितिक तंत्र नाजुक हैं। प्राथमिकता निर्धारण और निर्णय लेने में सरकारों को सशक्त बनाने के लिए इस जोखिम का आकलन करना महत्वपूर्ण है। आतंकवाद सरकारों को अस्थिर कर सकता है, नागरिक समाज को कमजोर कर सकता है और सामाजिक और आर्थिक विकास को खतरे में डाल सकता है। अनिश्चितता को समझने और निर्णय लेने पर प्रभाव को बेहतर ढंग से तौलने के लिए निर्णय लेने वालों को मार्गदर्शन प्रदान करना हमारा सामूहिक दायित्व है, । इस बैठक की अध्यक्षता रूस और म्यांमार से तीन साल के चक्र के लिए भारत और मलेशिया को सौंपी गई। रक्षा सचिव ने नए सह-अध्यक्षों की प्रतिबद्धता को व्यक्त किया कि इस चक्र के दौरान किए गए प्रयास व्यावहारिक और सार्थक परिणाम प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा, अपनी सामूहिक विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, क्षमता निर्माण को बढ़ाकर और गहन विश्वास तथा सहयोग को बढ़ावा देकर, हम क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी तैयारियों को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद निरोध पर विशेषज्ञता समूह के वर्तमान चक्र में संयुक्त पहलों के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने और सशस्त्र बलों के बीच अंतर-संचालन में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य उभरती प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग का मुकाबला करना और एआई-संचालित प्रचार, एन्क्रिप्टेड संचार, ड्रोन प्रौद्योगिकियों के उपयोग के माध्यम से आतंकवादियों द्वारा उत्पन्न खतरों का समाधान करना होगा। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन कट्टरपंथ और भर्ती प्रयासों के खिलाफ साइबर मजबूती भी एक फोकस क्षेत्र होगा।

रक्षा सचिव ने कहा कि चक्र के उत्-ारार्ध में व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से क्षमता निर्माण की दिशा में मिलकर काम किया जाएगा, जिसमें मलेशिया 2026 में एक टेबल-टॉप अभ्यास आयोजित करेगा, जिसमें आतंकवाद-रोधी योजना और तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए रणनीतिक-स्तर के निर्णय लेने के सिमुलेशन की सुविधा होगी। वर्ष 2027 में, भारत एक फील्ड ट्रेनिंग अभ्यास की मेजबानी करेगा, जिसका उद्देश्य वास्तविक दुनिया के आतंकवाद-रोधी परिदृश्यों को प्रोत्साहित करना, परिचालन समन्वय को बढ़ाना और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र का परीक्षण करना है। उन्होंने कट्टरपंथ और हिंसक उग्रवाद का मुकाबला करने और आतंकी वित्तपोषण नेटवर्क को बाधित करने के लिए कानूनी और वित्तीय ढांचे को बढ़ाने के लिए पूरी सरकार और पूरे समाज के दृष्टिकोण को विकसित करने का आह्वान किया।

बिल्डर–बैंक मिलीभगत की सुप्रीम कोर्ट कराएगी जांच

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने घर खरीदारों और निवेशकों की मेहनत की गाढ़ी कमाई ठगने वाले बिल्डरों और बैंकों के गठजोड़ की जांच करने के लिए सीबीआई से योजना मांगी है। दिल्ली-एनसीआर के बिल्डरों और बैंकों के बीच गठजोड़ के कारण मझधार में फंसे हजारों फ्लैट खरीदारों के दर्द पर सुप्रीम कोर्ट ने मरहम लगाया है। सुप्रीम कोर्ट ने घर खरीदारों और निवेशकों की मेहनत की गाढ़ी कमाई ठगने वाले बिल्डरों व बैंकों के गठजोड़ की जांच करने के लिए सीबीआई से रोडमैप तलब किया है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, हम मामले की जड़ तक जाएंगे। दोषी धरती पर कहीं भी छिपे हों, उन्हें ढूंढ़ निकाला जाएगा। साथ ही, अदालत की सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव जैन को न्यायमित्र भी नियुक्त किया। पीठ ने जैन से संक्षिप्त नोट दाखिल करने का आग्रह किया कि मामले को आगे कैसे बढ़ाया जाए। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हम किसी भी संस्थान को बुरा या अच्छा नहीं कह रहे हैं। हम निश्चित रूप से सीबीआई जांच कराएंगे, यह स्पष्ट है। हजारों लोग रो रहे हैं। हम आंसू नहीं पोछ सकते, पर उनके मुद्दों को संबोधित कर सकते हैं। समयबद्ध तरीके से कुछ बहुत प्रभावी किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, लाखों लोग घर के लिए कराह रहे हैं। बड़ा तबका इससे पीड़ित है। हम इसकी जड़ तक जाएंगे। हमारी शून्य सहनशीलता है। ऐसे मामलों की जांच सीबीआई को देंगे। पीठ ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वह आला अधिकारियों के साथ चर्चा करें और बताएं कि उन मुद्दों पर जांच कैसे आगे बढ़ा सकते हैं, जिनका जिक्र कोर्ट के 4 मार्च के आदेश और उससे पहले किया गया है।

पीठ एनसीआर में घर खरीदने वालों की शिकायतों पर विचार कर रही थी। खरीदारों ने दावा किया है कि बिल्डरों या डेवलपर की ओर से देरी के कारण उन्हें फ्लैट का कब्जा मिले बिना ही ईएमआई का भुगतान करने के लिए बैंक मजबूर कर रहे हैं। शीर्ष अदालत अपने पहले के आदेश में बैंकों को ईएमआई वसूलने से रोक चुकी है। एजेंसी की ओर से पेश एएसजी ने रोडमैप तय समय में पेश करने का आश्वासन दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बिल्डर और बैंकों के गठजोड़ की इस जांच को पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर संचालित किया जा सकता है।

अवैध मस्जिद और नमाज हॉल ध्वस्त करने का आदेश

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र की बॉम्बे हाईकोर्ट ने निर्देश के बाद भी एक अवैध मस्जिद को नहीं गिराने पर ठाणे नगर निगम को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि यह जरूरी है कि वे नागरिकों के मन में यह बात बैठा दें कि कानून का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दरअसल, इस मस्जिद को बनाने के लिए नगरपालिका से अनुमति नहीं ली गई थी। कोर्ट ने 27 जनवरी को इसे गिराने का आदेश दिया, लेकिन इसकी पूरी तरह तामील नहीं की गई।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति एएस गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खता की पीठ ने की। पीठ ने मस्जिद को गिराने में देरी के लिए निगम के बहाने को खारिज कर दिया और कहा कि कानून को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में किसी भी व्यक्ति या संगठन को यह कहने की भी अनुमति नहीं दी जा सकती कि वह देश के कानून का पालन नहीं करेगा और इसका विरोध करेगा।

अदालत ने साफ शब्दों में कहा, ऐसी परिस्थितियों में कानून लागू करने वालों का कर्तव्य है कि वे ऐसे व्यक्ति/संगठन को देश के कानून का पालन करने के लिए बाध्य करें।

कानून लागू करने वालों के लिए यह भी आवश्यक है कि वे नागरिकों के मन में यह बात बैठा दें कि सरकार द्वारा कानून का उल्लंघन या कानून को लागू करने का विरोध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दरअसल, कासरवडावली के बोरिवडे गांव में न्यू श्री स्वामी समर्थ बोरिवडे हाउसिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड की 18,000 वर्ग मीटर से अधिक की जमीन है। उस जमीन पर अवैध रूप से एक मस्जिद बना दी गई। इसके बाद कंपनी ने ठाणे नगर निगम से इस अवैध ढांचे को ध्वस्त करने के लिए कहा। हालांकि, नगर निगम ने इसमें कार्रवाई नहीं तो कंपनी हाईकोर्ट पहुंच गई।

कंपनी ने कोर्ट से नगर निगम को ढांचा हटाने के लिए निर्देश देने की मांग की। याचिका के अनुसार, गाजी सलाउद्दीन रहमतुल्ला हूले उर्फ परदेशी बाबा ट्रस्ट ने साल 2013 से उसकी 18,122 वर्ग मीटर भूमि पर अतिक्रमण कर लिया है। इस पर अवैध ढांचे का निर्माण कर दिया गया है, जिसमें एक मस्जिद और नमाज पढ़ने के लिए एक बड़ा हॉल शामिल है।

ठाणे नगर निगम ने कोर्ट को बताया कि 1 जनवरी 2025 को साइट का निरीक्षण किया गया था। वहां 3,600 वर्ग फुट पर एक मंजिल का ढांचा बना है। उसमें नमाज के लिए एक हॉल भी है। नगर निगम ने कोर्ट को बताया कि 19 फरवरी को निगम के 10 अधिकारी 65 श्रमिकों तथा कुछ पुलिसकर्मियों के साथ ढांचा गिराने पहुंचे, लेकिन वहां जमा हुई भारी भीड़ के विरोध के कारण यह काम पूरा नहीं हो सका।

हालांकि, कोर्ट ने इसे बहाना बताते हुए नगर निगम के दावे को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जब इतनी बड़ी संरचना का निर्माण किया जा रहा था तो इसे नगर निगम के अधिकारियों ने रोकने के लिए क्या किया, इसको लेकर याचिकाकर्ताओं ने बार-बार पत्राचार किया था।

कोर्ट ने कहा कि नगर निगम कानून को सख्ती से लागू करने में असमर्थ रहा है। कोर्ट ने कहा कि इसकी तस्वीरें देखने से पता चलता है कि ढांचे का अधिकांश भाग गिरा दिया गया है। वहीं, रमजान के महीने के खत्म होते ही तुरंत गिराने का आदेश दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि ढांचे गिराने के बाद इसे दोबारा बनाने की कोशिश होनी चाहिए। न्यायालय ने कहा है कि उसके आदेश के पूरी तरह लागू करने के लिए नगर निगम के अधिकारी जवाबदेह हैं।

केरल हाईकोर्ट ने मंदिर बोर्ड को लगाई फटकार

मंदिर उत्सव में सीपीएम के झंडे क्यों लगाए?

तिरुवनंतपुरम, 19 मार्च (एजेंसियां)।

केरल हाईकोर्ट ने 10 मार्च को कोलम के कडक्कल देवी मंदिर उत्सव के दौरान राजनीतिक प्रतीकों और संगीत के प्रदर्शन पर नाराजगी व्यक्त की है। केरल हाईकोर्ट ने मंगलवार 18 मार्च को मंदिर परिसर के अंदर ऐसी गतिविधियों की अनुमति देने के लिए त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड को फटकार लगाई। उत्सव के दौरान सत्ताधारी पार्टी सीपीआईएम और उसके छात्र विंग के झंडे लगाए गए थे।

इसको लेकर एडवोकेट विष्णु सुनील ने केरल हाईकोर्ट ने याचिका दाखिल की। याचिका में सुनील ने कहा कि कडक्कल देवी मंदिर उत्सव के दौरान सीपीएम और उसकी युवा शाखा डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के राजनीतिक झंडे लगाए। इसके साथ ही वामपंथी राजनीतिक समूहों से जुड़े क्रांतिकारी गीत भी बजाए गए। इसके अलावा, कई तरह श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाया गया।

याचिकाकर्ता ने कहा कि मंदिर उत्सव के दौरान गायक अलोशी एडम को संगीत प्रदर्शन के बुलाया गया था, जो बेहद गैरकानूनी था। इससे भक्तों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने तर्क दिया यह प्रदर्शन कभी भी मंदिर उत्सव का हिस्सा नहीं रहा। एडवोकेट ने कहा कि यह प्रदर्शन धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है, जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मंदिर का प्रबंधन करने वाला त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड यह सुनिश्चित करने में विफल रहा कि मंदिर परिसर का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए। इसके बाद न्यायमूर्ति अनिल के नरेंद्रन और न्यायमूर्ति मुरली कृष्णा की खंडपीठ ने मंदिर परिसर के अंदर राजनीतिक प्रदर्शन के आयोजन की आलोचना की।

कोलम के कडक्कल देवी मंदिर का प्रबंधन करने वाले बोर्ड को फटकार लगाते हुए केरल हाईकोर्ट ने म्यूजिक परफॉर्मेंस के लिए उससे जवाब मांगा है। अदालत ने कहा, आपने मंच पर किस तरह की सजावट की है? क्या यह कोई कॉलेज उत्सव है? आपने ऐसा करने के लिए भक्तों से पैसे लिए हैं! यह मंदिर का उत्सव है। क्या इसमें फिल्मी गानों के बजाय भक्ति गीतों की प्रस्तुति नहीं होनी चाहिए? एडवोकेट विष्णु सुनील की याचिका को स्वीकार कर लिया और कडक्कल देवी मंदिर सलाहकार समिति एवं अन्य प्रतिवादियों से इस पर जवाब मांगा। उत्सव के वीडियो देखने के बाद अदालत ने एक अंतरिम आदेश पारित किया है। इस आदेश में कहा गया है, वीडियो क्लिप देखने के बाद हम पाते हैं कि 10 मार्च को वार्षिक उत्सव में होने वाली गतिविधियां मंदिर में स्वीकार नहीं की जा सकतीं।

इस मामले में केरल हाईकोर्ट ने मंदिर बोर्ड को चेतावनी देते हुए कहा कि उनके द्वारा प्रबंधित किसी भी मंदिर में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने निर्देश में आगे कहा, त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड यह सुनिश्चित करेगा कि उसके प्रबंधन के तहत किसी भी मंदिर के उत्सव में ऐसी गतिविधि न हो। वहीं, मंदिर बोर्ड ने कहा कि मंदिर सलाहकार समिति ने उसे सूचित किए बिना ही संगीत कार्यक्रम आयोजित किया था। हालांकि, कोर्ट मंदिर बोर्ड यानी त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के इस दलील से सहमत नहीं हुआ। हाईकोर्ट ने कहा, हम बोर्ड द्वारा अपनाए गए रुख से प्रथम दृष्टया प्रभावित नहीं हैं। जैसा कि वीडियो में देखा जा सकता है कि डॉल्बी स्क्रीन और फ्लैश लाइट से सुसज्जित मंच पर विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए बड़ी रकम खर्च की गई है। कोर्ट ने कहा कि मंदिर के धन के इस तरह के दुरुपयोग को रोका जा सकता था।

2000 रुपए तक के भीम-यूपीआई भुगतान 2025-26 में भी रहेंगे प्रभार मुक्त: सरकार

नयी दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने ग्राहक से दुकानदार को कम मूल्य वाले भुगतान (पी2एम) में भीम-यूपीआई के उपयोग को को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को वित्त वर्ष 2025-26 में जारी रखने का निर्णय लिया है।

इस निर्णय के तहत छोटे व्यापारियों को दो हजार रुपये तक के भुगतान पर एक निश्चित दर पर प्रोत्साहन की व्यवस्था बनी रहेगी। इस योजना के प्रोत्साहन के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए 1500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल के इस निर्णय की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वष्णव ने कहा कि देश में डिजिटल भुगतान तेजी से लोक प्रिय हुआ है। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ग्राहकों की ओर से 2000 रुपये तक के भुगतान को मर्चेंट डिस्काउंट दर (एमडीआर) के प्रभार से मुक्त रखा है।

उन्होंने कहा कि 'व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) को कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना' एक साल के लिए जारी रखने का निर्णय किया गया है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान तंत्र में ग्राहक का बैंक, फिनटेक और भुगतान प्राप्त करने वाला बैंक , भुगतान सेवा प्रदाता कंपनी और तीसरे पक्ष के मोबाइल ऐप आदि का एक बड़ा तंत्र शामिल होता है जिसके विकास और सुरक्षा पर खर्च आता है। फिर भी छोटे भुगतान को प्रभार से मुक्त रखा गया है।

इस निर्णय के विषय में जारी कैबिनेट की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेनदेन (पी2एम) को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से प्रोत्साहन योजना को 01.04.2024 से 31.03.2025 तक 1,500 करोड़ रुपये के अनुमानित परिव्यय पर लागू किया जाएगा।

सरकार ने कहा है कि इस योजना के अंतर्गत केवल छोटे व्यापारियों के लिए 2,000- तक के यूपीआई (पी2एम) लेनदेन को शामिल किया गया है। इस योजना में छोटे व्यापारियों को दो हजार रुपये तक के भुगतान के लिए शून्य एमडीआर (0.15 प्रतिशत की दर) से प्रोत्साहन दिया जाता है।

विज्ञप्ति के अनुसार योजना की सभी तिमाहियों के लिए, अधिग्रहण करने वाले बैंकों (धन प्राप्त करने वाले बैंकों) द्वारा स्वीकृत दावा राशि का 80 प्रतिशत बिना किसी शर्त के वितरित किया जाएगा।

प्रत्येक तिमाही के लिए स्वीकृत दावा राशि के शेष 20 प्रतिशत की प्रतिपूर्ति निम्नलिखित शर्तों पर निर्भर होगी: स्वीकृत दावे का 10 प्रतिशत केवल तभी प्रदान किया जाएगा, जब अधिग्रहण करने वाले बैंक की तकनीकी गिरावट 0.75 प्रतिशत से कम होगी और, स्वीकृत दावे का शेष 10 प्रतिशत केवल तभी प्रदान किया जाएगा जब अधिग्रहण करने वाले बैंक का सिस्टम अपटाइम 99.5 प्रतिशत से अधिक होगा।

सरकार का कहना है कि चूंकी छोटे व्यापारी मूल्य-संवेदनशील होते हैं, इसलिए यह कदम उन्हें यूपीआई भुगतान स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

सरकार का लक्ष्य फीचर फोन आधारित (यूपीआई 123पेय) और ऑफलाइन (यूपीआई लाइट/यूपीआई लाइटएक्स) भुगतान समाधान जैसे अभिनव उत्पादों को बढ़ावा देकर टियर तीन से छह तक के शहरों, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में यूपीआई का प्रवेश कराना है।

आरबीआई के अनुसार, सभी कार्ड नेटवर्क (डेबिट कार्ड के लिए) पर लेनदेन मूल्य का 0.90 प्रतिशत तक और एनपीसीआई के अनुसार, यूप-ीआई पी2एम लेनदेन के लिए लेनदेन मूल्य का 0.30 प्रतिशत तक एमडीआर लागू है।

रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेनदेन (पी2एम) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंत्रिमंडल की स्वीकृति के साथ लागू किया गया है।

सरकार ने इसके लिए वर्ष 2021-22 में 1389 करोड़ रुपये, 2022-23 में 1110 करोड़ रुपये और 2023-24 में 3631 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया है।

इस प्रोत्साहन राशि का भुगतान अधिग्रहणकर्ता बैंक (व्यापारी का बैंक) को किया जाता है और उसके बाद यह अन्य हितधारकों के बीच साझा किया जाता है जिनमें जारीकर्ता बैंक (ग्राहक का बैंक), भुगतान सेवा प्रदाता बैंक (जो यूपीआईऐप/एपीआई एकीकरण पर ग्राहक को शामिल करने की सुविधा प्रदान करता है) तथा और ऐप प्रदाता (टीपीएपी) शाामिल होते हैं।

श्री वैष्णव ने बताया कि सिंगापुर, फ्रांस, यूएई, श्रीलंका , भूटान , नेपाल और मारीशस सहित छह देशों में यूप-ीआई प्रणाली से लेन-देन हो रहा है। यूपीआई को जापान में पेटेंट स्वीकृत किया गया है।

उन्होंने बताया कि यूपीआई लेन-देन की संख्या चालू वित्त वर्ष -अप्रैल-मार्च 2024-25 में इस वर्ष जनवरी तक 151 अरब तक थी जिनका कुल मूल्य 213.8 अरब रुपये के बराबर था ।संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी

नयी दिल्ली 19 मार्च (वार्ता) सरकार ने पशुधन क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन को मंजूरी देते हुए इसके लिए 3400 करोड़ रूपये का व्यय निर्धारित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

इस प्रस्ताव में पशुधन क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत केंद्रीय क्षेत्र घटक के रूप में संशोधित मिशन का क्रियान्वयन 1000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त परिव्यय के साथ किया जा रहा है, जो 2021-22 से 2025-26 तक 15वें वित्त आयोग चक्र के दौरान कुल 3400 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है।

मिशन के साथ दो नई गतिविधियां जोड़ी गई हैं । पहली गतिविधि में कुल 15000 बछियों के लिए सुविधाओं के निर्माण को लेकर बछिया पालन केंद्रों की स्थापना के लिए पूंजीगत लागत का 35 प्रतिशत एकमुश्त सहायता का प्रावधान है। दूसरी गतिविधि में किसानों को उच्च आनुवंशिक योग्यता (एचजीएम) आईवीएफ बछिया खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है।

यह योजना राष्ट्रीय गोकुल मिशन की मौजूदा गतिविधियों को जारी रखने के लिए है।

धर्मेंद्र-विनोद खन्ना की ब्लॉकबस्टर फिल्म मेरा गांव मेरा देश

ने रखी थी शोले की नींव, 4 साल पहले भी बजा था हीमैन का डंका

साल 1971 में धर्मेंद्र और विनोद खन्ना की एक ऐसी फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी, जो कल्ट साबित हुई थी। फिल्म ने उस साल ताबड़तोड़ कमाई की थी। फिल्म के गाने भी काफी पसंद किए गए थे। फिल्म में उस दौर की टॉप एक्ट्रेस आशा पारेख ने लीड रोल निभाया था। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, उसका नाम है 'मेरा गांव मेरा देश'। इस फिल्म की कहानी एक शातिर चोर अजीत के इर्द-गिर्द घूमती है जिसे पूर्व फौजी हवलदार मेजर जसवंत सिंह एक चोरी के आरोप में गिरफ्तार करवा देता है। जेल से छूटने पर जेलर की सलाह मानते हुए अजीत उसी फौजी से काम मांगने उसके गांव जाता है।

'मेरा गांव मेरा देश' को 'शोले' के लिए प्रेरणा माना जाता है, क्योंकि इसकी थीम और किरदार काफी हद तक मिलते-जुलते थे। लेकिन शोले ने अपने निर्देशन, संवादों और किरदारों की गहराई से इसे एक ऐतिहासिक और कालजयी फिल्म बना दिया। मेरा गांव मेरा देश में धर्मेंद्र, आशा पारेख और विनोद खन्ना लीड रोल में नजर आए थे। इस फिल्म को खासतौर पर इसलिए भी याद रखा जाता है, क्योंकि इसी फिल्म की कहानी से हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्म शोले निकली थी। साल 1971 में धर्मेन्द्र, आशा पारेख और विनोद खन्ना की इस ब्लॉकबस्टर ने बॉक्स ऑफिस को हिला कर रख दिया था। फिल्म की कहानी, किरदार और गानें तो इतने पॉपुलर हुए थे कि आज भी लोग इन्हें भूल नहीं पाए हैं।

इस फिल्म में विनोद खन्ना ने फिल्म में विलेन की भूमिका निभाकर इतिहास रच दिया था। फिल्म खासतौर पर विनोद खन्ना के फिल्म में डायलॉग तो काफी पॉपुलर हुए थे। 'जब्बर सिंह ने दो ही बातें सीखी हैं ... एक मौके का फायदा उठाना और दूसरा, दुश्मनों का नाश करना...' ये उस फिल्म के सबसे चर्चित डायलॉग थे। शोले और मेरा गांव मेरा देश में काफी समानता थीं। दोनों फिल्मों की कहानी एक गांव के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां डाकू आतंक मचाते हैं और नायक उनका सामना करता है। मेरा गांव मेरा देश में डाकू जलाल खान (जयंत) गांववालों को परेशान करता है और 'शोले' में गब्बर सिंह (अमजद खान) पूरे रामगढ़ गांव को लूटता है।

दोनों ही फिल्मों में लीड रोल में (धर्मेंद्र) पहले अपराधी या आवारा प्रवृत्ति के होते हैं, लेकिन बाद में वीरता दिखाते हैं। 'मेरा गांव मेरा देश' में अजीत (धर्मेंद्र) एक छोटा चोर होता है, जिसे गांव की रक्षा के लिए भेजा जाता है और शोले में में वीरू (धर्मेंद्र) और जय (अमिताभ) पहले अपराधी होते हैं, लेकिन ठाकुर के कहने पर गांव बचाने का बीड़ा उठाते हैं।

पढ़ाई पूरी करने के लिए निम्रत कौर ने शुरू की थी मॉडलिंग

छोटे से शहर से निकलकर बनीं इंटरनेशनल स्टार

फिल्मी दुनिया में ऐसे कई सितारे हैं, जिनका जीवन संघर्षों से भरा रहा है। संघर्षों के बाद कई सितारों ने सफलता का स्वाद भी चखा। जानी मानी एक्ट्रेस निम्रत कौर का सफर भी फिल्मी दुनिया में इतना आसान नहीं था। एक्ट्रेस का निजी जीवन भी परेशानियों भरा था। राजस्थान के एक छोटे से गांव से आज निम्रत एक बड़ी इंटरनेशनल स्टार बन चुकी हैं। निम्रत कौर के पिता एक आर्मी ऑफिसर थे, लेकिन केवल 11 साल की उम्र में एक्ट्रेस के सिर से पिता का साया उठ गया। उनके पिता कश्मीर में शहीद हो गए थे। निम्रत के पिता के निधन के बाद उनकी माताजी उन्हें और उनकी बहन को लेकर पिलानी से लेकर नोएडा शिफ्ट हो गई थीं। एक्ट्रेस ने काफी लंबे संघर्ष के बाद फिल्मी दुनिया में कदम रखा।

निम्रत पिता के निधन के बाद मां और अपनी बहन के साथ नोएडा आईं। यहां उन्होंने स्कूलिंग की। इसके बाद, उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से अपनी ग्रेजुएशन पूरी की। हालांकि, उनके परिवार की कंडीशन उस दौरान इतनी अच्छी नहीं थी। ऐसे में परिवार को सपोर्ट करने और पढ़ाई के खर्चे निकालने के लिए एक्ट्रेस ने मॉडलिंग भी की।

मॉडलिंग असाइनमेंट्स करते हुए ही निम्रत ने मुंबई जाने का फैसला किया। एक्ट्रेस आगे चलकर मुंबई शिफ्ट हुईं और साल 2004 में उन्हें सोनू निगम के म्यूजिक वीडियो से डेब्यू करने का शानदार मौका मिला। इसी के बाद, उन्होंने एक्टिंग की ट्रेनिंग और थिएटर पर फोकस किया। साल 2012 में एक्ट्रेस को फिल्म पेडलर्स में उन्होंने एक छोटा और दमदार रोल किया। फिल्म का प्रीमियर कान्स फिल्म समारोह में हुआ था, जिसमें निम्रत के काम की खूब चर्चा हुई। फिल्म द लंचबॉक्स ने निम्रत के करियर को एक नया मोड़ दिया। इरफान खान के साथ एक्ट्रेस ने इस फिल्म में स्क्रीन शेयर की। इस फिल्म को उस दौरान कई अवॉर्ड मिले। एक्ट्रेस की खूब तारीफें भी हुई। एक्ट्रेस ने बॉलीवुड के बाद अमेरिकन टीवी शो होमलैंड में भी दमदार किरदार निभाया। इसी के साथ निम्रत अब एक इंटरनेशनल स्टार बन चुकी हैं। इंटरनेशनल सिनेमा में भी एक्ट्रेस अब अपनी खास पहचान कायम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस स्काई फोर्स और एयर लिफ्ट जैसी फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं।

बिजनेसमैन पति और 90 के दशक की हसीना आयशा जुल्का 22 साल से क्यों है बेऔलाद?

90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस की बात हो तो आयशा जुल्का का नाम भी इस लिस्ट में आता है। करियर के दौरान अक्षय कुमार से लेकर मिथुन चक्रवर्ती संग उनका नाम भी जुड़ा। मगर एक्ट्रेस ने सब गॉसिप्स को साइड करते हुए साल 2003 में समीर वशी से शादी कर ली। दोनों की शादी को 22 साल हो चुके हैं लेकिन खुद की कोई औलाद नहीं है। मगर वह फिर भी 160 बच्चों की मां हैं। हालिया इंटरव्यू में उन्होंने फैमिली प्लानिंग पर बात करते हुए ये कहा कि उन्हें खुद के बच्चे न होने का कोई मलाल भी नहीं है। आयशा जुल्का ने 'बॉलीवुड बबल' को दिए इंटरव्यू में, फैमिली प्लानिंग को लेकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि बच्चे नहीं हुए।। ऐसा नहीं है। बच्चे न करना उनका खुद का फैसला था। उन्होंने ये भी माना कि उन्हें बच्चे न करने का कोई मलाल नहीं है। ये उनकी पसंद है न की दूसरों की।

आयशा जुल्का को नहीं है बच्चों के न होने का मलाल

आयशा जुल्का ने इंटरव्यू में ये भी बताया कि उनके बच्चे न करने के फैसले में पति और फैमिली ने भी पूरा सपोर्ट किया है। इसलिए उन्होंने कभी भी दूसरों की बातों पर गौर नहीं किया। क्योंकि उनके लिए दूसरों की बातें मायने भी नहीं रखती है। बता दें आयशा जुल्का ने 90 के दशक में इंडस्ट्री पर राज किया है। आज के समय में तगड़ी नेटवर्थ रखती हैं।

गोद ले रखे हैं दो गांव

आयशा जुल्का ने गुजरात के दो गांव गोद लिए हुए हं। जहां वह 160 बच्चों के खाने-पीने और पढ़ाई का खर्चा उठाती हैं। एक बार ई-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि जब उन्होंने गांव गोद लेने का फैसला लिया तो उनके पति ने पूरा साथ दिया। आज के समय में वह 160 बच्चों की मां की तरह परवरिश कर रही हैं जहां शिक्षा से लेकर जरूरतमंद चीजों का वह सबका ख्याल रखती हैं। इन बच्चों के जरिए ही वह अपने मदरहुड को पूरा करती हैं।

कभी जुड़ा था सितारों के साथ नाम

करियर के दौरान आयशा जुल्का का नाम बड़े बड़े बड़े स्टार्स के साथ जुड़ा। मिथुन चक्रवर्ती, अक्षय कुमार, अरमान कोहली जैसी हस्तियां के साथ कथित रूप से उनका रिश्ता था। मगर उन्होंने कभी ये स्वीकार नहीं किया। उनके पति समीर वशी बिजनेसमैन हैं।

अनसूया ने छोटे पर्दे पर ग्लैमर का तड़का लगाया

39 साल अनसूया भारद्वाज तेलुगु इंडस्ट्री की सबसे सफल एक्ट्रेस में से एक माना जाती हैं। उन्होंने सुपरहिट तेलुगु शो में अपनी जबरदस्त परफॉर्मेंस से खूब शोहरत बटोरी। इतनी ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए उन्हें जीरो से शुरुआत करनी पड़ी थी। अनसूया उन सितारों में से हैं, जो खुलकर बात करना और दिल की बात बिना झिझक के कह देना पसंद करते हैं। अनसूया की भी ऐसी ही आदत है। असल जिंदगी में रोजमर्रा की बातों पर हमेशा खुलकर बात करने वाली अनसूया ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कई सीक्रेट्स शेयर किए। बाहर से दिखने वाली अनसूया और घर में रहने वाली अनसूया अलग-अलग हैं, ऐसा कहते हुए उन्होंने अपनी निजी बातें शेयर कीं। इसी क्रम में उन्होंने अपनी खाने की आदतें, फिटनेस सीक्रेट्स और पीरियड्स के समय में कैसे रहती हैं, ये सब खुलकर बताया।

उन्होंने बताया कि बचपन से ही उनके घर में एक परंपरा थी, जिसे वे आज भी मानती हैं। अपने पीरियड्स के दौरान वे पांच दिनों तक घर से दूर रहती हैं। पीरियड्स के समय में वे घर की चीजों को भी नहीं छूतीं। उन्होंने कहा कि उनकी सास भी उनसे नहीं पूछतीं कि वे किस दिन पर हैं। अनसूया ने कहा कि कुछ पुरुष पीरियड्स के समय में महिलाओं को समझे बिना ही उनसे बुरा व्यवहार करते हैं, जो गलत है। उन्होंने कहा कि घर की लक्ष्मी मानी जाने वाली महिलाओं का हमारे जीवन में होना एक वरदान है, इसे समझना चाहिए। उनके ये कमेंट्स अब वायरल हो रहे हैं।

जबरदस्त ब्यूटी के रूप में सबके दिलों में जगह बनाने वाली अनसूया ने छोटे पर्दे पर ग्लैमर का तड़का लगाया है और अपनी पहचान बनाई है। अपनी बातों से मजा करते हुए और अपनी खूबसूरती से सबको मंत्रमुग्ध करते हुए उन्होंने पॉपुलैरिटी बढ़ाई है। हाल ही में जबरदस्त को अलविदा कहने वाली अनसूया अब बड़े पर्दे पर अपनी प्रतिभा दिखा रही हैं। लगातार ऑफर्स मिलते जा रहे हैं और वे सेट्स पर बिजी हैं। अलग-अलग किरदार निभाते हुए वे सिल्वर स्क्रीन पर अपनी यात्रा जारी रखे हुए हैं। कुछ ही दिनों में पवन कल्याण की फिल्म 'हरिहर वीरमल्लू' में अनसूया का जलवा देखने को मिलेगा। इस मूवी के 'कोल्लागोट्टिनादिरो' गाने में पवन के साथ उन्होंने डांस किया है। इसके लिए उन्होंने भारी भरकम फीस ली है। खबर है कि उन्हें 50 लाख रुपये का रेम्यूनरेशन मिला है। सिल्वर स्क्रीन की यात्रा के दौरान अनसूया को एक और बड़ा ऑफर मिला है। 'नागबंधम' नाम की पैन इंडिया मूवी में उन्हें एक पावरफुल रोल मिला है। फिलहाल वे इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर भी अनसूया का जलवा कायम है। वे लगातार ग्लैमरस लुक्स शेयर कर अपनी फॉलोइंग बढ़ा रही हैं। नियमित रूप से नेटिजन्स को अपनी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर रही हैं अनसूया भारद्वाज।

12 सालों में टूट गई शादी तलाक के बाद बेटियों को अकेले पाल रहीं ईशा देओल?

हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने साल 2024 में पति भरत तख्तानी से तलाक का ऐलान किया था। 12 साल तक साथ रहने के बाद कपल ने अलग होने का फैसला किया। हालांकि, शादी टूटने के बाद भी दोनों मिलकर अपनी बेटियों को पाल रहे हैं। हाल ही में ईशा देओल ने सिंगल पेरेंटिंग की चुनौतियों के बारे में बात की और बताया कि वह भरत के साथ कैसे को-पेरेंटिंग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को किसी भी तरह की तकलीफ नहीं होनी चाहिए। माता-पिता को मिलकर काम करना चाहिए, ताकि बच्चों को किसी भी तरह की कमी महसूस न हो।

इंटरव्यू में ईशा देओल ने बताया कि उनकी बेटियां ही उनके लिए सबकुछ हैं। उन्होंने कहा, 'दो लोगों के बीच का रिश्ता खत्म हो सकता है, लेकिन जब बच्चे शामिल होते हैं, तो अपने ईगो को एक तरफ रख देना चाहिए। आखिरकार, हम इन खूबसूरत बच्चों के माता-पिता हैं। उन्हें सबसे बेस्ट देना चाहिए और मुझे लगता है कि जब आप ऐसा करने का फैसला लेते हैं, जब आप ऐसे होते हैं, तो दूसरा व्यक्ति भी साथ देता है, अगर यह संभव हो।'

साइड में रखना पड़ता है अपना ईगो

ईशा देओल ने कहा, 'अगर दो लोगों ने मिलकर कुछ तय किया है, तो इससे बच्चों को तकलीफ न होने दें और अपने ईगो को एक तरफ रखिए और इन नई भूमिकाओं के साथ इसे सुलझाने की कोशिश करें, जो हमने एक-दूसरे के जीवन में ली हैं। अपने बच्चों के लिए आपको एक यूनिट बनकर रहना होगा। वह यूनिट टूट नहीं सकती। शायद दूसरी यूनिट टूट गई हो, लेकिन अपने बच्चों की खातिर मिलकर रहें। मुझे लगता है कि यह बहुतों के लिए कठिन है, लेकिन आप कोशिश कीजिए। मुझे लगता है कोशिश करते रहना चाहिए और हार मत मानिए।'

शादी के बाद एक्टिंग से क्या लिया ब्रेक?

मां बनने के बाद अपने करियर से ब्रेक लेने के बारे में ईशा देओल से पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैंने ब्रेक पूरी तरह से फैमिली शुरू करने के लिए था और मैं दो बार मां बनी। एक महिला के तौर पर यह मेरा चुनाव है। मैं अपने बच्चों को वो समय देना चाहती हूं और यह सही भी है। मैं हमेशा वही करना चाहती थी, जो हर लड़की चाहती है, जैसे शादी करना, घर बसाना, बच्चे करना और मैं अभी भी अपने हिस्से का काम पूरे दिल से कर रही हूं, अपनी दोनों बेटियों के लिए। उन्हें यह पसंद है कि उनकी मां एक एक्ट्रेस है।'

21 को शीतला सप्तमी और 22 को होगी शीतलाष्टमी

होली के बाद सातवें और आठवें दिन देवी शीतला माता की पूजा की परंपरा है। इन्हें शीतला सप्तमी या शीतलाष्टमी कहा जाता है। शीतला माता का जिक्र स्कंद पुराण में मिलता है। पौराणिक मान्यता है कि इनकी पूजा और व्रत करने से चेचक के साथ ही अन्य तरह की बीमारियां और संक्रमण नहीं होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि चैत्र मास में शीतला माता के लिए शीतला सप्तमी 21 मार्च और अष्टमी 22 मार्च का व्रत-उपवास किया जाता है। इस व्रत में ठंडा खाना खाने की परंपरा है। जो लोग ये व्रत करते हैं, वे एक दिन पहले बनाया हुआ खाना ही खाते हैं। 20 और 21 मार्च को रांधा पुआ होगा। जहां पर शीतला सप्तमी मनाई जाएगी। वहां पर 20 मार्च को रांधा पुआ होगा। जहां पर शीतला अष्टमी मनाई जायेगी। वहां पर 21 मार्च को रांधा पुआ होगा। कहीं पर सप्तमी के दिन और कहीं पर अष्टमी के दिन ठंडा भोजन किया जाता है। दरअसल, ये समय शीत ऋतु के जाने का और ग्रीष्म ऋतु के आने का समय है। इस दौरान मौसमी बीमारियां होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। शीतला सप्तमी और अष्टमी पर ठंडा खाना खाने से हमें मौसमी बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है। ऐसी मान्यता है। बसौड़ा हिन्दू धर्म में एक महत्वपूर्ण त्योहार है। शीतला अष्टमी को 'बसौड़ा पूजा' के नाम से भी जाना जाता है। बसौड़ा पूजा, शीतला माता को समर्पित लोकप्रिय त्योहार है। यह त्योहार चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाता है। आमतौर पर यह होली के आठ दिनों के बाद पड़ता है लेकिन कई लोग इसे होली के बाद पहले सोमवार या शुक्रवार को मनाते हैं। बसौड़ा या शीतला अष्टमी का यह त्योहार उत्तर भारतीय राज्यों जैसे गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अधिक लोकप्रिय है। राजस्थान राज्य में शीतला अष्टमी का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर मेलां व लोक संगीत के कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। भक्त इस पर्व को बड़े ही हर्षोल्लास और भक्ति के साथ मनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस चुने हुए दिन पर व्रत रखने से उन्हें कई तरह की बीमारियों से बचाव होता है।

बच्चों को बीमारियों से दूर रखने के लिए और उनकी खुशहाली के लिए इस त्योहार को मनाने की परंपरा बरसों से चली आ रही है। कुछ स्थानों पर शीतला अष्टमी को बासौड़ा भी कहा जाता है। इस दिन माता शीतला की बासी भोजन का भोग लगाने की परंपरा है और स्वयं भी प्रसाद के रूप में बासी भोजन ही करना होता है। नाम के अनुसार ही शीतला माता को शीतल चीजें पसंद हैं। मां शीतला का उल्लेख सर्वप्रथम स्कन्दपुराण में मिलता है। इनका स्वरूप अत्यंत शीतल है और कष्ट-रोग हरने वाली हैं। गधा इनकी सवारी है और हाथों में कलश, सूप, झाड़ू और नीम के पत्ते हैं। मुख्य रूप से इनकी उपासना गर्मी के मौसम में की जाती है।

शीतला सप्तमी और अष्टमी

कुछ जगह शीतला माता की पूजा चैत्र महीने के कृष्णपक्ष की सप्तमी को और कुछ जगह अष्टमी पर होती है। सप्तमी तिथि के स्वामी सूर्य और अष्टमी के देवता शिव होते हैं। दोनों ही उग्र देव होने से इन दोनों तिथियों में शीतला माता की पूजा की जा सकती है। निर्णय सिंधु ग्रंथ के मुताबिक इस व्रत में सूर्योदय व्यापिनी तिथि ली जाती है।

शीतला सप्तमी

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत 21 मार्च को देर रात 02:45 मिनट पर शुरू होगी और 22 मार्च को सुबह 04:23 मिनट पर समाप्त होगी। शीतला सप्तमी पर पूजा के लिए शुभ समय 21 मार्च को सुबह 06:24 मिनट से लेकर शाम 06:33 मिनट तक है। इस दौरान साधक देवी मां शीतला की पूजा कर सकते हैं।

शीतला अष्टमी शुभ मुहूर्त

चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 22 मार्च को सुबह 04::23 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, 23 मार्च को सुबह 05:23 मिनट पर समाप्त होगी। इस दिन ही बसौड़ा मनाया जाएगा। चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर मां शीतला की विशेष पूजा की जाती है।

शीतला सप्तमी शुभ योग

चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इनमें सिद्धि योग शाम 06:42 मिनट तक है। इस योग में मां शीतला की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता एवं सिद्धि मिलेगी। इसके साथ ही शीतला सप्तमी पर रवि योग का भी संयोग है। इस योग में मां शीतला की साधना करने से आरोग्य जीवन का वरदान मिलेगा। वहीं, भद्रावास का योग दोपहर 03:38 मिनट तक है।स्कन्द पुराण में माता शीतला की अर्चना का स्तोत्र 'शीतलाष्टक' के रूप में प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि- इस स्तोत्र की रचना स्वयं भगवान शंकर ने की थी। शास्त्रों में भगवती शीतला की वंदना के लिए यह मंत्र बताया गया है। मंत्र है-

वन्देऽहंशीतलांदेवीं रासभस्थांदिगम्बराम्।।
मार्जनीकलशोपेतां सूर्पालंकृतमस्तकाम्।।

अगर आप अपने घर की सुख-समृद्धि बनाये रखना चाहते हैं तो आपको स्नान आदि के बाद शीतला माता के इस मंत्र का 51 बार जप करना चाहिए। मंत्र इस प्रकार है- ऊँ ह्रीं श्रीं शीतलायै नमः। आज के दिन ऐसा करने से आपके घर की सुख-समृद्धि बनी रहेगी। साथ ही आपके परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहेगी। अगर आप भय और रोग आदि से छुटकारा पाना चाहते हैं तो आपको देवी शीतला के इस मंत्र का 21 बार जप करना चाहिए। मंत्र है।

वन्देड्हं शीतलां देवीं सर्वरोग भयापहम्।
यामासाद्य निवर्तेत विस्फोटक भयं महत्।।

अगर आप अच्छे स्वास्थ्य की कामना रखते हैं। साथ ही लंबी आयु का वरदान पाना चाहते हैं, तो आपको शीतलाष्टक स्त्रोत में दी गई इन पंक्तियों का जाप करना चाहिए। पंक्तियां इस प्रकार हैं-

मृणाल तन्तु सदृशीं नाभि हृन्मध्य संस्थिताम्।
यस्त्वां संचिन्त येद्देवि तस्य मृत्युर्न जायते।।

ऐसी प्राचीन मान्यता है कि जिस घर की महिलाएं शुद्ध मन से इस व्रत को करती है, उस परिवार को शीतला देवी धन-धान्य से पूर्ण कर प्राकृतिक विपदाओं से दूर रखती हैं। मां शीतला का पर्व किसी न किसी रूप में देश के हर कोने में मनाया जाता है।

ठंडा खाने की परंपरा

शीतला माता का ही व्रत ऐसा है जिसमें शीतल यानी ठंडा भोजन करते हैं। इस व्रत पर एक दिन पहले बनाया हुआ भोजन करने की परंपरा है। इसलिए इस व्रत को बसौड़ा या बसियौरा भी कहते हैं। माना जाता है कि ऋतुओं के बदलने पर खान-पान में बदलाव करना चाहिए है। इसलिए ठंडा खाना खाने की परंपरा बनाई गई है। धर्म ग्रंथों के मुताबिक शीतला माता की पूजा और इस व्रत में ठंडा खाने से संक्रमण और अन्य बीमारियां नहीं होती। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान व मध्य प्रदेश के कुछ समुदाय के लोग इस त्योहार को बासौड़ा कहते हैं। जो कि बासी भोजन के नाम से लिया गया है। इस त्योहार को मनाने के लिए लोग सप्तमी की रात को बासी भोजन तैयार कर लेते हैं और अगले दिन देवी को भोग लगाने के बाद ही स्वयं ग्रहण करते हैं। कहीं पर हलवा पूरी का भोग तैयार किया जाता है तो कुछ स्थानों पर गुलगुले बनाए जाते हैं। कुछ स्थानों पर गन्ने के रस की बनी खीर का भोग भी शीतला माता को लगाया जाता है। इस खीर को भी सप्तमी की रात को ही बना लिया जाता है।

बीमारियों से बचने के लिए व्रत

माना जाता है कि देवी शीतला चेचक और खसरा जैसी बीमारियों को नियंत्रित करती हैं और लोग उन बीमारियों को दूर करने के लिए उनकी पूजा करते हैं।

सुख-समृद्धि के लिए व्रत

हिन्दू धर्म के अनुसार सप्तमी और अष्टमी तिथि पर महिलाएं अपने परिवार और बच्चों की सलामती के लिए और घर में सुख, शांति के लिए बासौड़ा बनाकर माता शीतला को पूजती है। माता शीतला को बासौड़ा में कढ़ी-चावल, चने की दाल, हलवा, बिना नमक की पूड़ी चढ़ावे के एक दिन पहले ही रात में बना लेते हैं। अगले दिन ये बासी प्रसाद देवी को चढ़ाया जाता है। पूजा के बाद महिलाएं अपने परिवार के साथ प्रसाद ग्रहण करती हैं।

पौराणिक कथा

एक बार की बात है, प्रताप नगर में गांववासी शीतला माता की पूजा-अर्चना कर रहे थे और पूजा के दौरान गांव वालों ने गर्म नैवेद्य माता शीतला को चढ़ाया। जिससे देवी का मुंह जल गया। जिससे गांव में आग लग गई। लेकिन एक बुढ़िया का घर बचा गया था। गांव वालों ने बुढ़िया से घर न जलने की वजह पूछी तो बताया कि उसने माता शीतला को ठंडा प्रसाद खिलाया था और कहा कि मैंने रात को ही प्रसाद बनाकर ठंडा बासी प्रसाद माता को खिलाया। जिससे देवी ने प्रसन्न होकर मेरे घर को जलने से बचा लिया। बुढ़िया की बात सुनकर गांव वालों ने अगले पक्ष में सप्तमी/अष्टमी के दिन उन्हें बासी प्रसाद खिलाकर माता शीतला का बसौड़ा पूजन किया।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

गुरुग्राम में शीतला माता का वो मंदिर जहां धागा बांधते ही पूरी होती है इच्छा

गुरुग्राम का शीतला माता मंदिर यहां की अलग पहचान बनाए हुए है। बता दें, ये मंदिर लोगों के बीच काफी खास भी है, क्योंकि मंदिर का संबंध महाभारत से जुड़ा है।

चुन्नी बांधकर मन्नत मांगते हैं भक्त

शीतला माता को ब्राह्मण, वैश्य, क्षत्रिय, जाट और गुर्जर जैसे कई समाजों में कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है। गुरुग्राम के शीतला माता मंदिर में ना केवल स्थानीय लोग आते हैं, बल्कि दूसरे शहरों से लोग यहां अक्सर शादी करते हैं या फिर बच्चों का मुंडन करवाते हैं। इस मंदिर के मेन गेट पर आपको बरगद का भी पेड़ दिखाई देगा। माना जाता है कि श्रद्धालु अपनी इच्छा को पूरा करवाने के लिए पेड़ से चुन्नी या मौली बांधते हैं और शीतला माता को जल चढ़ाकर मन्नत मांगते हैं। महिलाएं संतान प्राप्ति के लिए माता की पूजा करते हैं।

महाभारत काल से है मंदिर का कनेक्शन

शीतला माता मंदिर का कनेक्शन महाभारत काल से है, माना जाता है इसी स्थान पर द्रोणाचार्य ने कौरवों और पांडवों को प्रशिक्षित किया था। स्कन्द पुराण में भी इस मंदिर से जुड़ी कई बातें बताई गई हैं। मान्यता के मुताबिक ब्रह्मा जी ने शीतला माता को दुनिया को आरोग्य रखने का कार्य दिया था।

हर कष्ट को दूर करती हैं माता

गुरुग्राम के शीतला माता मंदिर में हर साल करीबन 15 लाख से भी ज्यादा भक्त आते हैं। इस मंदिर में लाल रंग का दुपट्टा चढ़ाया जाता है और उसके साथ मुरमुरा प्रसाद के रूप में दिया और चढ़ाया जाता है। मान्यता है कि देवी हर रोग और कष्ट को दूर करती हैं। हजारों की संख्या में भक्त यहां माता के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। बच्चों को अगर किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा से बचाना है तो एक बार उन्हें यहां जरूर लाए, यही नहीं माता-पिता उनका मुंडन भी कराने आते हैं।

दिल्ली में हुआ करता था ये मंदिर

गुड़गांव के शीतला माता मंदिर का इतिहास 500 साल पुराना है, माता का ये मंदिर पहले दिल्ली केशोपुर में हुआ करता था। लेकिन 1910 के रिकॉर्ड के अनुसार, करीबन ढाई सौ से तीन सौ साल पहले शीतला माता ने गुरुग्राम के सिंघा जाट नाम के एक व्यक्ति को सपने में दर्शन देकर गुरुग्राम में मंदिर बनाने को कहा। इसके बाद ये मंदिर यहां बनाया गया।

गुरुग्राम के शीतला माता मंदिर कैसे पहुंचे

शीतला माता मंदिर जाने का सबसे बढ़िया तरीका है मेट्रो, पास का मेट्रो स्टेशन एम.जी. रोड मेट्रो स्टेशन और इफको चौक मेट्रो स्टेशन है। यह दोनों मेट्रो स्टेशन येलो लाइन पर स्थित हैं। इफको चौक मेट्रो स्टेशन से मंदिर की दूरी 7 किलोमीटर है। और एम.जी. रोड मेट्रो स्टेशन से शीतला माता मंदिर की दूरी 6 किलोमीटर है।

कब और क्यों मनाई जाती है शीतला अष्टमी? जानें सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

आदिकाल से ही माता शीतला का अत्यधिक माहात्म्य रहा है। आधुनिक युग में भी माता शीतला की उपासना स्वच्छता की प्रेरणा देने के कारण सर्वथा प्रासंगिक है। भगवती शीतला की उपासना से स्वच्छता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने की प्रेरणा मिलती है। माता शीतला स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी है।

स्वच्छता का यह संदेश आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है, जब हम संक्रमण और बीमारियों से बचने के लिए अधिक सावधान रहते हैं। माता शीतला का संदेश हमें यह सिखाता है कि अपने आसपास की स्वच्छता बनाए रखना और पर्यावरण का ध्यान रखना कितनी आवश्यक बात है। माता शीतला की उपासना धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह हमारे जीवन में स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व को उजागर करती है।

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, माता शीतला को संक्रामक रोगों और बीमारियों से सुरक्षा देने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। खासकर गर्मी के मौसम में माता शीतला की पूजा से शरीर की स्वच्छता और पर्यावरण की रक्षा की जाती है, जो आज भी हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्कंद पुराण में माता शीतला का वाहन गर्दभ है। वे अपने हाथों में कलश, सूप, मार्जन (झाड़ू) तथा नीम के पत्ते धारण करती हैं। जो चेचक का रोगी की परेशानी को हर देते हैं। सूप से रोगी को हवा की जाती है। झाड़ू से चेचक के फोड़े फट जाते हैं।

नीम के पत्ते फोडों के दर्द से आराम मिलता है। मान्यता है कि शीतला देवी के आशीर्वाद से परिवार में रोगों का निवारण होता है, खासकर ऐसे रोग जो विशेष रूप से गर्मी के मौसम में होते हैं, जैसे कि दाह ज्वर (बुखार) और पीत ज्वर आदि। उनकी पूजा हिंदू समाज में विशेष रूप से पौराणिक कथाओं, रीति-रिवाजों और पारंपरिक उपायों के माध्यम से की जाती है।

स्कंद पुराण में इनकी अर्चना का स्तोत्र शीतलाष्टक के रूप में प्राप्त होता है। मान्यता है कि इसकी रचना भगवान शंकर ने की थी। शीतलाष्टक शीतला देवी की महिमा गान करता है और उनकी उपासना के लिए भक्तों को प्रेरित भी करता है।

हमारे पौराणिक ग्रंथों में- वन्देऽहं शीतलां देवीं रासभस्थां दिगम्बरः, मार्जनीकलशोपेतां सूर्पालंकृतमस्तकाः। कहकर उनकी वंदना गाई गई है। माता शीतला की पूजा का उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार लाना है और हमें अपनी दैनिक जीवनशैली में स्वच्छता और सादगी को अपनाना चाहिए, ताकि शारीरिक और मानसिक रूप से हम स्वस्थ और सुखी रहें। शीतला देवी की पूजा का एक गहरा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देती है।

शीतला अष्टमी पर करें ये आसान उपाय रोग-दोष से मिलेगी राहत

शीतला अष्टमी का पर्व बहुत शुभ माना जाता है। यह होली के आठ दिन बाद यानी चैत्र महीने में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। यह व्रत गर्मियों की शुरुआत का प्रतीक है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन माता रानी की पूजा करने और उपवास का पालन करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इसके साथ ही रोग-दोष से मुक्ति मिलती है। वहीं, इस दिन को लेकर कुछ चमत्कारी उपाय बताए गए हैं, जिन्हें करने से रोग-दोष से छुटकारा मिलता है,

कैसे मिलेगा आरोग्य का वरदान?

शीतला अष्टमी पर अच्छी सेहत के लिए विधि-विधान के साथ शीतला माता की पूजा करें। मां को कुमकुम, रोली, अक्षत और लाल रंग के फूल आदि चीजें अर्पित करें। इसके बाद देवी को बासी पूड़ी-हलवे का भोग लगाएं। ऐसा करने से रोग-दोष से मुक्ति मिलेगी। साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

करें इस मंत्र का जाप

सभी कष्टों से मुक्ति के लिए शीतला अष्टमी पर 'ॐ ह्रीं श्रीं शीतलायै नमः' मंत्र का जप करें। ऐसा करने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है।

दान-दक्षिणा जरूर दें

शीतला अष्टमी के मौके पर किसी कुम्हारन को जरूरत का सामान और दान-दक्षिणा जरूर दें, क्योंकि यह इस दिन के अनुष्ठान का अहम हिस्सा माना जाता है। कहते हैं कि जब तक कुम्हारन कुछ नहीं खाती है, तब तक शीतला माता की पूजा का फल प्राप्त नहीं होता है।

संपादकीय

वक्फ का जंतर-मंतर

वक्फ बिल के मुद्दे पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और हिंदू संगठन एक-दूसरे के खिलाफ आंदोलित हैं। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर दोनों ने अपने-अपने मोर्चे खोले। मुस्लिम पक्ष के तेवर काफी उग्र हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी ने कहा है कि सरकार वक्फ बिल के जरिए संविधान पर बुलडोजर चलाना चाहती है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा है कि यह सांप का बिल है, जिसमें जहर भरा है। सांसद ओवैसी अपने तल्ख संबोधनों में मुसलमानों को डराते और भडक़ाते रहे हैं कि यदि वक्फ बिल संसद में पारित हो गया, तो हुकूमत हमारी मस्जिदें छीन लेगी, दरगाहें तोड़ देगी और कब्रिस्तान पर भी कब्जा कर लेगी। अजीब आंदोलन है यह! यही नहीं, 'शाहीन बाग' सरीखे नए आंदोलन तक की धमकी दी जा रही है। वक्फ संशोधन बिल ईद के बाद, बजट सत्र के अंतिम भाग में, संसद में पेश किया जाना प्रस्तावित है। लोकसभा स्पीकर ने, सरकार का आग्रह मानते हुए, जिस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया था, उसकी भारी-भरकम रपट लोकसभा में रखी जा चुकी है। जेपीसी के 31 सांसद-सदस्यों में विपक्ष के भी पर्याप्त सांसद थे, लिहाजा ये दलीलें बेमानी हैं कि उनके पक्ष और संशोधन अनसुने रखे गए हैं। संसद के भीतर भी तमाम संशोधन बहुमत या ध्वनि मत के आधार पर ही पारित किए जाते हैं। यदि जेपीसी में भी यही प्रणाली इस्तेमाल की गई है, तो विपक्ष की आपत्तियां चीखा-चिल्ली के अलावा कुछ और नहीं हैं। कार्यपालिका और विधायिका को सदन में किसी भी मुद्दे या कानून में संशोधन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार हैं। सदन में मुस्लिम और उनके समर्थक दलों-सपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस आदि-के सांसद भी हैं। वे संसदीय बहस में शिरकत करें। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मु_ी भर नेता प्रस्तावित बिल को 'अल्लाह' और 'इस्लाम' के खिलाफ करार क्यों दे रहे हैं? वक्फ बोर्ड की जमीनें और संपत्तियां अल्लाह के नाम पर अर्जित की गई होंगी, लेकिन उनमें गहरे विवाद हैं। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय को 2023 में 148 शिकायतें मिली थीं, जिनमें अधिकतर मुसलमानों की ही थीं। आज भी 40,951 मामले ट्रिब्यूनल या अदालतों में लंबित हैं, लिहाजा संशोधन क्यों न किया जाए? हम तो देश में वक्फ बोर्ड सरीखे मजहबी संगठनों के अस्तित्व के ही खिलाफ हैं। देश में सरकार और प्रशासन के लोकतांत्रिक ढांचे को जनादेश प्राप्त है। वक्फ कानून में संशोधन होते रहे हैं, लेकिन इसकी निरंकुशता पर लगाम नहीं लगाई जा सकी है। देश में 9 लाख एकड़ से अधिक जमीन वक्फ बोर्ड के अधीन है, जो रेलवे और सेना के बाद सर्वाधिक है। करीब 8.7 लाख संपत्तियों की सालाना आमदनी मात्र 200 करोड़ रुपए बताई जाती रही है, जबकि सच्चर कमेटी की रपट के मुताबिक, यह आमदनी 12,000 करोड़ रुपए से अधिक होनी चाहिए। सवाल है कि इसमें भारी घोटाला है अथवा भू-माफिया की एक जमात हकीकत को छिपाए रखना चाहती है? विडंबना यह है कि 1.26 लाख करोड़ रुपए, 2023-24 के आकलन के मुताबिक, की संपत्तियों वाले वक्फ के मुस्लिम समाज में आज भी करीब 32 फीसदी अनपढ़ और 30 फीसदी गरीब मुसलमान हैं। वक्फ बोर्ड ऐसे मुसलमानों की मदद क्यों नहीं करते? जब आंदोलन की नौबत आ गई है, तो रमजान के महीने में भी रोजेदार मुसलमानों को सडक़ों पर उतरने के आह्वान किए जा रहे हैं। दरअसल वक्फ बोर्ड संविधान के अनुच्छेदों 25 और 26 की अवहेलना करता है। संशोधन की जरूरत इसलिए है, ताकि एक निश्चित व्यवस्था के तहत वक्फ के बेहतर ऑडिट किए जा सकें।

राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर दोनों ने अपने-अपने मोर्चे खोले। मुस्लिम पक्ष के तेवर काफी उग्र हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी ने कहा है कि सरकार वक्फ बिल के जरिए संविधान पर बुलडोजर चलाना चाहती है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा है कि यह सांप का बिल है, जिसमें जहर भरा है। सांसद ओवैसी अपने तल्ख संबोधनों में मुसलमानों को डराते और भडक़ाते रहे हैं कि यदि वक्फ बिल संसद में पारित हो गया, तो हुकूमत हमारी मस्जिदें छीन लेगी, दरगाहें तोड़ देगी और कब्रिस्तान पर भी कब्जा कर लेगी। अजीब आंदोलन है यह! यही नहीं, 'शाहीन बाग' सरीखे नए आंदोलन तक की धमकी दी जा रही है। वक्फ संशोधन बिल ईद के बाद, बजट सत्र के अंतिम भाग में, संसद में पेश किया जाना प्रस्तावित है। लोकसभा स्पीकर ने, सरकार का आग्रह मानते हुए, जिस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया था, उसकी भारी-भरकम रपट लोकसभा में रखी जा चुकी है। जेपीसी के 31 सांसद-सदस्यों में विपक्ष के भी पर्याप्त सांसद थे, लिहाजा ये दलीलें बेमानी हैं कि उनके पक्ष और संशोधन अनसुने रखे गए हैं। संसद के भीतर भी तमाम संशोधन बहुमत या ध्वनि मत के आधार पर ही पारित किए जाते हैं। यदि जेपीसी में भी यही प्रणाली इस्तेमाल की गई है, तो विपक्ष की आपत्तियां चीखा-चिल्ली के अलावा कुछ और नहीं हैं।

सुनीता विलियम्स की उपलब्धियाँ न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं

धरती पर लौटीं सुनीता विलियम्सः एक ऐतिहासिक वापसी

डॉ. सत्यवान सौरभ

सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं

नासा की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर, जो पिछले नौ महीने से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर थे, आज सफलतापूर्वक धरती पर लौट आए हैं। स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल की मदद से उन्होंने मेक्सिको की खाड़ी में सुरक्षित लैंडिंग की। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर के साथ परीक्षण उड़ान के लिए अंतरिक्ष में गए थे। हालांकि, स्टारलाइनर में तकनीकी खामी के कारण उनकी वापसी में देरी हुई, जिससे वे नौ महीने तक ISS पर रहे। उनकी वापसी के लिए स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन लॉन्च किया गया था, जिसने सफलतापूर्वक उन्हें धरती पर वापस लाया। वापसी के बाद, दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को स्ट्रेचर पर ले जाया गया, जो लंबे समय तक भारहीनता में रहने के बाद सामान्य प्रक्रिया है। यह मिशन न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण रहा, बल्कि इससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों को समझने में भी मदद मिलेगी। इससे नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों को भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों, जैसे कि मंगल पर मानव मिशन की योजना बनाने में सहायता मिलेगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री हैं, जिनका भारत से गहरा जुड़ाव रहा है। उनके पिता भारतीय मूल के हैं और उन्होंने कई बार भारत के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है। भारत में अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान की बढ़ती उपलब्धियों के बीच, सुनीता विलियम्स एक प्रेरणास्रोत बनी हुई हैं। इसरो (ISRO) भी अब मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान, की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। इसरो ने हाल ही में गगनयान के लिए प्रमुख परीक्षण पूरे किए हैं और आने वाले वर्षों में भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन को लॉन्च करने की योजना बना रहा है। सुनीता विलियम्स की उपलब्धियाँ न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी सफलता यह दिखाती है कि भारतीय मूल के लोग वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। भविष्य में, इसरो और नासा के बीच सहयोग बढ़ सकता है, जिससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को और मजबूती मिलेगी। सुनीता विलियम्स न केवल एक उत्कृष्ट अंतरिक्ष यात्री हैं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी हैं। उनका सफ़र यह दर्शाता है कि कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और विज्ञान के प्रति जुनून कैसे किसी को नई ऊंचाइयों तक पहुँचा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित किया है कि वे अंतरिक्ष अनुसंधान और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने कई मौकों पर भारतीय छात्रों और युवाओं से संवाद किया है और उन्हें वैज्ञानिक क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उनके अनुभव और उपलब्धियाँ न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि विज्ञान और तकनीक में रुचि रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि सीमाएँ केवल मानसिकता में होती हैं और यदि कोई लक्ष्य निर्धारित किया जाए, तो उसे प्राप्त किया जा सकता है। सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स की सफल वापसी पर बधाई दी और उनके साहस तथा समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुनीता विलियम्स न केवल भारतीय मूल के लोगों के लिए गर्व का विषय हैं, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि उनका यह मिशन भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों को छूने का सपना देखते हैं।

दृष्टि कोण

नए बजट की दशा और दिशा

बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपया। कोई घर, संस्था या सरकार पैसे के बिना कुछ नहीं कर सकते। सरकारों का यह दायित्व होता है कि ज्यादा से ज्यादा साधन जुटाएं और चादर देख कर ही अपने पांव पसारें। भारतीय संविधान केंद्र और राज्य सरकारों को अगामी वित्तीय वर्ष के लिए अपनी आय और व्यय का लेखा-जोखा संसद या विधानसभा में प्रस्तुत करने के लिए बाध्य करता है जिसे वार्षिक वित्तीय विवरणिका कहा जाता है। इस विवरणिका को आम तौर पर बजट कह कर संबोधित किया जाता है। हिमाचल प्रदेश का वर्ष 2025-26 का बजट 17 मार्च को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत किया गया। इससे पहले 13 मार्च को प्रदेश का इकोनॉमिक सर्वे आया था। इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार आर्थिक गति दर में 0.1 फीसदी की मामूली सी बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2023-24 में जो दर 6.6 फीसदी थी, 2024-25 में 6.7 फीसदी आंकी गई है। घरेलु सकल उत्पाद जो 2023-24 में 2.10 लाख करोड़ था, बढ़ कर 2.32 लाख करोड़ हो गया है। वर्ष 2023-24 में प्रति व्यक्ति आय जो 234782 रुपए थी, 9.6 प्रतिशत वृद्धि के साथ वर्ष 2024-25 में 257212 रुपए हो गई है जो एक अच्छा संकेत है। प्रदेश की महंगाई दर 5 प्रतिशत से घट कर 4.2 प्रतिशत पर आ गई है। हिमाचल का लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट 60.5 प्रतिशत है जो पड़ोस के सभी राज्यों से तो अधिक है। हिमाचल की बेरोजगारी दर 5.4 फीसदी आंकी गई है, लेकिन रोजगार कार्यालयों के अनुसार 675671 व्यक्ति अभी रोजगार की कतार में खड़े हैं। राज्य का 2025-26 का बजट 58514 करोड़ रुपए का है, जबकि गत वर्ष यह 58444 करोड़ का था। मात्र 70 करोड़ की वृद्धि हुई है। राज्य की कुल अनुमानित राजस्व आय 42343 करोड़, तो अनुमानित व्यय 48733 करोड़ रुपए है। राजस्व घाटा 6390 करोड़ रुपए का और वित्तीय घाटा 10338 करोड़ का है। वित्तीय घाटा कुल सकल घरेलु उत्पाद का 4.4 प्रतिशत है जो एफ आरबीएम की 3 फीसदी की सीमा से बाहर है। राज्य की सीमित आय को देखते हुए जाहिर है कि वित्तीय घाटा ऋण लेकर ही पूरा किया जा सकेगा। वेतन, पेंशन, ऋण व ऋण पर ब्याज की अदायगी और स्वायत्त संस्थाओं के अनुदान पर 76 प्रतिशत व्यय होना दर्शाया गया है। विकासात्मक कार्यों के हिस्से केवल 24 प्रतिशत राशि ही आएगी, जबकि पिछले वर्ष 28 प्रतिशत थी। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, कृषि ऋण पर ब्याज उपदान योजना, मंडी तक अपना सामान ले जाने पर भाड़ा उपदान, बंदरों की समस्या से निजात पाने के लिए जंगलों में फल के पौधे लगाना और स्थानीय समुदायों को उससे जोडऩा आदि किसान हितकारी योजनाएं बजट में हैं। लेकिन आवारा बैल-गायों की समस्या के समाधान के लिए कुछ विशेष नजर नहीं आता। शिक्षा संस्थानों में युक्तिकरण सही है, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। स्कूलों में बढ़ती नशा प्रवृत्ति पर भी अंकुश की सख्त जरूरत है। चिकित्सा संस्थानों में एमआरआई और पेट स्कैन आदि नए उपकरण खरीदना समय की मांग है। इसी तरह महिला और बाल विकास की कल्याणकारी योजनाओं का भी जिक्र बजट में है, जिसे आगे ले जाने की आवश्यकता है। पुरानी टैक्सियों को ई-टैक्सियों में बदलने के लिए ऋण सुविधा, सोलर पॉवर को बढ़ावा देने के लिए उद्यमियों, विशेषकर युवाओं को ऋण पर ब्याज उपदान की घोषणा करना, राज्य में उद्योग को आकृष्ट करने के लिए दो महीने के अंदर उन्हें सारी क्लीयरैंस देना, धार्मिक, साहसी, मेडिकल पर्यटन को विकसित करना, पर्यटन को शहर से गांव की ओर ले जाना सही दिशा में सही कदम हैं, लेकिन जरूरत है इसे अमलीजामा पहनाने की। नए डेस्टिनेशन को विकसित करने की बातें वर्षों से चल रही हैं, परंतु धरातल पर आज तक कुछ उतर नहीं पाया है। दिहाड़ीदारों, आउटसोर्स वर्कर, आंगनवाड़ी व आशा वर्कर और अन्य कई कर्मियों की पगार बढ़ाना अच्छी बात है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण है आउटसोर्स कर्मियों को नियमित करने के लिए नीति निर्धारण करना। कर्मचारियों को 3 प्रतिशत डीए और 70 वर्ष से ऊपर के पेंशनरों को एरियर के भुगतान की घोषणा स्वागत योग्य है, परंतु देनदारियों को निपटाने में इस तरह तो कई दशक लग जाएंगे जो न कर्मचारियों के और न ही सरकार के हित में होगा। न्यायालयों ने अगर एरियर पर ब्याज देने को बाध्य किया तो मुश्किल और बढ़ जाएगी। चिंताजनक पहलु यह है कि विकास के लिए बजट का कुल हिस्सा घटता जा रहा है। पिछले वर्ष अगर यह 28 फीसदी था, तो इस साल यह 24 फीसदी रह गया है।

कुछ अलग

डॉट वरी! हो जाएगा...

अब अपने मुंह अपनी तारीफ क्या करनी। मैं नहीं, मेरा काम बोलता है। पिछले हफ्ते मेरे मुहल्ले का पुजारी मेरे पास आ सिर शान से उठाए बोला, 'बंधुवर! कहते हुए आ तो शर्म रही है, पूजा करते करते बहुत थक गया हूं, अब मुझे भगवान होने का प्रमाणपत्र चाहिए था।' 'बस इतनी सी बात! डोंट वरी! कल ले लेना! हम यहां बैठे किसलिए हैं?' और मैंने अगले दिन वायदे के मुताबिक पुजारी को भगवान होने का चकाचक प्रमाणपत्र थमा दिया।
अगली सुबह मुहल्ले के मंदिर गया तो देखा, मेरे द्वारा दिलाए प्रमाणपत्र को गले में डाले पुजारी भगवान के सिंहासन पर और असली के भगवान पुजारी के पटड़े पर। इसी सिलसिले में कल मेरे एक मित्र का फोन आया। फोन उठाते ही बोले, 'यार! उनको एक प्रमाणपत्र चाहिए था। हो जाएगा न?'
'एक क्या, सौ लो, हजार लो। हम आए ही किसलिए हैं इस जीव जगत में? कौनसा प्रमाणपत्र चाहिए जनाब को? किस बोर्ड का चाहिए? किस विश्वविद्यालय का चाहिए? किस ऑफिस का चाहिए? बस, थोड़ा सा वक्त दे देना प्लीज! माना, तुम्हारा दोस्त हूं। पर फर्जी काम के लिए थोड़ा समय तो मुझे भी चाहिए होता है न!' मैंने अपने हर कस्टमर की तरह उनको भी आश्वस्त किया तो वे बोले, 'उनको अपनी पत्नी की मृत्यु का प्रमाणपत्र चाहिए था।' उन्होंने कहा तो मुझे काटो तो खून नहीं। उनमें यह कहते हुए रहा होगा, तो मैं कुछ कह नहीं सकता। उनके मुखारविंद से यह सुन गुस्सा तो बहुत आया, पर दोस्त अपने थे, इसलिए खामोश रहा। फिर पता नहीं क्यों, ऐसे में भी उनको सही गाइड करना अपना फर्ज समझा। सो मैंने उनको गाइड करते कहा, 'तो इस मृत्यु प्रमाणपत्र लेने में मेरी जरूरत क्या? कमेटी से इजीली मिल जाएगा।' 'नहीं मित्र! वे चाहते हैं कि उनकी पत्नी तो जिंदा रहे, पर पत्नी के फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र से पत्नी के मरने के बाद वाले सारे बेनिफिट उनको मिल जाएं। बेचारे आजकल बहुत तंगी में चले हैं!' 'तो उनसे कहो कि जीवित पत्नी का मृत्यु प्रमाणपत्र लेने के लिए सबसे पहले वे सरकारी कागजों में शमशानघाट के असली कर्मचारी के कर कमलों द्वारा अपनी पत्नी का कागजी अंतिम संस्कार करवाएं। जब उसका शमशानघाट के कर्मचारी के हाथों कागजी अंतिम संस्कार हो जाए तो उसके बाद वे मृत्यु ऑफिस जाकर मुत्यु प्रमाणपत्र जारी करने वाले अधिकारी की सेवा पानी करें। परम सत्य है, जहां सेवा, वहां मेवा। जो वे सेवा पानी करवाने के बाद भी आनाकानी करें तो बीच में हजार-दो हजार दे दलाल को डाल दें। मेरे जैसे दलालों की ऑफिसों में कोई कमी नहीं। एक ढूंढो, दस मिलेंगे। वैसे भी अब एक से महानों ने देश की रखवाली करने के बदले दलाली का बिजनेस शुरू कर रखा है। अपने समाज में नागरिक कम तो दलाल अधिक हैं। पैसे देखकर यहां कौन नहीं बिक जाता?' 'फिर?' लगा जैसे वे मेरी बातों को गहनता से ले रहे थे, 'जब वहां से उनकी जीवित पत्नी की फर्जी मृत्यु का मृत्यु प्रमाणपत्र मिल जाए तो उसे वे जहां चाहते हों वहां पेश कर दें। अगर बीच में कोई दिक्कत आए तो बता देना। बंदा जरूरतमंदों के नेक कामों के लिए हरदम हाजिर है', मैंने कहा तो वे इतने प्रसन्न कि मानो उनको ही...।

देश दुनिया से

प्रकृति संरक्षण के कृतसंकल्प लिए जाएं

आधुनिक प्रगति की असंख्य उलझी हुई समस्याओं के साथ निरंतर उत्पन्न होतीं मौसम संबंधी अस्थिरताएं भी मनुष्य को हतप्रभ कर रही हैं। इस बार होली दिवस के संध्याकाल से ही भारत सहित विभिन्न देशों में जलवायु प्रतिकूल होनी आरंभ हो गई। परिणाम में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड की संपूर्ण पर्वतमाला के ऊंचे शिखरों पर हुए हिमपात, वर्षा, आंधी-तूफान द्वारा जलवायु पुनः अस्थिर हो उठी है। होली दिवस के अपराह्न काल से आरंभ हुआ ऐसा अप्रत्याशित जलवायु परिवर्तन पहले कभी यदा-कदा ही घटित हुआ होगा। ऐसा परिवर्तन वायुमंडल की वातानुकूलन स्थिति को ध्वस्त कर रहा है। यह दुष्चक्र विगत दस-पंद्रह वर्षों से तीव्रतापूर्वक अप्रकट रूप में घूम रहा है। इस पर आधुनिक विज्ञान और वैज्ञानिकों का कोई नियंत्रण नहीं है। यह मनुष्य के अल्पावधि के जीवन को भी केवल और केवल कठिनाइयों, समस्याओं व पीड़ाओं से घेर रहा है। इस लेखक ने स्वयं पहाड़ी क्षेत्र में रहते हुए 14 मार्च को रात 12 बजे के बाद से लेकर 15 मार्च प्रातः 9 बजे तक भयंकर तेज हवाओं, अंधड़, तूफान और घन गर्जनाओं का सामना किया। वायु की गति इतनी तीव्र थी कि विशाल आकार के बीस-पच्चीस फुट लंबे-चौड़े वृक्ष जड़मूल धराशायी हो गए। घन गर्जनाएं ऐसी प्रतीत हुईं कि घर को नींव से भी नीचे गहरे जाकर उखाड़ रही हों। घरों में बनाए हुए अपने घोंसलों में रहने वाले गौरैया पक्षी इस विध्वंसकारी वातावरण में बाहर निकलने का साहस नहीं कर सके। विशाल वृक्षों को तोड़-मरोड़ कर रख देने वाली तेज हवाओं के सम्मुख नन्हे पक्षियों का क्या अस्तित्व! प्रायः ब्रह्म मुहूर्त में अपनी चहचहाटों के साथ फुदकने वाले गौरैया सहित अनेक अन्य पक्षी इस जलवायुगत विपत्ति में निःश्वास एवं अस्तित्वहीन होकर दुबके हुए थे। ऐसे में क्या मनुष्य का घर और क्या पक्षी का घोंसला, सभी आश्रयस्थल असुरक्षित थे। इस प्रतिकूल परिस्थिति में पूरा जीवन ही असुरक्षित हो उठा था। यह सभी कुछ होने की समयावधि में जो जन गहरी नींद में थे, उनके निद्रास्वास्थ्य का अभिनंदन है। किंतु यह लेखक तो पूरे छह-सात घंटे तक प्रकृति के विनाशक तांडव के थमने, रुकने की ही प्रतीक्षा करता रहा। यह पारिस्थितिकी असंतुलन भारत के वायुमंडल तक ही सीमित नहीं था। इसी समयावधि में अमेरिका के मध्य-पश्चिमी व दक्षिणी क्षेत्र के मिसौरी, अर्कांसस, टेक्सास, ओक्लाहोमा, कंसास और मिसिसिपी में भी आंधी-तूफान, वर्षा-हवाओं के कारण 34 लोग मारे गए और 29 घायल हो गए। अमेरिका के इन क्षेत्रों में भी वैसी ही अग्नि भडक़ी हुई है जैसी जनवरी में कैलिफोर्निया के जंगलों में थी। हवाओं से अग्नि का तीव्र प्रसार हो रहा है। परिणामतः मिसिसिपी, अलबामा और टेनेसी सहित अनेक क्षेत्रों के लगभग नब्बे लाख लोग तेज हवाओं से प्रज्ज्वलित अग्नि बवंडर से प्रभावित हो सकते हैं। वहां आठ करोड़ अ_ाईस लाख की जनसंख्या को हवा के अलर्ट के बारे में सूचित किया गया है। मौसम का विनाशक घूर्णनकारी चक्र अमेरिका के मध्य क्षेत्र से होकर के पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इस कारण जॉर्जिया में अत्यधिक वर्षा, अकस्मात बाढ़ आने, विनाशकारी हवा के झोंकों के चलने और तीव्रतापूर्वक फैल रहे बवंडर का संकट व्याप्त है। भारत और अमेरिका ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों, भूभागों और इनमें रह रहे लोगों पर 14-15 मार्च का जलवायु उत्पात गहन संकट बनकर छाया। ऐसा गत पंद्रह वर्षों में कम प्रभाव के साथ, गत दस वर्षों में अधिक प्रभाव के साथ और अब विगत एक-दो वर्षों में अत्यधिक प्रभाव के साथ निरंतर कुछ-कुछ दिनों के अंतराल पर हो ही रहा है। जब मौसम मानवजाति के सिर पर विनाश की छतरी बनकर तन चुका है, तो क्या मानवों को अभिशप्त वैज्ञानिक प्रतिस्पद्र्धा और परिणामकारी जैविक व जीवन संबंधी गतिविधियों पर नियंत्रण का कार्य अभ्यास आरंभ नहीं कर देना चाहिए? मौसम के अप्रत्याशित संकटों के सम्मुख मानव का विज्ञान-लालच कोई महत्त्व नहीं रखता है। अतः विज्ञान के आत्मघाती प्रयोगों को रोककर मानवीय जीवन को पुनः आत्मनिर्भर ग्रामीण व्यवस्था की ओर अग्रसर करने का समय आ चुका है। कोरोना महामारी के बाद तो ऐसा हो भी जाना चाहिए था, किंतु विश्व के कर्ताधर्ता ऐसा नहीं चाहते हैं। वे महामारीजन्य अनेक असुरक्षाओं के बाद भी मनुष्य को प्रगति का दास बनाए रखने की प्रेरणा दे रहे हैं। वे मनुष्य को प्राकृतिक जीवन, स्वास्थ्य, खाद्यान्न, आनंद देने की स्थिति में तो नहीं हैं, किंतु वैज्ञानिक प्रगति के मंत्र से मुग्ध करके उसे अप्राकृतिक रूप में मरने-खपने और मरने-खपने की इस प्रतियोगिता से लगाव रखने की सीख देने में अवश्य सफल हैं। वैज्ञानिकों, पूंजीधारकों, उद्योगकारों और इनके अनुसार शासन हांकने वाले शासकों को अंततः कितना अधिक साधन-संसाधन संपन्न होना है! ऐसी संपन्नता की कोई सीमा भी तो होगी। यदि ऐसे लोग प्रकृति के प्रकट व गुप्त तत्त्वों का राक्षसी दोहन करते हुए अपने संबंधियों और समर्थकों के लिए भी साधनों-संसाधनों की विशाल मात्रा एकत्र कर देना चाहते हैं, तो करें। इस हेतु वे अपने व अपने संबंधियों के लिए साधनों-संसाधनों के मूल्य प्रतीक और अर्थव्यवस्था के शक्ति संकेत के स्वरूप में विद्यमान मुद्रा को वास्तविक अथवा आभासी रूप में मनचाही मात्रा में एकत्र कर लें। वे ऐसा कर भी रहे हैं। किंतु गहन आश्चर्य है कि ऐसा करने के बाद भी उनका लालच रुक नहीं रहा। उन्हें स्वयं और अपनी पीढियों के लिए मनचाही मात्रा में एकत्र की हुई मुद्रा भी कम ही लग रही है। यदि मनुष्यगण ऐसी ही प्रवृत्ति से ग्रस्त रहेंगे तो इसका अंतिम दुष्परिणाम प्रकृति की विनाश लीला के रूप में ही सामने होगा। साधन-संसाधन संपन्न मनुष्यों को बारंबार यह सूत्र स्मरण करने की आवश्यकता है कि वे उपलब्ध पंचतत्त्वों का आसुरी दोहन करके वैज्ञानिक-आधुनिक प्रगति तो कर सकते हैं, परंतु पंचतत्त्वों की विकारग्रस्तता के कारण उत्पन्न होने वाली अप्रत्याशित पर्यावरणीय प्रतिक्रियाएं नहीं थाम सकते। आज के प्रगतिवादी, आधुनिक और तर्कशील व्यक्ति अपनी कपोल कल्पना के वशीभूत होकर प्राचीन लोगों को मूर्ख समझते हैं, किंतु उन्हें जलवायु की दुर्दशा देखकर अपने बारे में भी यह सत्य जानने-समझने की अति आवश्यकता है कि अपने जीवन के आधार पंचतत्त्वों को पराकाष्ठा तक विकृत करने में वे सर्वाधिक दोषी हैं। पहले के मनुष्य जीवन की प्रत्येक गतिविधि को दूरदर्शी नीतियों के अनुसार निर्धारित करते थे। अपने जीवन को जीते हुए, उसे संभालते हुए, उसका चहुंदिश आनंद लेते हुए और उसका सम्मान करते हुए वे हमारी अर्थात अपनी भावी पीढ़ी की पर्यावरणीय सुरक्षा के बारे में भी विचार किया करते थे।

आप का नजरिया

पर्यटन के साइड इफेक्ट

छुट्टियों में चढ़ता घरेलू पर्यटन का बुखार हिमाचल की आबोहवा में रंग घोलता है, तो इसी के साथ कुछ अवांछित पहलू भी जुड़ जाते हैं। सारे यात्री पर्यटक नहीं हो सकते, इसलिए सही पर्यटन को चिन्हित करना होगा, जबकि हिमाचल में हर आने वाले की पहचान तथा उसके आचरण की निगरानी बेहद जरूरी है। प्रदेश में एक हुजूम ऐसा भी आने लगा है, जो भ्रमित है या हिमाचल में आकर पर्यटन के आंकड़े बिगाड़ रहा है। एक और पर्यटक समूह है, जो अभी आया नहीं या यहां पहुंचा नहीं, उसे बुलाने की जरूरत है। जो भीड़ आती है, उसका पर्यटन से अलग करके मुआयना करना होगा। सही को सहेजना और गलत को वापस भेजना भी पर्यटन की कला है। सही वह है जिसे हाई एंड टूरिस्ट कहते हैं। उसके लिए सुकून चाहिए। उसे संस्कृति, पर्वतीय आबोहवा, परंपराओं में बहती सादगी और पहाड़ी रिवायत में गीत-संगीत व ट्राइबल जीवन से रूबरू होना है। इस तरह असली पर्यटक तो अभी आया नहीं, क्योंकि उसके लिए रास्ते अभी बने नहीं और जो रास्ते बने, उनसे पर्यटन के नाम पर हमने अवांछित भीड़ इकट्ठी कर ली। यही भीड़ ऊना में पुलिस से उलझ जाती है, तो मणिकर्ण गुरुद्वारे के दर्शन को अफरा-तफरी में बदल देती है। आखिर यह कौनसा पर्यटन है, जो झंडा प्रदर्शन की इबारत में चुनौती दे रहा है। क्या हिमाचल इस हुड़दंग की गिनती भी पर्यटन में करता है। हम इन्हें किसी राज्य से जोडक़र नहीं देख सकते, लेकिन वर्ष के सारे यात्री साधु नहीं होते या हिमाचल की पर्यटन महफिल को अशांत करने वालों से निपटने की व्यवस्था करनी चाहिए। हम अगर पर्यावरण राज्य हैं, तो एक सीमा से आगे बाहरी राज्यों के पुराने वाहनों खास तौर पर बाइकर्ज को आने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थलों से दस किलोमीटर पहले ही बाहरी वाहन रोककर आगे का सफर सार्वजनिक परिवहन या रज्जु मार्गों के माध्यम से ही संभव करना होगा। हिमाचल में पर्यटन को अनुशासित, उपयोगी और शालीन बनाए रखने के लिए पुलिस की गश्त चौबीस घंटे करनी पड़ेगी। अब हमें पर्यटन पुलिस के खाके में मेहनत करते हुए देश में सबसे आगे खड़ा होना पड़ेगा। दरअसल हमने पर्यटन को फेरी बना दिया है, जहां चंद गेड़ीबाज लोग माहौल को खराब कर रहे हैं। यह भीड़ पर्यटन है जो प्रदेश के शांत माहौल में आवारगी का आलम पैदा करता है। इसी भीड़ के बीच पर्यटन की सौम्यता का कायल युवा पढ़ा-लिखा व कारपोरेट से जुड़ा सैलानी आहत होता है। गेड़ीबाज पर्यटक किसी न किसी तरह के पुराने-अनफिट वाहन पर सवार होकर आ रहा है। परिवहन के मानकों को नजरअंदाज करके कानून-व्यवस्था पर दबाव डाल रहा है। इसे पर्यटक अधोसंरचना से कोई सरोकार नहीं। यह मुफ्त के लंगर खोज रहा है या एक दिन और रात के सफर में सामाजिक ताने-बाने, धार्मिक परंपराओं और शिष्टाचार के सारे पैमानों को नजरअंदाज कर रहा है। इसकी जिज्ञासा में हो-हल्ले का सफर ही मुकम्मल है और यह प्रकृति के विपरीत खतरे मोल लेता है। कांगड़ा की बनेर खड्ड में अगर पंजाब का युवक डूब कर मरा, तो यह खुदकुशी है। वहां सुरक्षा के सारे इतंजाम तथा चेतावनियों के बावजूद अगर पानी से छेडख़ानी होगी, तो मौत की मंजिल तय है।

आविष्कार व अनुसंधान में दक्षता से जीवन में सफलता हासिल करें विद्यार्थी : बंडारू

चंडीगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा के राज्यपाल व महर्षि संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने युवाओं को सफलता का मूल मंत्र देते हुए कहा कि वे अपने जीवन में तकनीक, आविष्कार व अनुसंधान में दक्षता प्राप्त कर सफलता हासिल करें। उन्होंने संस्कृत के महत्व को बताते हुए कहा कि भारत में लगभग सभी भाषाओं का मूल संस्कृत भाषा में है। यह हर्ष का विषय है कि अब संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार बढ़ रहा है।

राज्यपाल बुधवार को आरकेएसडी कॉलेज के सभागार में आयोजित महर्षि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल के प्रथम दीक्षांत समारोह में 527 स्नातकों व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने विद्यार्थियों को दिए अपने संदेश में कहा कि संस्कृत भाषा ज्ञान का भंडार है। जो देश के लिए बहुत उपयोगी है। युवा आज केवल नौकरी के पीछे न भागें बल्कि संकल्प लें कि वे नौकरी देने वाले बनेंगे। स्वयं का उदहारण देते हुए महामहिम ने कहा कि वे सामान्य घर से आते हैं, लेकिन उनकी माता के अधिक से अधिक पढ़ाई करवाने के संकल्प की बदौलत वे आज राज्यपाल के पद पर हैं। जीवन में शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें भी जितना अधिक गुणवत्तापूर्वक उच्च शिक्षा होगी, देश उतना ही तरक्की करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में पहली बार नई शिक्षा नीति में हिंदी व मातृ भाषा में कोर्स सीखने की शुरुआत की गई है। विद्यार्थी हिंदी व मातृ भाषा में भी सारे कोर्स कर सकेंगे, ऐसा दिन जल्द आने वाला है। इससे जो गरीब बच्चे अंग्रेजी नहीं पढ़ पाते, वे बच्चे भी उच्च शिक्षा हासिल कर सकेंगे। हरियाणा सरकार ने भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के फैसले अनुसार शिक्षा के लिए बजट में महत्व-पूर्ण प्रावधान किए हैं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में रिसर्च जितना अधिक होगा, शिक्षा उतनी अधिक महत्वपूर्ण होगी। संस्कृत का स्थान भी आगे बढ़ना चाहिए। संस्कृत जितना आगे बढ़ेगी, देश उतना ही आगे बढ़ेगा। युवा अपनी भाषा में पढ़ने व बात करने में हीन भावना न लाएं बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। विकसित भारत के लिए भारत के सांस्कृतिक ज्ञान को विश्व में ले जाना होगा। उन्होंने कहा कि आप अपने जीवन में हमेशा ऊँचा लक्ष्य रखें। उन्हें हालिस करने में अनेक चुनौतियां सामने आएगी, लेकिन इनसे घबराने की बजाए दृड़ता के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने सभी युवाओं का आह्वान किया कि वे संस्कृत भाषा का अध्ययन कर इसमें अनुसधान करें। वे वेद, पुराण, रामायण व महाभारत के ज्ञान को लोगों तक ले जाने में अपना योगदान दें। उन्होंने विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय संस्कृत भाषा में सात स्नातक, आठ स्नातकोत्तर एवं पांच डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाने में सफल रहा है। इस समय विश्वविद्यालय में वेद, ज्योतिष, संस्कृत, व्याकरण, दर्शन, हिंदू अध्ययन, धर्मशास्त्र, योग और साहित्य के पाठ्यक्रम चल रहे हैं। योग, वास्तु शास्त्र, कर्मकांड और ज्योतिष में डिप्लोमा कार्यक्रम भी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जा रहे हैं।

राज्यपाल ने समारोह में पांच पुस्तकों व एक शोधपत्र का विमोचन किया और बधाई देते हुए कहा कि इन पुस्तकों में समाहित ज्ञान देश को आगे ले जाएगा। उन्होंने संस्थान द्वारा चलाए गए अभियान व विद्यार्थियों के कल्याण की योजनाओं की सराहना की। साथ ही कहा कि आज दीक्षांत समारोह के दौरान 180 छात्राओं डिग्री मिली है, यह महिला उत्थान का सराहनीय कार्य है। यह भी हर्ष का विषय है कि जिले का नेतृत्व एक महिला अधिकारी कर रही हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय अधिकारियों का आह्वान किया कि अगले साल दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय परिसर में ही आयोजित किया जाए। इसके लिए 40 करोड़ की लागत से बनाए जा रहे भवन का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाए।

समारोह की अध्यक्षता हरियाणा के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने की और विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा सारस्वत अतिथि के रूप में सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात के कुलपति प्रो. सुकांत कुमार सेनापति उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश चन्द्र भारद्वाज ने राज्यपाल एवं सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया। यह विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह है, जिसमें वर्ष 2019 से 2024 के दौरान सभी परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। कुल 527 विद्यार्थियों में 131 स्नातक/शास्त्री, बीए और 396 स्नातकोत्तर में आचार्य, एमए की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके विद्यार्थी शामिल रहे। इस अवसर पर 38 सर्वोत्कृष्ट विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया।

किसान कल्याण और गरीब का उत्थान हमारी प्राथमिकता : भजनलाल

जयपुर,19 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी राजस्थान दिवस (30 मार्च, 2025, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले वृहद् कार्यक्रमों में प्रदेश के किसान एवं वंचित वर्ग को राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करेगी। उन्होंने कहा कि 'आ-पणो अग्रणी राजस्थान' की परिकल्पना को साकार करने के लिए राज्य सरकार महत्व-पूर्ण योजनाओं को सुशासन के जरिए धरातल पर उतार रही है।

शर्मा ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से प्रदेश का किसान वर्ग लाभान्वित हो रहा है। राजस्थान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के तहत प्रदेश के अन्नदाता को और अधिक सशक्त बनाने के लिए किसान उत्पादक संगठनों के 3 दिवसीय मेले व प्रदर्शनी का आयोजन 28 मार्च से 30 मार्च के मध्य किया जाएगा। यह आयोजन एफपीओ के लिए बाजार सम्पर्क, ब्रांड निर्माण, बिक्री संवर्धन और क्षमता विकास को मजबूत बनाने तथा एफपीओ को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए एक बाजार भी प्रदान करेगा। साथ ही, किसान कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान हस्तांतरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के गांव-ढाणी के अंतिम छोर पर बैठे जरूरतमंद व्यक्ति के उत्थान के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। राजस्थान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण, निर्माण श्रमिकों को राशि हस्तांतरण, स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण, डेयरी बूथ आवंटन, विद्युत चलित चाक का वितरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएंगे।

राजस्थान में अब तक 51 लाख 10 हजार कृषकों ने बनवाई फार्मर आईडी

कृषक रजिस्ट्री शिविरों में प्रत्येक किसान का रजिस्ट्रेशन हो सुनिश्चित

जयपुर,19 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में किसानों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें डिजिटल रूप में सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। एग्रीस्टेक योजना में किसान रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन 31 मार्च तक किया जा रहा है। इस योजना में राज्य के सभी जिलों में शिविर आयोजित कर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनायी जा रही है।

राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को पंत कृषि भवन में वीसी के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों के साथ कृषि रजिस्ट्री शिविरों की प्रगति की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टेक योजनान्तर्गत फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन ग्राम स्तर पर 31 मार्च तक किया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक कृषक का रजिस्ट्रेशन करवाया जाना सुनिश्चित किया जाये। एग्रीस्टेक शिविरों के तहत ग्राम पंचायत

स्तर पर शिविर आयोजित करवाकर किसानों की विशिष्ट आईडी बनायी जा रही है। पूरे प्रदेश में अब तक 9 हजार 805 शिविरों का आयोजन कर 51 लाख 10 हजार 310 कृषकों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मंगल पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की जा रही है। भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं व सेवाओं तक आसान पहुंच, प्रधानमंत्री किसान/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग की अन्य योजन-ाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी सिद्ध होगी।

नितिन गडकरी से मिले विधायक डॉ. सुभाष गर्ग

भरतपुर,19 मार्च (एजेंसियां)।

पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने बुधवार को केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात की और भरतपुर को विभिन्न नेशनल हाईवेज से जोड़ने हेतु महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर चर्चा की। बैठक में एनएच-21 और एनएच-123 क्रोसिंग भरतपुर से यमुना एक्सप्रेसवे तक फोरलेन सड़क मार्ग और एनएच-21 पर जयपुर से भरतपुर ऊंचा नगला के मध्य विभिन्न फ्लाईओवर निर्माण के प्रस्ताव रखे गए।

डॉ. गर्ग ने बताया कि लोहागढ़ भरतपुर एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन केंद्र है, जहां केवला देव घना वर्ल्ड सेंचुरी स्थित है। यहां रोजाना हजारों पर्यटक आते हैं। साथ ही, यह राजस्थान का पूर्वी द्वार है, जो जेवर एयरपोर्ट, दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और वृंदावन से रोड कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भरतपुर ऊंचा नगला से एनएच-123 और एनएच-21 के क्रोसिंग से एक राष्ट्रीय राजमार्ग की आवश्यकता है, जो एनएच-44 और एनएच-123 को जोड़ते हुए यमुना एक्सप्रेसवे को कनेक्ट करेगा। इसकी अनुमानित लंबाई लगभग 52 किलोमीटर है, जो कुछ बाईपास और सर्किल जोड़ने के बाद 60 से 65 किलोमीटर तक हो सकती है।

इस राष्ट्रीय मार्ग को बनाने की कुल लागत भूमि अधिग्रहण सहित लगभग 500 करोड़ रुपये होगी। इससे न केवल आम जनता को राहत मिलेगी, बल्कि व्यापार, उद्योग और कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा।डॉ. गर्ग ने बताया कि एनएच-21 पर जयपुर से भरतपुर ऊंचा नगला के बीच लगभग 190 किलोमीटर के मार्ग पर फ्लाईओवर गलत स्थानों पर बनाए गए हैं। ये चौराहों से 100 से 300 मीटर आगे या पीछे स्थित हैं, जिसके कारण ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है।

महज़ 24 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से सीआरपीएफ जवान की मौत

बीकानेर,19 मार्च (एजेंसियां)।

बीकानेर के श्रीकोलायत के पुखराज बरेला ने जब फरवरी में सीआरपीएफ की ट्रेनिंग जॉइन की थी, तब पूरे गांव में खुशी की लहर थी। लेकिन कौन जानता था कि वर्दी पहनने के डेढ़ महीने बाद ही वह तिरंगे में लिपटकर लौटेगा। महज़ 24 साल की उम्र में दिल के दौरे ने उनकी जिंदगी छीन ली।राजगीर (बिहार) के ट्रेनिंग कैंप में सोमवार रात पुखराज अपने कमरे में गए, लेकिन सुबह जब साथी जवानों ने दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं आया। जब दरवाजा तोड़ा गया, तो वह बेसुध मिले। अस्पताल पहुंचते-पहुंचते डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।बुधवार दोपहर जब उनका पार्थिव शरीर श्रीकोलायत के हदां गांव पहुंचा, तो पूरे गांव की आंखें नम थीं। सैनिक सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। मां बदहवास हो गई, पिता का कलेजा फट पड़ा।सवाल यह है कि 24 साल के जवान को हार्ट अटैक कैसे आ सकता है? प्रारंभिक रिपोर्ट में दिल का दौरा पड़ने की बात कही गई है, लेकिन क्या ये ट्रेनिंग के दबाव का असर था? या फिर कोई अनदेखी हुई? ये जांच का विषय है।

अधिकारियों को नहीं मिलेगा एक से अधिक खरीद केन्द्र का चार्ज : सहकारिता मंत्री

जयपुर,19 मार्च (एजेंसियां)।

सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार की भावना है कि किसानों को उनकी उपज का पूरा दाम मिले। उन्होंने कहा कि अप्रेल माह से शुरु की जा रही सरसों-चना खरीद की सभी तैयारियां इस प्रकार की जाएं कि किसानों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े और उन्हें अच्छा महसूस हो।

सहकारिता मंत्री बुधवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से सरसों-चना खरीद की पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हैण्डलिंग और ट्रांसपोर्ट के टेंडर के प्रावधानों में शिथिलता इसलिए दी गई है ताकि प्रक्रिया में अच्छे लोग शामिल हों और किसानों को अपनी उपज बेचान के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। दक ने कहा कि यदि लगातार किसी ठेकेदार की शिकायत मिलती है तो उसे डिबार करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने अधिकारियों को टेंडर फेल होने की स्थिति में दूसरा विकल्प तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभारी अधिकारी पूरे समय खरीद केन्द्र पर मौजूद रहे और उसकी पूरी जिम्मेदारी निर्धारित हो, इसके लिए एक अधिकारी को एक से अधिक खरीद केन्द्र का चार्ज नहीं दिया जाएगा।

पंजाब पुलिस ने खनौरी और शंभू बॉर्डर खाली कराया

किसान नेताओं को हिरासत में लिया

चंडीगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)।

पंजाब पुलिस ने खनौरी बॉर्डर और शंभू बॉर्डर को खाली करा लिया है। दोनों मोर्चों से सभी किसानों को हटा दिया गया है। पुलिस द्वारा कार्रवाई करने से पहले शंभू और खनौरी सीमा के आसपास के इलाकों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं।

पुलिस ने बॉर्डर पर किसानों द्वारा लगाए गए होर्डिंग्स हटा दिए हैं और मोर्चों पर लगाए गए मंच भी हटा दिए गए हैं। पुलिस अभी भी ट्रॉलियों और अन्य अवांछित टेंटों तथा अन्य संरचनाओं को हटाने का काम कर रही है। आशा है कि पुलिस सप्ताह के अंत तक सीमा को खाली कर देगी तथा यातायात की तलाश करेगी। इससे पहले किसान नेताओं और केंद्र सरकार के बीच बुधवार को 7वें दौर की बातचीत हुई थी। सरकारी प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद थे। किसान नेता मंत्रियों से बातचीत करके लौट रहे थे। इसके बाद पंजाब पुलिस ने उन्हें मोहाली में हिरासत में ले लिया। इसमें सरवन सिंह पंधेर, अभिमन्यु कोहाड़, जगजीत सिंह दल्लेवाल, सुखविंदर कौर, काका सिंह कोटड़ा और मंजीत राय समेत कई अन्य किसान नेता शामिल हैं।

कांग्रेस कार्यकाल में हरियाणा पुलिस में इंस्पेक्टर भर्ती मामला

उच्च न्यायालय के फैसले के सम्बन्ध में महाविधवक्ता की राय लेगी सरकार : सैनी

चंडीगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कांग्रेस कार्यकाल में हरियाणा पुलिस में इंस्पैक्टरों के 20 पदों की भर्ती को लेकर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले के सम्बन्ध में महाविधवक्ता की राय ली जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कोर्ट के निर्णय की अनुपालना में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग मामले की जांच किसी स्पैसलाइजड एजेंसी से करवा सकता है तो सरकार उन्हें तुरंत सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान शून्यकाल में इस भर्ती प्रक्रिया पर उठाए गए मुद्दे पर सदन में बोल रहे थे।

उन्होंने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2011 में एक व्यक्ति ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाए कि वर्ष 2008 में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने हरियाणा पुलिस में इंस्पैक्टरों के 20 पदों के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू करके जो रिजल्ट निकाला था उस प्रक्रिया में कई धांधलियां हुई। लिखित परीक्षा में अव्वल आने के बावजूद इंटरव्यू में कम नंबर दिए गए। याचिकाकर्ता ने यह भी आरोप लगाया था कि दो चयनित उम्मीदवारों ने लिखित परीक्षा स्वयं नहीं दी थी। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता यदि इस निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो अपील करना उसका कानूनी अधिकार है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि न्यायालय ने याचिकाकर्ता के सारे आरोपों की जांच के लिए एक तीन सदस्यीय कमेटी बनाई थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट मे प्रतिरूपण के इस आरोप पर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने कहा कि लिखित परीक्षा की अटेंडेंस शीट अब उपलब्ध नहीं है। इसलिए इसकी जांच के लिए दोनों चयनित उम्मीदवारों की हैंडराइटिंग का सैंपल लेकर उत्तर पुस्तिका में दर्ज लिखाई का फॉरेंसिक मिलान किसी स्पेशलाइज्ड एजेंसी द्वारा किया जाना चाहिए। इस पर अपने निर्णय में लिखा कि कोर्ट जांच एजेंसी का काम नहीं कर सकती। कर्मचारी चयन आयोग के पास तथ्यों की जांच करवाने की स्वतंत्रता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अगर बहतर बनाना हैं तो सुबह सूर्य नमस्कार से दिन की शुरुआत करें । मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे. घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं. संतान की खुशी बनी रहेगी. संतान को करियर में कोई बड़ी सफलता मिल सकती है. आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिल सकता है. अगर आप नई नौकरी की तलाश में हैं, तो बड़े भाई-बहनों की मदद से आपको नौकरी मिल सकती है. आप दूसरों की खुशी के लिए हमेशा काम करने वाले रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

नया कारोबार चालू करना लाभदायक रहेगा परन्तु महनत करनी पडेगी किन्तु आने वाले समय में आर्थिक लाभ रहेगा. अगर प्रेम-संबंध की बात हो तो परिजनों की सलाह लेने में संकोच न करें। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा. प्रेम विषयों की स्थिति गंभीर हो सकती है. वैवाहिक सम्बन्ध को आगे बढाने के लिए समय अनुकूल हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज सूर्य अष्टक का पाठ करके ही कार्य आरंभ करें दिल का भय दूर होगा इसलिए इससे परेशान ना हों और खुद को शांत रखें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. मित्रों और परिवारजनों का भी भरपूर सहयोग आज आपको मिलने वाला है. आज मित्रों से आपको मदद मिलने वाली है. पैतृक संपत्ति मिलने के आसार हैं. गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सूर्य द्वादश नाम का जप करके सूर्य को प्रणाम करें आपको उचित समय की पहचान होगी. सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है. परिवार में भी स्थिति ठीक बनी रहेगी. बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिये आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं. आपका दोस्त आपको कोई काम करने के लिये कह सकता है. प्राइवेट नौकरी करने वालों को अपनी वाणी पर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. सीनियर से बात करते समय आपकी जुबान फिसल सकती है. गाय और नंदी की तन-मन-धन से सेवा करें ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन अच्छा हैं आमदनी बढेगी आय अच्छी रहेगी किन्तु बेकार के खर्चों पर अंकुश लगाना श्रेयकर रहेगा. आपको अपने करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. अथक परिश्रम उपरांत आप स्थितियों पर काबू पा पायेंगे. भावनाओं को अपने निर्णयों को निर्धारित न करने दें, निष्पक्षता बनाये रखें. व्यावसायिक एवं आर्थिक सन्दर्भ में यात्रा आपको नवीन अवसर प्रदान कर सकती है. आज आप किसी पुराने परिचित से अचानक ही मिल सकते हैं. शरीर से सम्भव है तो सूर्यास्त के बाद दूध का आहार करें ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा. दिन आपके लिए बहुत ही लाभदायक है. जल्दबाजी में लेन-देन न करें. किसी छोटी सी भूल से हानि हो सकती है. अपरिचित व्यक्ति की बातों पर भरोसा न करें. कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी. संतान के प्रति भी चिंताएं कम होंगी. जो कार्य आप करने की योजना बना रहे थे आज उनमें गति आएगी. दोपहर के बाद आप बच्चों के साथ सैर सपाटे पर निकल जाए पूरा समय मनोरंजन मे बीतेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने रोजगार में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे. किसी काम के लिये कई दिनों से की जा रही मेहनत का फल आपको मिल सकता है. आपको अपने बच्चों से काम में सपोर्ट मिलेगा. आपको कोई भी मौका हाथ से नहीं गंवाना चाहिए. बदलते मौसम में आपको अपने ऊपर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है. बहतर स्वास्थ्य के लिए आप को आपको अपने खान-पान में भी बदलाव करना चाहिए. और सुबह शाम के समय टहलना भी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने कार्यक्षेत्र पर काम करने वाले व्यक्तियो कुछ साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखने होंगे । व्यर्थ की यात्राओं से बचने का प्रयास करें. हांलाकि आर्थिक रूप से समय को अनुकूल कहा जाएगा. फिर भी खर्चे पर नियंत्रण रखना श्रेयकर रहेगा. समय-समय पर परिजनों का सहयोग मिलता रहेगा. कार्य क्षेत्र पर आपके समक्ष कुछ समस्याएं आ सकती हैं अपने हाथ से गाय माता को गुड खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप की झूठ बोलने की आदत आप को हरेक समय अपने सहकर्मियों के बीच लज्जित करती हैं झूठ बोलने से बचें, और यह आपके प्रेम-संबंध को भी बिगाड़ सकता है. तनाव का तबियत पर ख़राब असर हो सकता है. धन संबंधी मामलों में बुद्धि व विवेक से फैसले लें. दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा. बच्चे को रोमांचक समाचार ला सकते हैं. आज आप ख़रीदारी के लिए निकल सकते हैं, यह समय पैसे और वित्त संबंधी मामलों में अच्छा रहेगा कुछ पैसा अपने उज्जवल भविष्य के लिए जमीन मे निवेश करदे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सूर्य की सात प्रदक्षिणा करके निकलना चाहिए आप कोई बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो आपको बहुत ही सोच-समझकर फैसले करने की जरुरत है. आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए. आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में परेशानी आ सकती है. आपका कोई कागज पूरा न होने पर काम अटक भी सकता है. जो छात्र उच्च शिक्षा में दाखिला लेने के लिये परीक्षाएं दे रहे हैं, उन्हें मन-मुताबिक परिणाम के लिये कड़ी मेहनत करनी चाहिए. आप को अपने दोस्तों के साथ बाहर घूमने-फिरने पर अधिक पैसा खर्च करने से बचना चाहिए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुबह ओंकार का उच्चारण करके ध्यान करें । व्यवसायी संदर्भ में आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं कि आपके पास बहुत अधिक काम है. किन्तु उसे पूरा करने के लिए समय बहुत कम है. व्यावसायिक, आर्थिक और सामाजिक प्रतिबद्धता का आपके आदेशों पर एक मजबूत प्रभाव पड़ेगा. भाई-बहनों की सामाजिक स्थिति में अप्रत्याशित और अचानक वृद्धि होगी.दिन की कोई अप्रिय घटना आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है.आप प्रेमी के साथ कहीं घूमने पर जाने से बचना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सूर्य को जल , सूर्य को नमस्कार सूर्य जप करने से शरीर मे जबरदस्त ऊर्जा और उत्साह रहेगा सकारात्मक परिणाम आंएगे और घरेलू तनाव दूर होने में मददगार मिलेगी कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें. अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. हल्का भोजन करें सेहत अनुकूल रहेगी ।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 20 मार्च 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 02:48 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 11:32 तक
योग : वज्र रात्रि 06:18 तक
करण : गर दोपहर 01:47 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : एकनाथ षष्ठी , गण्डमूल रात्रि 11:33 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यूपी में हो रहा परिषदीय विद्यालयों का कायाकल्प

आधुनिक सुविधाओं से लैस परिषदीय विद्यालय का लोकार्पण

ग्रेटर नोएडा, 19 मार्च (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव ला रही है। इसी क्रम में मंगलवार को ग्रेटर नोएडा के मथुरापुर दादरी में हाईटेक और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित प्राथमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों का अभूतपूर्व कायाकल्प किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि अगर देश को विकसित बनाना है तो विद्यालयों को आधुनिक और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करना होगा, क्योंकि भारत के भविष्य का रास्ता इन्हीं विद्यालयों से होकर गुजरता है।

इस अवसर पर पूर्व की सरकारों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले तक ऐसे विद्यालयों की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। पहले स्कूलों की स्थिति बहुत खराब थी। पढ़ाने के लिए ब्लैक बोर्ड नहीं होते थे, बच्चों के बैठने के लिए सीट नहीं थी, छत से पानी टपकता था। लेकिन अब प्रदेश में ऐसा कोई विद्यालय नहीं है, जहां मूलभूत सुविधाएं न हों।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के जरिए सरकार यूपी के स्कूलों का कायाकल्प कर रही है। प्रदेश के 1 लाख 30 हजार परिषदीय विद्यालयों में 1 करोड़ 57 लाख से अधिक बच्चों को अत्याधुनिक शिक्षा दी जा रही है। इन विद्यालयों में कुल 19 पैरामीटर पर कार्य किया गया है, जिनमें से 97 प्रतिशत लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं।

संदीप सिंह ने विद्यालय के नवनिर्मित भवन की सराहना करते हुए कहा कि यह विद्यालय कान्वेंट और पब्लिक स्कूलों से किसी भी मायने में कम नहीं है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार सिर्फ विद्यालयों के ढांचे को आधुनिक नहीं बना रही, बल्कि शिक्षकों को भी उच्च स्तरीय सुविधाएं देकर उन्हें शिक्षण कार्य में पूरी तरह सक्षम बना रही है। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक निजी स्कूलों के शिक्षकों से कहीं अधिक योग्य और दक्ष हैं। बेसिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि योगी सरकार 57 जिलों में 'सीएम मॉडल स्कूल' बना रही है। प्रत्येक स्कूल को 30 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। ये विद्यालय पूरी तरह डिजिटल और स्मार्ट क्लासरूम से लैस होंगे, जहां विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलेगी। संदीप सिंह ने कहा कि डिजिटल युग में बच्चों तक स्मार्टफोन, टैबलेट और अन्य गैजेट्स की पहुंच पहले से कहीं अधिक हो गई है।

यूपी सरकार भी बच्चों को टैबलेट और स्मार्ट डिवाइस उपलब्ध करा रही है, ताकि वे आधुनिक शिक्षा पद्धति से जुड़ सकें। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि गैजेट्स का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए, बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए सरकार ने विद्यालयों में खेलकूद, नैतिक शिक्षा और अन्य गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया है।

इस हाईटेक विद्यालय की एक और खासियत यह है कि इसके प्रत्येक कक्षा का नाम किसी महान विभूति के नाम पर रखा गया है। विद्यालय में क्लासरूम के नाम वशिष्ठ कक्ष, विश्वामित्र कक्ष, द्रोणाचार्य कक्ष, वाल्मीकि कक्ष रखे गए हैं।

भवन निर्माण करते समय परिसर में मौजूद एक भी पेड़ नहीं काटा गया। विद्यालय परिसर में 100 से अधिक पेड़ हैं। क्लास रूम में स्मार्ट बोर्ड, बेंच, आलमारी है। प्रकाश और वेंटिलेशन का विशेष ध्यान रखा गया है। यह यूपी का सबसे अधिक 40 केएलडी वाटर हार्वेस्टिंग क्षमता वाला प्राथमिक विद्यालय है। यह न केवल विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति और इतिहास से जोड़ने का कार्य करेगा, बल्कि उन्हें प्रेरित भी करेगा। यूपी का यह पहला प्राथमिक विद्यालय है, जिसकी जल संरक्षण प्रणाली 40 केएलडी वाटर हार्वेस्टिंग क्षमता वाली है।

सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश

जीएसटी चोरी रोकने के लिए रणनीति बने

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि राज्य कर विभाग व्यापारियों से संवाद बनाकर राजस्व संग्रह के तय लक्ष्य हासिल करे। विभाग की सराहना करते हुए कहा कि जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों की संख्या के मामले में पूरे देश में प्रदेश पहले पायदान पर है।

राज्य कर विभाग की समीक्षा करते हुए सीएम ने कहा कि टैक्स चोरी रोकने के लिए क्षेत्रवार रणनीति बनाएं। इसके लिए गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करने के निर्देश दिए और कहा कि सही प्रयासों से टैक्स चोरी रोकी जा सकती है। साथ ही कहा कि कामकाज के आधार पर अफसरों की पोस्टिंग की जाए। सीएम ने वर्ष 2025-26 के लिए 1.75 लाख करोड़ रुपए राजस्व संग्रह के लक्ष्य के लिए मिशन मोड में काम करने करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि वर्ष 2023-24 में क्रियाशील पंजीकृत व्यापारियों की संख्या 17.2 लाख थी, जो 2024-25 में बढ़कर 19.9 लाख हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश रिटर्न दाखिल करने वाले अग्रणी राज्यों में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। दुर्घटना में व्यापारी की मृत्यु, आंशिक व पूर्ण विकलांगता की स्थिति में उत्तराधिकारी तथा व्यापारी को राज्य सरकार 10 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दे रही है। साथ ही कहा कि सर्वाधिक टैक्स देने वाले लोगों को विभाग सम्मानित करे।

संभल में नेजा मेला के झंडे वाली जगह में पुलिस ने भरा सीमेंट

संभल, 19 मार्च (एजेंसियां)।

संभल के नेजा मेला को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि इस्लामी लुटेरे और आक्रांता सालार मसूद की याद में कोई मेले का आयोजन नहीं होगा। मेला आयोजन स्थल पर भारी पुलिसबल तैनात किया गया है। उसकी मजार के आसपास ड्रोन से सर्वे हो रहा है।

मंगलवार को पुलिस ने उस गड्ढे में सीमेंट भरवा दी, जहां इस मेले के लिए झंडा लगाया जाना था। यह झंडा सालार मसूद की याद में लगता है और यह मेले का केंद्र बिंदु होता है। इसे ही नेजा कहते हैं। यहीं से इसका नाम नेजा मेला पड़ा है। संभल में इस जगह पर पुलिसबल तैनात कर दिया गया है। मेला कमिटी के अध्यक्ष के घर के बाहर भी जवान तैनात हैं। पूरे इलाके में पुलिस ने गश्त करना चालू कर दिया है और ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है। संभल के एएसपी श्रीषचंद्र दीक्षित ने स्पष्ट कर दिया है कि नेजा मेला की अनुमति इस बार नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नेजा मेला एक गलत परंपरा थी और इनके साथ आगे बढना उचित नहीं है। एएसपी श्रीषचंद्र से बताया है कि अनुमति न दिए जाने के विषय में आयोजकों को सूचित कर दिया गया है। मसूद की मजार पर भी पुलिस तैनात है। एएसपी ने कहा कि जो भी व्यक्ति नेजा मेला को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाएगा उस पर भी कार्रवाई होगी। संभल के हिंदू भी लगातार इस मेले के विरोध में हैं। हिंदुओं ने कहा है कि किसी आक्रांता के नाम पर मेले का आयोजन ठीक नहीं है।

वहीं मुस्लिम अब कोर्ट जाने की बात भी कर रहे हैं। इससे पहले एएसपी श्रीषचंद्र का एक वीडियो भी वायरल हुआ था, इसमें वह आयोजकों से सालार मसूद के विषय में बात करते हुए दिखाई पड़े थे। इसमें एएसपी दीक्षित कहते हैं, इतिहास गवाह है कि वह महमूद गजनवी का सेनापति था, उसने सोमनाथ को लूटा था, पूरा देश यह जानता था। किसी लुटेरे की याद में यहां कोई मेले का आयोजन नहीं होगा। अगर किसी ने यह करने का प्रयास किया तो कठोर कार्रवाई होगी। किसी भी लुटेरे के प्रति आप कहेंगे कि वह बहुत अच्छा है तो यह बिलकुल नहीं माना जाएगा। अगर आप लोग अभी तक कर रहे थे तो यह कुरीति थी और आप अज्ञानता में यह कर रहे थे। अगर जानबूझ कर रहे थे तो आप देशद्रोही थे। सारे ऐतिहासिक तथ्य सालार मसूद की क्रूरता साबित करते हैं। उसने सोमनाथ को लूटा था और इस देश के प्रति अपराध किया था। इस देश के प्रति अपराध करने वाले को कहीं बख्शा नहीं जाएगा। लुटेरे की याद में कोई नेजा (झंडा-निशान) नहीं गड़ेगा। अगर ये झंडा गड़ गया तो आप देशद्रोही हैं।

मुख्यमंत्री ने चीनी उद्योग एवं गन्ना विभाग की समीक्षा की

46.50 लाख किसानों को हुआ 2,80, 223 करोड़ का भुगतान

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बुधवार को चीनी उद्योग व गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक की। विभागीय प्रगति की स्थिति से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान, सरकार की प्राथमिकता में हैं। इनके हितों के प्रति पूरी गंभीरता से काम किया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक जनपद में मास्टर ट्रेनर के माध्यम से गन्ना किसानों का प्रशिक्षण कराया जाए। इसमें स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्रों को भी जोड़ा जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि पेराई सत्र 2024-25 में अब तक 23,173 करोड़ से अधिक का भुगतान गन्ना किसानों को किया जा चुका है, जो कुल देय का 82 प्रतिशत है। वहीं विगत आठ वर्ष में 46.50 लाख किसानों को अब तक 2,80,223 करोड़ का गन्ना मूल्य भुगतान किया जा चुका है। यह वर्ष 1995 से मार्च 2017 (22 वर्ष) में हुए कुल भुगतान से 66,703 करोड़ रुपए अधिक है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि चीनी मिलों

में टिशू कल्चर पद्धति से गन्ने की नई प्रजाति का बीज तैयार कराया जाए, जिससे नई गन्ना प्रजातियों का आच्छादन तेजी से हो सके और गन्ना उत्पादकता में भी वृद्धि हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारी चीनी मिलों में प्रबंधन की जवाबदेही तय करते हुए इसे लाभ में लाने के निरंतर प्रयास किए जाएं। सहकारी गन्ना विकास समितियों के भवनों का जीर्णोद्धार किया जाए तथा प्रगतिशील गन्ना किसानों को कार्यक्रमों में सम्मानित भी किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने गन्ना समितियों के माध्यम से पूर्व से संचालित विद्यालयों की मरम्मत व सुदृढ़ीकरण पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चीनी मिलों में गन्ना किसानों के लिए बुनियादी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके लिए संबंधित सहकारी गन्ना विकास समितियों का दायित्व भी निर्धारित किया जाए। गन्ना समितियां किसानों के बैठने, पेयजल एवं सस्ती कैंटीन भी खोलने का कार्य करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गन्ना विकास समितियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों का जनप्रतिनिधियों से ही लोकार्पण कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना फसलों में कीट व बीमारियों के रोकथाम के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए तथा ससमय इसका नियंत्रण किया जाए, जिससे गन्ना उत्पादकता व उत्पादन में वृद्धि हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना शोध परिसर शाहजहांपुर, सेवरही व मुजफ्फरनगर का सुदृढ़ीकरण कराया जाए। तकनीकी स्टाफ एवं वैज्ञानिकों आदि की व्यवस्था करते हुए इनका प्रभावी संचालन निरंतर सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि सहकारी चीनी मिल संघ व उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम के अंतर्गत संचालित चीनी मिलों में स्वच्छ छवि वाले अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि चीनी मिलें निरंतर लाभप्रदता की स्थिति में आ सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि चीनी मिलों को इंटीग्रेटेड शुगर कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित कराया जाए। बैठक में गन्ना विकास व चीनी मिलें विभाग के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

204 करोड़ पौधरोपण कर यूपी सरकार ने पेश की मिसाल

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक यूपी के वनाच्छादन में 559.19 वर्गकिमी की वृद्धि हुई है। पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जनअभियान-2024 के तहत यूपी में 36.80 करोड़ पौधरोपण हुए। सीएम योगी के नेतृत्व में वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग ने कई बड़े-बड़े कार्य भी किए। वन विभाग में पारदर्शिता के आधार पर युवाओं को नियुक्ति दी गई। यूपी में पहली बार कार्बन क्रेडिट के जरिये किसानों की आय में वृद्धि हुई। 25 नवम्बर 2024 से लखनऊ से पलिया तक योगी सरकार ने हवाई सेवा भी शुरू की। उत्तर प्रदेश में सारस की संख्या में भी वृद्धि हुई।

योगी सरकार के प्रयास का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश की नदियों में सर्वाधिक डॉल्फिन पाई गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल

में ही राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक में रिपोर्ट जारी की, जिसके मुताबिक देश में नदी डॉल्फिन की कुल संख्या 6,327 रही। देश के आठ राज्यों की 28 नदियों के सर्वेक्षण में सर्वाधिक संख्या (2397 डॉल्फिन) के साथ उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। अन्य राज्य यूपी से पीछे हैं। योगी सरकार ने 17 अक्टूबर 2023 को गंगा डॉल्फिन को राज्य जलीय जीव घोषित किया था। योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में 204 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया गया। विगत वर्ष 36.80 करोड़ पौधरोपण कर उत्तर प्रदेश ने नया रिकॉर्ड स्थापित किया।भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश का वनाच्छादन 559.19 वर्ग किमी. बढ़ा है। छत्तीसगढ़ को छोड़कर सभी राज्य उत्तर प्रदेश से पीछे हैं।

योगी सरकार के पिछले आठ वर्ष में लगभग ढाई हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली। अभी हाल में ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 10 सितंबर को 647 वन रक्षकों-वन्य जीव रक्षकों और 22 नवंबर को 701 वन दारोगा को नियुक्ति पत्र प्रदान किया था। दुधवा टाइगर रिजर्व / दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में ईको पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए 25 नवम्बर 2024 को लखनऊ से पलिया तक हवाई सेवा का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा छह सितंबर 2024 को गोरखपुर के कैम्पियरगंज में एशिया के प्रथम नवनिर्मित जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र का उद्घाटन किया गया। नव निर्मित जटायु/राजगिद्ध के संरक्षण व संवर्धन केंद्र में कुल छह राजगिद्धों (नर एवं मादा) को लाया जा चुका है।

पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान, 2024 के अंतर्गत वर्ष में 36.80 करोड़ पौधरोपण किए गए। 20 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ, प्रयागराज व गोरखपुर में पौधरोपण किया।

इसके अतिरिक्त प्रदेश के 223 महत्वपूर्ण वेटलैण्ड्स के जलागम क्षेत्र में वेटलैंड संरक्षण वन की स्थापना की गई। प्रदेश में 948 विरासत वृक्ष वाटिका का निर्माण किया गया। इसके अलावा मित्र वन, मियावाकी वन, सौमित्र वन, शक्ति वन आयुष वन, पंचवटी, नवग्रह वाटिका की स्थापना की गई। गंगा, यमुना, सरयू, हिंडन, गोमती सहित विभिन्न नदियों के जलागम क्षेत्र में पवित्र धारा वृक्षारोपण योजना के तहत लगभग 3.72 करोड़ पौधरोपण किया गया। किसानों की निजी भूमि पर खड़े वृक्षों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 20 जुलाई 2024 को कार्बन क्रेडिट का भुगतान किया।

सर्वोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

अंतिम तिथि 22 मार्च, 30 मार्च को होगी परीक्षा

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)।

समाज कल्याण विभाग और जनजाति विकास विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। सीबीएसई मान्यता प्राप्त इन विद्यालयों में कक्षा 6, 7, 8, 9 और 11 में रिक्त सीटों पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 22 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं।

कक्षा 6 से 9 तक के लिए प्रवेश परीक्षा 30 मार्च को आयोजित की जाएगी। जिसका परिणाम 31 मार्च को जारी होगा। वहीं कक्षा 11 में प्रवेश के लिए कोई परीक्षा नहीं होगी। 10वीं के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

उसी के अनुसार इसमें चयन होगा। कक्षा 6 और 7 में कुल 70 सीटें हैं। दो सेक्शन में 35-35 छात्र होंगे। वहीं, कक्षा 8 और 9 में रिक्तियों के अनुसार प्रवेश दिया जाएगा। कक्षा 11 में अधिकतम 20 छात्रों का चयन होगा।

गांव के छात्रों को 85 फीसदी और शहरी छात्रों को 15 फीसदी सीटों में प्राथमिकता दी जाएगी। आरक्षण नीति के अनुसार 60 फीसदी सीटें अनुसूचित जाति/जनजाति, 25 फीसदी अन्य पिछड़ा वर्ग और 15 फीसदी सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित रहेंगी।

पूरी चयन प्रक्रिया जिलाधिकारी के नियंत्रण में होगी। प्रश्नपत्र का निर्माण व मूल्यांकन डायट के माध्यम से किया जाएगा। प्रदेश के सभी राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में भी यही प्रक्रिया लागू होगी।

सभी चयनित छात्रों के लिए शैक्षिक सत्र एक अप्रैल से शुरू होगा। सरकार ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिससे मेधावी छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा मिल सके। साथ ही हर वर्ग के छात्रों को समान अवसर प्रदान किया जाए।

स्विस ओपन 2025 : त्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी दूसरे दौर में, पुरुष एकल में भारतीय चुनौती मजबूत

बासेल,19 मार्च (एजेंसियां) । भारतीय महिला युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने स्विट्जरलैंड के बासेल में जारी स्विस ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है।

दुनिया की नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी ने स्विट्जरलैंड की एलाइन मुलर और नीदरलैंड की केली वान बुइटन को 21-16, 21-17 से केवल 32 मिनट में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अब वे जर्मनी की सेलिन हब्सच और एमेली लेहमैन के खिलाफ खेलेंगी।

हालांकि, त्रीसा और गायत्री, जो इस टूर्नामेंट में चौथी वरीयता प्राप्त हैं, महिला युगल में बची एकमात्र भारतीय चुनौती हैं। अन्य भारतीय जोड़ियां प्रिया कोंजेंगबाम-श्रुति मिश्रा और वर्षिनी विश्वनाथ श्री-आरती सारा सुनील पहले दौर में हारकर बाहर हो गईं। प्रिया-श्रुति की जोड़ी को तुर्किये की नाज़लिकन इंसी और बेंगिसु एरचेतिन ने 21-11, 21-19 से हराया। वहीं, वर्षिनी-आरती नीदरलैंड की डेबोरा जिल और डेनमार्क की सारा थाइगेसन के खिलाफ 21-13, 21-13 से हार गईं।

पुरुष एकल में अयुष शेट्टी और संकर मुथुसामी मुख्य ड्रॉ में पहुंचे

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अयुष शेट्टी और एस संकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। आयुष शेट्टी (दुनिया के 44वें नंबर के खिलाड़ी) ने पहले दौर में इंग्लैंड के चोलन कायन (रैंक 161) को 21-12, 21-15 से हराया। इसके बाद, उन्होंने फ्रांस के राफेल गावियोस (रैंक 400) को केवल 23 मिनट में 21-6, 21-8 से हराकर अंतिम 32 में जगह बनाई। अब वह जापान के केंटा निशिमोटो (2018 जकार्ता एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता) से भिड़ेंगे।

संकर मुथुसामी ने भी क्वालिफायर में दो शानदार जीत दर्ज कीं। पहले दौर में उन्होंने इंग्लैंड के यूहेन वांग को 21-13, 21-4 से मात दी। फिर अपने ही हमवतन थरुण मानेपाल्ली को 21-7, 21-10 से हराकर मुख्य ड्रॉ में पहुंचे। अब संकर मुथुसामी (रैंक 64) पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन से भिड़ेंगे।

न्यूज ब्रीफ

मुंबई इंडियंस के शुरुआती मैचों में नहीं खेल सकेंगे बुमराह- महेला जयवर्धने

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने स्पष्ट किया है कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। जयवर्धन ने यह नहीं बताया कि बुमराह कब तक मैदान में वापसी करेंगे। जानकारी के अनुसार बुमराह बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। जयवर्धने को उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम से जुड़ेंगे। जयवर्धने ने मीडिया से बातचीत में कहा, बुमराह ने अपनी रिकवरी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हमें देखना होगा कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम की ओर से क्या अपडेट मिलता है। अभी तक सबकुछ सही दिशा में जा रहा है, लेकिन यह दिन-प्रतिदिन की प्रक्रिया है। जयवर्धने ने बुमराह की अनुपस्थिति को मुंबई इंडियंस के लिए एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा, बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने कई सालों तक हमारी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उनका नहीं होना हमारे लिए मुश्किल होगा, लेकिन यह किसी और गेंदबाज के लिए खुद को साबित करने का अवसर भी हो सकता है। उल्लेखनीय है कि बुमराह जनवरी 2025 से क्रिकेट से बाहर हैं, जब वह सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी भी मिस कर दी। उनकी फिटनेस को लेकर अभी भी चिंता बनी हुई है। मुंबई इंडियंस के पूर्व गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने हाल ही में बुमराह को अत्यधिक वर्कलोड से बचने की सलाह दी थी, ताकि वह अपने करियर को लंबा खींच सकें।

उरुग्वे के कोच बिएल्सा ने वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के लिए छह नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया

मोंटेवीडियो। उरुग्वे के मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा ने अर्जेंटीना और बोलिविया के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अपनी टीम में छह नए खिलाड़ियों को शामिल किया है। बिएल्सा द्वारा चुने गए नए खिलाड़ी लोकल क्लबों से हैं, जिनमें फॉरवर्ड पाब्लो सुआरेज, मिडफील्डर जर्मन बारबास, मिडफील्डर एरिको कुएलो, डिफेंडर पैट्रिसियो पैसिफिको, सेंटर-बैक पाओलो कैलियोन और विंगर लुकास अगाजी का नाम शामिल है। उम्मीद के मुताबिक, लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फेडेरिको वाल्वेर्दे, टॉटनहैम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटानकुर और बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को भी टीम में जगह दी गई है। उरुग्वे की टीम शुक्रवार को मोंटेवीडियो में अर्जेंटीना से भिड़ेगी, जबकि अगले मंगलवार को एल आल्टो में बोलिविया के खिलाफ खेलेगी। दस टीमों की दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप तालिका में उरुग्वे 12 मैचों में 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि अर्जेंटीना 25 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई है।

इतालवी फुटबॉलर एंटोनियो कंद्रेवा ने लिया संन्यास

रोम। इटली के फुटबॉल खिलाड़ी एंटोनियो कंद्रेवा ने 38 वर्ष की उम्र में मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए संन्यास की घोषणा की, जिससे उनका करीब 20 साल का करियर समाप्त हो गया। रोम में जन्मे कंद्रेवा मुख्य रूप से दाएं विंगर के रूप में खेलते थे और उन्होंने जुवेंटस, लाजियो, इंटर मिलान सहित कई अन्य क्लबों के लिए खेलते हुए 500 से अधिक सेरी ए मैचों में हिस्सा लिया। हालांकि, वह अपने करियर में केवल एक प्रमुख ट्रॉफी जीत सके, जब उन्होंने 2012-13 सीजन में लाजियो के साथ कोपा इटालिया का खिताब अपने नाम किया। कंद्रेवा पिछले सीजन में सालेर्नितना के साथ अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद से फ्री एजेंट थे और पिछले महीने उन्होंने अपना 38वां जन्मदिन मनाया था। इस अनुभवी खिलाड़ी ने 2009 में इटली की राष्ट्रीय टीम के लिए डेब्यू किया था और अपने करियर में कुल 54 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें उन्होंने 7 गोल किए।

सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025

पैंथर्स, विंग्स, क्लासिक और वॉरियर ने दर्ज की जीत

देहरादून,19 मार्च (एजेंसियां) । सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के तहत बुधवार को चार अहम मुकाबले खेले गए, जिनमें सचिवालय पैंथर्स, विंग्स, सचिवालय क्लासिक और सचिवालय वॉरियर ने शानदार जीत दर्ज की।

महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले मुकाबले में सचिवालय पैंथर्स ने सचिवालय राइजिंग को 3 विकेट से हराया। सचिवालय राइजिंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 125 रन बनाए, जिसमें अमित सतवाल (45) और संदीप (27) ने उपयोगी पारियां खेलीं। पैंथर्स की ओर से अजीत शर्मा ने 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए पैंथर्स ने प्रमोद नेगी (48) और अजीत शर्मा (36) की पारियों के दम पर जीत हासिल की। शुभम ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच अजीत शर्मा को चुना गया।

दीपक सैनी ने सर्वाधिक 39 रन बनाए

दूसरे मुकाबले में विंग्स ने रॉयल स्ट्राइकर्स को 48 रनों से हराया। विंग्स ने पहले खेलते हुए 6 विकेट पर 145 रन बनाए, जिसमें संजय जोशी ने 37 रन जोड़े। जवाब में रॉयल स्ट्राइकर्स की टीम 97 रनों पर ऑल आउट हो गई। दीपक सैनी ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि विंग्स के दीपक पंवार ने 4 विकेट झटके। मैन ऑफ द मैच दीपक पंवार को मिला।

इसके अलावा दून हैरिटेज क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में सचिवालय क्लासिक ने ईगल्स को 2 रनों से हराया। सचिवालय क्लासिक ने पहले खेलते हुए 5 विकेट पर 165 रन बनाए, जिसमें सुशील बिष्ट (54) और रमेश (44) ने अहम योगदान दिया। ईगल्स की टीम 163 रनों पर ऑल आउट हो गई। तेजपाल ने 39 रन बनाए, जबकि क्लासिक के सुशील बिष्ट ने 3 विकेट चटकाए। मैन ऑफ द मैच सुशील बिष्ट रहे।

अगले मुकाबले में सचिवालय वॉरियर ने सचिवालय सुपर किंग्स को 11 ओवर में 3 विकेट से मात दी। सुपर किंग्स ने पहले खेलते हुए 150 रन बनाए, जिसमें अमित तोमर ने 32 रन जोड़े। वॉरियर की ओर से राजीव तड़ियाल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए अशोक बिष्ट की 83 रनों की धमाकेदार पारी से वॉरियर ने जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच राजीव तड़ियाल बने।

आईपीएल 2025: सीजन के पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे क्योंकि पूर्णकालिक कप्तान हार्दिक पांड्या एक मैच के प्रतिबंध के कारण पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। हार्दिक ने बुधवार को मीडिया से कहा, जब मैं नहीं रहूंगा तो सूर्या आदर्श विकल्प होंगे। हार्दिक को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 2024 सीजन के मुंबई के आखिरी मैच में धीमी ओवर गति के लिए एक मैच के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। चूंकि यह हार्दिक का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए उन पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया था, जो इस सीजन के शुरुआती मैच में भी जारी रहेगा। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने भी पुष्टि की कि फ्रेंचाइजी को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अभियान के शुरुआती मैच के लिए हार्दिक की अनुपलब्धता के बारे में औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है। हार्दिक ने कहा, पिछले साल, जो हुआ वह खेल का हिस्सा था। हमने आखिरी ओवर में डेढ़ या दो मिनट देरी से गेंदबाजी की। उस समय, मुझे नहीं पता था कि इसके क्या परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मुझे लगता है कि नियम ऐसा कहते हैं। इसका मतलब है कि मुझे प्रक्रिया के साथ चलना होगा। 2023 में सूर्यकुमार यादव, जो वर्तमान में भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान हैं, ने एक आईपीएल मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी।

तेलंगाना सरकार ने खेल बजट में की 100 करोड़ की वृद्धि, युवा इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की घोषणा

हैदराबाद,19 मार्च (एजेंसियां) । तेलंगाना विधानसभा में बुधवार को प्रस्तुत वार्षिक बजट के दौरान राज्य के खेल क्षेत्र के लिए 465 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। पिछले बजट की तुलना में इसमें 100 करोड़ रुपये की वृद्धि की गयी है।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बजट पेश करते हुए कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद के बाहरी इलाके हकीमपेट में 200 एकड़ में 'यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी' की स्थापना कर रही है, जिसका उद्देश्य विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को तैयार करना है। इस विश्वविद्यालय में 12 विशेष खेल अकादमियां स्थापित की जाएंगी, जहां विभिन्न खेलों में उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि फ्यूचर सिटी में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार एक अत्याधुनिक 'स्पोर्ट्स हब' विकसित किया जाएगा, जिससे तेलंगाना को खेल उत्कृष्टता का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। इस स्पोर्ट्स हब में स्पोर्ट्स साइंस सेंटर और स्पोर्ट्स मेडिसिन सेंटर होंगे, जो वैज्ञानिक प्रशिक्षण, प्रदर्शन अनुकूलन और चोट प्रबंधन जैसी सुविधाएं प्रदान करेंगे, जिससे खिलाड़ियों का समग्र विकास अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप हो सकेगा।

खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर सराहना

उप मुख्यमंत्री ने राज्य के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, बॉक्सर निखत जरीन और पैरा-एथलीट दीप्ति जीवनजी का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोहम्मद सिराज ने टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन किया और वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई। निखत जरीन को वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मिली जीत के लिए बधाई देते हुए उन्होंने बताया कि सिराज और निखत दोनों को डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) पद से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा उन्होंने पैरा-एथलीट दीप्ति जीवनजी के प्रेरणादायक सफर का जिक्र किया और बताया कि उन्हें ग्रुप-2 सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दीप्ति जीवनजी ने 2024 पैरालंपिक्स में पदक जीतकर इतिहास रच दिया, वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली राज्य की पहली महिला खिलाड़ी बनी हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए डिवाइन, केर, और ताहूहू की न्यूजीलैंड टीम में वापसी

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 मार्च से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, अमेलिया केर और ली ताहूहू की न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम में वापसी हुई है। इस बीच, श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में 1-1 की बराबरी के बाद, सूजी बेट्स अंतरिम कप्तान बनी रहेंगी। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज इसाबेला गेज अभी भी हिप फ्लेक्सर की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

एचपीआरसी अजीजनगर में हाल ही में आयोजित वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप में भाग लेने पहुंचे प्रसिद्ध निर्देशक राजमौली से शिष्टाचार भेंट करते हुए एचपीआरसी के प्रशासनिक सचिव शेख रियाज अहमद और एचपीआरसी की सदस्य मनीषा पाटिल। ज्ञात हों उक्त वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपिशनशिप मेंफ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, स्पेन, लक्जमबर्ग, यूके और यूएसए सहित दुनिया भर की टीमों ने भाग लिया था। चैंपियनशिप की मेजबानी हैदराबाद पोलो एंड राइडिंग क्लब (एचपीआरसी) ने की थी, जो 2005 में अपनी स्थापना के बाद से हैदराबाद में पोलो और अन्य घुड़सवारी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है।

'रन फॉर राम' हॉफ मैराथन के लिए 40,000 से अधिक धावक तैयार, राम नगरी अयोध्या में होगा भव्य आयोजन

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) । रामनगरी अयोध्या एक बार फिर आस्था और फिटनेस के संगम की साक्षी बनेगी, जब 13 अप्रैल को क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित 'रन फॉर राम' हॉफ मैराथन का तीसरा संस्करण संपन्न होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खेल प्रकोष्ठ क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित यह प्रतिष्ठित मैराथन, जिसे 'संकल्पका मैराथन' नाम दिया गया है, केवल एक दौड़ नहीं बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों से प्रेरित भक्ति और समुदायिक समर्पण का प्रतीक है।

2023 और 2024 में जबरदस्त सफलता प्राप्त करने के बाद, क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में इस वर्ष 40,000 से अधिक धावकों को शामिल करने की तैयारी की जा रही है। राम जन्मभूमि से प्रेरित इस मैराथन का आयोजन 14 कोसी परिक्रमा के महत्व को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, जो शारीरिक सहनशक्ति, आध्यात्मिक समर्पण और सामूहिक एकता का प्रतीक है।

तीन श्रेणियों में होगी दौड़

इस मैराथन में 3 प्रमुख श्रेणियां शामिल होंगी— 1. 21 किलोमीटर हाफ मैराथन 2. 10 किलोमीटर दौड़, 3. तीन किलोमीटर परिवार एवं आनंद दौड़।

ये सभी दौड़ अयोध्या के पवित्र राम पथ और भक्ति पथ को समाहित करेंगी, जिससे प्रतिभागियों को धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का अनुभव भी मिलेगा। इस दौड़ में पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोग भाग ले सकेंगे। यह न केवल शारीरिक क्षमता की परीक्षा होगी, बल्कि श्रद्धा और परंपरा से जुड़ने का भी एक अवसर प्रदान करेगी।

संकल्प, स्वास्थ्य और भक्ति का संगम

क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने कहा, रन फॉर राम' अब केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि एक आंदोलन बन चुका है, जो पूरे देश से श्रद्धालुओं और फिटनेस प्रेमियों को एक साथ जोड़ता है। यह केवल शारीरिक दक्षता को परखने की दौड़ नहीं, बल्कि एक सामूहिक संकल्प (संकल्पका) है कि हम श्रीराम के आदर्शों को अपनाते हुए अनुशासित, स्वस्थ और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ें। रामलला की पावन नगरी अयोध्या हम सभी को प्रेरित करती है। पिछले दो वर्षों में 'रन फॉर राम' को देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं और धावकों का भरपूर समर्थन मिला है। इस वर्ष भी क्रीड़ा भारती इस आयोजन के माध्यम से लोगों में स्वास्थ्य, अनुशासन और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाएगा।

5 अप्रैल को होगी प्रेस वार्ता

आयोजकों के अनुसार, इस भव्य मैराथन के आयोजन को लेकर 5 अप्रैल को अयोध्या सहित विभिन्न स्थानों पर प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी। आयोजकों को पूर्ण विश्वास है कि 'रन फॉर राम 2025' अयोध्या को एक बार फिर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा और साथ ही, एकता एवं कल्याण के मूल्यों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सविता ने गोलकीपर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने पर कहा- टीम के बिना यह संभव नहीं था

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) । भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर सविता को हॉकी इंडिया के 7वें वार्षिक पुरस्कार 2024 में हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला) और हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी शानदार हॉकी यात्रा में एक और उपलब्धि जोड़ता है, लेकिन सविता के लिए यह सिर्फ व्यक्तिगत सफलता नहीं बल्कि उन सभी लोगों की मान्यता है जिन्होंने उनकी इस सफलता में योगदान दिया है।

तीसरी बार हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड जीतने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए सविता ने कहा, बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। इस साल कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, इसलिए मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह पुरस्कार मुझे मिलेगा। हर खिलाड़ी को उसकी मेहनत के लिए पहचान मिलना अच्छा लगता है और मैं इस सम्मान के लिए आभारी हूं।

उन्होंने हॉकी इंडिया की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में कहा, हमारी टीम में हम सब एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और हर खिलाड़ी की सफलता की कामना करते हैं। कोई भी खिलाड़ी अकेले कुछ हासिल नहीं कर सकता, टीम के बिना यह संभव नहीं था।

इस साल सविता व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो पाईं। उन्होंने टोरंटो, कनाडा से अपने ससुराल वालों के साथ लाइव प्रसारण देखा। सविता ने यह पुरस्कार अपने परिवार को समर्पित किया और कहा, मेरे पति और उनका परिवार हॉकी को लेकर बहुत सहयोगी रहा है। कई खिलाड़ियों पर शादी के बाद खेल छोड़ने का दबाव होता है, लेकिन उन्होंने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे उनका समर्थन मिला।

हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर जीतने पर सविता ने अपने खेल की चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, हर बचाव के पीछे घंटों की मेहनत होती है। फुटवर्क, फुर्ती, रिफ्लेक्स और पोजिशनिंग पर लगातार अभ्यास किया जाता है। हमारे कोचों ने भी मेरे खेल को निखारने के लिए कड़ी मेहनत की है।

पिछला साल सविता के लिए खास रहा, खासकर हीरो हॉकी इंडिया लीग में जहां उन्होंने सूरमा हॉकी क्लब की अगुवाई की। उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया ने महिला हॉकी लीग कराने का वादा पूरा किया और हम सभी इसके लिए आभारी हैं। यह टूर्नामेंट हमारे व्यक्तिगत कौशल को निखारने में बहुत सहायक रहा।

सविता को इन पुरस्कारों के साथ बड़ी धनराशि भी मिली— हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड के लिए 25 लाख और हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड के लिए 5 लाख रुपये। उन्होंने इस पर कहा, पहले के वर्षों में हमें विश्वास नहीं होता था कि हमें इतनी बड़ी राशि भी मिल सकती है। यह सिर्फ सम्मान का विषय नहीं है, बल्कि हमें अपने परिवार और प्रियजनों की देखभाल करने का अवसर भी देता है। भारत में बहुत कम खेलों में महिलाओं को इतनी बड़ी पहचान और अवसर मिलते हैं।

आने वाले समय में सविता का ध्यान अगले साल के वर्ल्ड कप और एफआईएच महिला प्रो लीग पर रहेगा। उन्होंने कहा, जब देश हमें इतना सम्मान और प्रोत्साहन देता है, तो यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ दें। इन पुरस्कारों के साथ एक जिम्मेदारी भी जुड़ती है।

भारत के हालिया प्रदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने एफआईएच महिला प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण में कुछ शानदार प्रदर्शन किए। खासकर नीदरलैंड्स को शूटआउट में हराना हमारे लिए एक बड़ी जीत थी। यह मेरी इस साल की सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस में से एक थी। उम्मीद है कि हम आगे और बेहतर करेंगे।

सरकार ने कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने हाल में आयात में वृद्धि से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति से बचाने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जारी एक अधिसूचना में घरेलू इस्पात उत्पादकों को आयात में वृद्धि से बचाने के उद्देश्य से कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिन के लिए 12 फीसदी का अस्थायी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। अधिसूचना के मुताबिक इस शुल्क पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा। यह सुरक्षा शुल्क एक अस्थायी टैरिफ अवरोध है, जो घरेलू इस्पात उद्योगों को आयात में वृद्धि से बचाने के लिए लगाया जाता है। डीजीटीआर ने 18 मार्च को जारी एक अधिसूचना में कहा है कि ऐसी गंभीर परिस्थितियां मौजूद हैं, जहां अनंतिम सुरक्षा उपायों के लिए आवेदन में किसी भी प्रकार की देरी से ऐसी क्षति होगी, जिसकी मरम्मत करना कठिन होगा। अनंतिम सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। अधिसूचना के अनुसार प्राधिकरण विचाराधीन उत्पाद के आयात पर अंतिम निर्धारण होने तक सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। यह 200 दिनों के लिए 12 फीसदी की दर से अनंतिम है। उल्लेखनीय है कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने पिछले साल दिसंबर में फैब्रिकेशन, पाइप विनिर्माण, विनिर्माण, पूंजीगत सामान, ऑटो, ट्रैक्टर, साइकिल और इलेक्ट्रिकल पैनल सहित विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले गैर-मिश्र धातु एवं मिश्र धातु इस्पात 'फ्लैट' उत्पादों के आयात में अचानक वृद्धि की जांच शुरू की थी। इस जांच में निदेशालय ने प्रारंभिक रूप से पाया है कि भारत में इन उत्पादों के आयात में हाल ही में अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जिससे घरेलू उद्योग/उत्पादकों को गंभीर क्षति पहुंचने का खतरा है।

न्यूज ब्रीफ

सीसीआई ने एडवरटाइजिंग एजेंसियों ग्रुपएम समेत कई जगहों पर मारे छापे

नई दिल्ली। कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने कार्रवाई करते हुए ग्रुपएम, डेंटुस, इंटरपब्लिक ग्रुप सहित कई ग्लोबल एडवरटाइजिंग एजेंसियों और एक ब्रॉडकास्टिंग इंडस्ट्री ग्रुप के कार्यालयों पर छापे मारे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीसीआई कीमतों को लेकर कथित मिलीभगत के आरोप में इन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने करीब 10 स्थानों पर तलाशी ली। यह मामला एडवर्टाइजिंग एजेंसियों और बड़े ब्रॉडकास्टर्स के विज्ञापन के रेट और डिस्काउंट तय करने में मिलीभगत करने से जुड़ा है। छापेमारी मुंबई, नई दिल्ली और गुरुग्राम में की गई। सीसीआई ने हाल ही में इस मामले में केस दर्ज किया था। सूत्रों ने बताया कि ग्रुपएम के मुंबई एयरपोर्ट के पास स्थित ऑफिस बाय 99 को सीसीआई अधिकारियों ने घेर लिया है और जांच जारी है। यह जांच कई महीनों तक चल सकती है और इस दौरान पूरी प्रक्रिया को गोपनीय रखा गया है। इंडियन ब्रॉडकास्टिंग और डिजिटल फाउंडेशन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सीसीआई भी अपनी इनफोर्समेंट कार्रवाई या प्राइस में मिलीभगत से जुड़े मामलों को सार्वजनिक नहीं करता। इससे पहले दिसंबर 2024 में सीसीआई ने एल्कोहल इंडस्ट्री के दिग्गज पर्नो रिकार्ड और एन्हेसर-बुश इनबेव के कार्यालयों पर छापा मारा था। यह कार्रवाई साउथ इंडिया के एक राज्य में रिटेल विक्रेताओं के साथ मूल्य मिलीभगत के आरोपों को लेकर की गई थी।

वोडा आईडिया ने लॉन्च की 5जी शुरुआती ऑफर 299 रुपए से

नई दिल्ली। टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने बुधवार से भारत में अपनी 5जी सेवाएं लॉन्च कर दी। कंपनी ने बताया कि उसने 5जी सेवाओं की शुरुआत मायानगरी मुंबई से की है और जल्द ही पांच और शहरों में यह सेवा शुरू की जाएगी। टेलीकॉम कंपनी इस नई सेवा के जरिए ग्राहकों के पलायन को रोकने और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े टेलीकॉम बाजार में अपने बड़े प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले मजबूत स्थिति हासिल करने की कोशिश कर रही है। बाजार खुलते ही वोडा आईडिया (वीआई) के शेयरों में 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि वीआई का 5जी शुरुआती ऑफर 299 के प्लान से शुरू होता है, जिसमें ग्राहकों को अनलिमिटेड 5जी डेटा मिलेगा। यह ऑफर बाजार में सबसे किफायती विकल्प है। नई 5जी सेवा से वीडियो स्ट्रीमिंग, ओटीटी ऐप्स, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो कॉल और कॉन्फ्रेंसिंग का अनुभव बेहतर होगा। इसके साथ ही डाउनलोडिंग की स्पीड भी बढ़ेगी। हालांकि इस शुरुआती ऑफर की अवधि को लेकर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है। शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि बेहतर कनेक्टिविटी अनुभव सुनिश्चित करने के लिए वीआई ने नोकिया के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने अपने 5जी नेटवर्क में नई पीढ़ी के उपकरणों को शामिल किया है, जो न केवल हल्के हैं बल्कि ऊर्जा-कुशल भी हैं, जिससे नेटवर्क अधिक सस्टेनेबल बनता है। इसके अलावा, वीआई ने एआई-आधारित सन सिस्टम भी तैनात किया है, जो नेटवर्क प्रदर्शन को लगातार ऑप्टिमाइज करता है ताकि उपभोक्ताओं को बेहतरीन अनुभव मिल सके।

लिटिल ग्रेसी' तीन वेरिएंट में लॉन्च

नई दिल्ली। अपने पोर्टफोलियो में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता ज़ेलियो ई मोबिलिटी ने एक नया स्कूटर 'लिटिल ग्रेसी' जोड़ा है। इस स्कूटर को खासतौर पर 10 से 18 वर्ष की उम्र के युवाओं के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने इसे तीन वेरिएंट में लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 49,500 रुपये रखी गई है। लिटिल ग्रेसी के एंट्री-लेवल मॉडल में 48वी/32एएच लीड-एसिड बैटरी दी गई है, जो 7-8 घंटे में चार्ज होकर 55-60 किलोमीटर तक की रेंज प्रदान करती है। इसका मिड-टियर वेरिएंट 60वी/32एएच लीड-एसिड बैटरी के साथ आता है, जो 70 किलोमीटर तक की रेंज देता है और इसकी कीमत 52,000 रुपये रखी गई है। वहीं, टॉप-एंड वेरिएंट 60वी/30एएच लिथियम-आयन बैटरी से लैस है, जिसकी कीमत 58,000 रुपये है और यह 70-75 किलोमीटर तक की रेंज देता है। सभी वेरिएंट 48/60वी बीएलडीसी मोटर से संचालित होते हैं, जो अधिकतम 25 किमी प्रति घंटे की गति प्रदान करता है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में डिजिटल डिस्प्ले, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, कीलेस ड्राइव, रिवर्स गियर, पार्किंग स्विच और एंटी-थेफ्ट अलार्म जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। सुरक्षा के लिए इसमें हाइड्रोलिक सस्पेंशन और दोनों पहियों में ड्रम ब्रेक दिए गए हैं। इसका कुल वजन 80 किलोग्राम है और यह 150 किलोग्राम तक का भार वहन कर सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अंतरिक्ष में परचम...

गौरतलब है कि सुनीता विलियम्स पिछले 9 महीने से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में फंस गई थीं। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट द्वारा अंतरराष्ट्रीय 5 जून 2024 को भेजा गया था। उनका मिशन केवल आठ दिनों का था, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण वे वहां नौ महीने से अधिक समय तक फंसे रहे। नासा के अनुसार, अंतरिक्ष यात्री निक हेग, सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर और अलेक्जेंडर गोरबुनोव स्थानीय समय के मुताबिक शाम 5:57 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 3.27 बजे) पृथ्वी पर लौट आए। स्पेसएक्स रिकवरी जहाजों पर सवार टीमों ने अंतरिक्ष यात्रियों को वापस निकाला। इस तरह नासा के स्पेसएक्स क्रू-9 ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एजेंसी के नौवें वाणिज्यिक क्रू रोटेशन मिशन को पूरा किया। यह अमेरिका की खाड़ी में फ्लोरिडा के तल्हासी तट से स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सुरक्षित रूप से उतरा। नासा की कार्यवाहक प्रशासक जेनेट पेट्रो ने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर नासा और स्पेसएक्स की एक महीने की मेहनत रंग लाई। अंतरराष्ट्रीय चालक दल और धरती पर मौजूद हमारी टीमों ने सभी को घर वापस लाने में कड़ी मेहनत की।

सुनीता विलियम्स और विल्मोर ने अपने मिशन के दौरान 121,347,491 मील की यात्रा की। अंतरिक्ष में 286 दिन बिताए और पृथ्वी के चारों ओर 4,576 परिक्रमा पूरी की। दूसरी तरफ हेग और गोरबुनोव ने अपने मिशन के दौरान 72,553,920 मील की यात्रा की, अंतरिक्ष में 171 दिन बिताए और पृथ्वी के चारों ओर 2,736 परिक्रमा पूरी की। हेग ने अपने दो मिशनों में अंतरिक्ष में 374 दिन और विलियम्स ने अपनी तीन उड़ानों में अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए हैं। विल्मोर ने अपनी तीन उड़ानों में अंतरिक्ष में 464 दिन बिताए हैं।सुनीता विलियम्स ने दो स्पेसवॉक किए। एक में उनके साथ विल्मोर और दूसरे में हेग शामिल थे। अंतरिक्ष में 900 घंटे से अधिक समय तक शोध के साथ 150 से अधिक अद्वितीय वैज्ञानिक प्रयोग किए गए। इस शोध में पौधों की वृद्धि और गुणवत्ता पर जांच शामिल थी, साथ ही रक्त रोगों, ऑटोइम्यून विकारों और कैंसर को संबोधित करने के लिए स्टेम सेल तकनीक की क्षमता भी शामिल थी। उन्होंने प्रकाश व्यवस्था का भी परीक्षण किया। इस अध्ययन के लिए अंतरिक्ष स्टेशन के बाहरी हिस्से से नमूने लिए कि क्या सूक्ष्मजीव अंतरिक्ष में जीवित रह सकते हैं।भारतीय समयानुसार सुबह 3.27 बजे ऑर्बिट बर्न का प्रोसेस पूरा होने के बाद फ्लोरिडा के तट पर अंतरिक्ष परी के उतरते ही सुनीता विलियम्स के गुजरात के पैतृक गांव में जश्न शुरू हो गया। इतिहास रचकर धरती पर सकुशल वापस लौटीं सुनीता विलियम्स का स्वागत समुद्र में तैरते डॉल्फिन के झुंड ने किया। जब उनका कैप्सूल पानी में उतरा तो उनके आसपास बड़ी संख्या में डॉल्फिन थीं। इसके बाद उनको रिकवरी पोत से कैप्सूल से निकाला गया। उल्लेखनीय है कि सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर 1965 को अमेरिका के ओहायो के यूक्लिड में हुआ था। वे भारतीय मूल की हैं। उनके पिता दीपक पांड्या मूल रूप से गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव के रहने वाले थे, जो बाद में अमेरिका में न्यूरोएनाटॉमी के क्षेत्र में काम करने लगे। सुनीता ने माइकल विलियम्स से शादी की, लेकिन उनकी कोई संतान नहीं है।मिशन की सफलता पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में, नासा ने इस लंबे प्रवास के दौरान आई चुनौतियों और स्पेसएक्स के योगदान पर प्रकाश डाला और उनको धन्यवाद कहा। नासा अधिकारियों के अनुसार, ड्रैगन क्रू कैप्सूल की विश्वसनीयता और टीम के समर्पण ने इस मिशन को सफल बनाया। सुनीता विलियम्स ने सुरक्षित वापसी के बाद हाथ हिलाकर खुशी जाहिर की और मिशन के दौरान अपने अनुभव साझा किए। नासा ने यह भी बताया कि इस मिशन से मिले अनुभवों का उपयोग भविष्य में अंतरिक्ष यात्राओं को और सुरक्षित और प्रभावी बनाने में किया जाएगा।स्पेसएक्स का यह क्रू मिशन 15 मार्च को लॉन्च किया गया था, जिसमें कुछ तकनीकी चुनौतियों के कारण देरी हुई। हालांकि, 17 घंटे की यात्रा के बाद अंतरिक्ष यात्री सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौट आए। इस मिशन की सफलता के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क को विशेष रूप से जिम्मेदारी सौंपी थी। सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी से जुड़ी हर अपडेट के लिए जनसत्ता के लाइव ब्लॉग से जुड़े रहें।भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कहा, नासा के क्रू-9 की पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी से मैं प्रसन्न हूं। भारत की बेटी सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों वाले चालक दल ने अंतरिक्ष में मानव धीरज और दृढ़ता के इतिहास को फिर से लिखा है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बोले, यह गौरव और राहत का पल है। पूरा विश्व भारत की इस बेटी की सुरक्षित वापसी का जश्न मनाने के लिए एक साथ आया है, जो अंतरिक्ष में अनिश्चितताओं को सहन करने के साहस, दृढ़ विश्वास और स्थिरता के लिए इतिहास में दर्ज हो गई है।

सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर जब क्रू ड्रैगन कैप्सूल के जरिए पृथ्वी पर लौट रहे थे, तो बहुत लोगों को पूर्व भारतीय अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला की याद आ रही थी। यह बहुत ही स्वाभाविक बात है। दो दिन पहले ही कल्पना चावला का जन्मदिन था। सुनीता विलियम्स के चचेरे भाई दिनेश रावल ने मंगलवार सुबह गुजरात के अहमदाबाद में उनकी सुरक्षित धरती पर वापसी के लिए यज्ञ का आयोजन किया। सुनीता विलियम्स के धरती पर लौटने की खुशी में पूरे देश में उत्साह का माहौल है। हर कोई अपने तरीके से उनके सुरक्षित धरती पर उतरने की कामना कर रहा है। कई जगह मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर प्रार्थना की जा रही है। सुनीता के गांव वाले उनकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे थे और उन्होंने देवी डोला माता के स्थानीय मंदिर में अखंड ज्योति जलाई थी।

सुनीता विलियम्स...

नासा के किसी अंतरिक्ष यात्री के लिहाज से यह अंतरिक्ष में दूसरी सबसे ज्यादा अवधि है। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों में उनसे आगे सिर्फ पेगी व्हिटमोर हैं, जिन्होंने आईएसएस पर 675 दिन बिताए हैं। हालांकि, दुनियाभर के अंतरिक्ष यात्रियों की बात करें तो रूस के आगे नासा के एस्ट्रोनॉट कहीं नहीं ठहरते। इस मामले में रिकॉर्ड है रूसी कॉस्मोनॉट ओलेग कोनोनेंको के पास, जो कि पिछले साल जून में ही 33 महीने यानी 1000 दिन स्पेस में रहने का रिकॉर्ड कायम किया था। उन्होंने इसके साथ ही रूसी कॉस्मोनॉट और साथी गेनाडी पडालका का रिकॉर्ड तोड़ा था।सुनीता विलियम्स ने आईएसएस पर इस बार अपना सबसे लंबे समय तक रहने का रिकॉर्ड बनाया। एक बार में 286 दिन तक अंतरिक्ष में रहकर सुनीता नासा की रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं। दरअसल, अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों की बात करें तो एक दौरे में सबसे ज्यादा दिन तक आईएसएस पर रहने का रिकॉर्ड अब तक फ्रैंक रूबियो के पास है। वहीं, मार्क वांडे हेई अब तक 355 दिन आईएसएस पर बिताए हैं। इसके बाद स्कॉट केली, महिला अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टिना कॉश और पेगी व्हिट्सन का नंबर है। इस लिहाज से एक दौरे में आईएसएस पर सबसे ज्यादा दिन बिताने वाले अंतरिक्ष यात्रियों में सुनीता विलियम्स छठे नंबर पर काबिज हो गई हैं। हालांकि, इसके लिए उन्होंने इस बार अंतरिक्ष यात्री एंड्रयू मोर्गन का 272 दिन का रिकॉर्ड तोड़ दिया।59 वर्षीय सुनीता विलियम्स ने 62 घंटे 9 मिनट तक स्पेसवॉक किया, जो किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री की तरफ से किया गया सबसे लंबा समय है। उन्होंने ताजा मिशन में 16 और 30 जनवरी को दो महत्वपूर्ण स्पेसवॉक किए, जिनमें से एक 5 घंटे 26 मिनट और दूसरा 6 घंटे का था। इतना ही नहीं, उनके मिशन के दौरान उन्हें आईएसएस का कमांडर भी बनाया गया, जो किसी भी अंतरिक्ष यात्री के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। इतना ही नहीं सुनीता विलियम्स अब तक नौ बार स्पेसवॉक में हिस्सा ले चुकी हैं, जो कि पेगी व्हिट्सन के 10 स्पेसवॉक से कम है। हालांकि, अवधि में सुनीता का रिकॉर्ड पेगी से आगे है। नासा के अनुसार, सुनीता विलियम्स और उनकी टीम ने 150 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों पर 900 घंटे से अधिक शोध कार्य किया। इस दौरान उन्होंने आईएसएस पर बागवानी जैसे कार्यों में भी हिस्सा लिया।स्पेसवॉक का सीधा अर्थ है, आईएसएस के बाहर खुले अंतरिक्ष में बिताए गए घंटे। 2006 में अपने पहले मिशन में सुनीता विलियम्स ने 29 घंटे स्पेसवॉक की थी। इतना ही नहीं आईएसएस पर रहते हुए उन्होंने 42.2 किलोमीटर दौड़कर बॉस्टन मैराथन में भी वर्चुअल तौर पर हिस्सा लिया था। सुनीता ने इस मिशन में कुल 195 दिन आईएसएस पर बिताए थे। इसके अलावा 2012-13 में भी सुनीता विलियम्स ने 21 घंटे से ज्यादा स्पेसवॉक की थी। इस मिशन में वे 127 दिन तक अंतरिक्ष पर रही थीं। इस तरह दो मिशन में उन्होंने कुल 321 दिन अंतरिक्ष में बिताए।स्पेसवॉक का सीधा अर्थ है, आईएसएस के बाहर खुले अंतरिक्ष में बिताए गए घंटे। 2006 में अपने पहले मिशन में सुनीता विलियम्स ने 29 घंटे स्पेसवॉक की थी। इतना ही नहीं आईएसएस पर रहते हुए उन्होंने 42.2 किलोमीटर दौड़कर बॉस्टन मैराथन में भी वर्चुअल तौर पर हिस्सा लिया था। सुनीता ने इस मिशन में कुल 195 दिन आईएसएस पर बिताए थे। इसके अलावा 2012-13 में भी सुनीता विलियम्स ने 21 घंटे से ज्यादा स्पेसवॉक की थी। इस मिशन में वे 127 दिन तक अंतरिक्ष पर रही थीं। इस तरह दो मिशन में उन्होंने कुल 321 दिन अंतरिक्ष में बिताए।

भारत विरोधी...

ओपन सोसाइटी फाउंडेशन (ओएसएफ) और इसकी निवेश शाखा, सोरोस इकोनॉमिक डेवलपमेंट फंड (एसईडीएफ) से जुड़े बेंगलुरु में आठ स्थानों पर तलाशी ली। यह छापेमारी विदेशी मुद्रा उल्लंघन की जांच के तहत की गई। ओएसएफ और एसईडीएफ के कुछ लाभार्थियों के परिसरों, जिनमें कुछ अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार निकायों से जुड़े लोग भी शामिल हैं। एस्पाडा इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड नामक एक कंपनी की विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत तलाशी ली गई। एस्पाडा इन्वेस्टमेंट भारत में एसईडीएफ का निवेश सलाहकार या फंड मैनेजर है। भारत में फंडिंग को चैनलाइज करने के लिए ओएसएफ ने मॉरीशस में एस्पाडा इन्वेस्टमेंट कंपनी की स्थापना की थी। भारत में एसईडीएफ के निवेश का प्रबंधन/सलाह देने के लिए 4 फरवरी, 2013 को बेंगलुरु में एस्पाडा इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड (एआईएपीएल) की स्थापना की गई थी। यह पता चला है कि एसईडीएफ ने भारत में 12 से अधिक कंपनियों को 300 करोड़ रुपए का वित्त पोषण किया।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि 30 मई 2016 को केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा ओएसएफ को पूर्व संदर्भ श्रेणी (पीआरसी) के तहत रखा गया था। तब से, ओएसएफ को भारत में एफसीआरए पंजीकृत संगठनों को धन भेजने के लिए गृह मंत्रालय की पूर्व मंजूरी आवश्यक थी। भारत सरकार के प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए, ओएसएफ ने भारत में सहायक कंपनियां बनाईं और एफडीआई और परामर्श शुल्क के रूप में धन लाया, और इन निधियों का उपयोग एनजीओ की निधि देने के लिए किया गया। ईडी ने इसे स्पष्ट तौर पर फेमा का उल्लंघन बताया है।ईडी एफडीआई फंड के उपयोग की भी जांच कर रहा है। एसईडीएफ को तीन भारतीय कंपनियों को एफडीआई या परामर्श/सेवा शुल्क की आड़ में एनजीओ क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के लिए धन मुहैया कराने का दोषी पाया गया, जिन्हें कुल मिलाकर 2020-21 से 2023-24 तक लगभग 25 करोड़ रुपए मिले। ओएसएफ के अनुसार, यह मानवाधिकार, न्याय और जवाबदेह सरकार का समर्थन करने वाले समूहों की दुनिया की सबसे बड़ी निजी फंडिंग एजेंसियों में से एक है, जिसका 2020 में वार्षिक बजट एक बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है। ओपन सोसाइटी का सोरोस इकोनॉमिक डेवलपमेंट फंड भी भारत में एक सक्रिय सामाजिक प्रभाव निवेशक है। इसके लक्ष्यों में छोटे किसानों और छोटे व्यवसायों को उनकी आय बढ़ाने में मदद करना और स्वास्थ्य सेवा, स्कूली शिक्षा और वित्तीय सेवाओं को व्यापक लोगों के लिए अधिक उपलब्ध और सस्ता बनाना शामिल है, लेकिन इसके पीछे एजेंडा कुछ और है। 2008 से, ओपन सोसाइटी ने बेंगलुरु स्थित एस्पाडा इन्वेस्टमेंट्स द्वारा प्रबंधित स्टार्ट-अप और शुरुआती फंडिंग परियोजनाओं में 90 मिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। भारत सरकार ने सोरोस पर भारत के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया है। पिछले साल दिसंबर में, लोकसभा में यह मामला उठा कि सोरोस, समाचार पोर्टल ओसीसीआरपी (संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग परियोजना) और कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी के साथ मिल कर भारत की सफलता की कहानी को पटरी से उतारने और सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है।

ईडी द्वारा मारे गए छापे विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के संबंध में कर्नाटक के कई हिस्सों के साथ-साथ बेंगलुरु में सोरोस की तथाकथित उदारता के लाभार्थियों पर मारे जा रहे हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल, ग्रीन पीस और ह्यूमन राइट्स वॉच के छह से अधिक कर्मचारी उन लोगों में शामिल हैं जिनसे उनके खातों में धन की एक किस्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है। भारत में सोरोस समर्थित ओएसएफ पर छापेमारी के दौरान राजेश भट्टाचार्य और दिव्या रघुनाथन सहित कम से कम चार कर्मचारियों से ईडी अधिकारियों द्वारा पूछताछ की जा रही है।ओएसएफ ने भारत और विदेश में एमनेस्टी और एचआरडब्ल्यू दोनों को पिछले पांच वर्षों में अकेले भारत में 200 मिलियन डॉलर (1,500 करोड़ रुपए) से अधिक का उदार दान दिया है। कुछ अधिकारियों का अनुमान है कि भारत में सोरोस ने एक दशक के दौरान करीब 18 बिलियन डॉलर दान दिया जिसमें वॉचडॉग, समाचार पोर्टल, शोध परियोजनाएं, सेमिनार, सम्मेलन थिंक टैंक और यहां तक कि सेवानिवृत्त और वर्तमान सिविल सेवकों की संतानें तक इसकी लाभान्वित रहीं। बेंगलुरु में एक अधिकारी ने कहा, 2016 और 2023 के बीच, ईडी ने एमनेस्टी इंटरनेशनल के कई खाते जब्त किए हैं। ये छापे ओएसएफ के और अधिक फंडिंग पैटर्न का पता लगाने के लिए नए हैं, जिनका इस्तेमाल भारत में गैरकानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन या शांतिपूर्ण कार्यों को बाधित करने के लिए किया जा रहा था। अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस और उसके संगठन ओएसएफ पर भारत के हितों के खिलाफ काम करने का गंभीर आरोप है। अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में भी जॉर्ज सोरोस की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं।

धर्मांतरण ...

धर्मांतरण को लेकर विधानसभा में अजय चंद्राकर, राजेश मूणत, नीलकंठ टेकाम, सुशांत शुक्ला और रायमुनी भगत ने अपनी चिंता जाहिर की। वहीं रायमुनी भगत ने बताया कि उनके क्षेत्र में 80 साल की एक वृद्ध महिला अब भी इस इंतजार में हैं कि उनके बेटे का अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार हो, लेकिन गांव में ईसाई बाहुल्य होने के कारण अंतिम संस्कार ईसाई परंपरा से कर दिया गया। विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि बस्तर में हर रविवार को 70 प्रतिशत लोग प्रार्थना सभा के नाम से बाहर निकलते हैं, जिससे धर्मांतरण का खतरा बना हुआ है। वहीं राजेश मूणत ने सवाल किया कि बिना पुलिस को सूचना दिए चंगाई सभाएं कैसे हो रही हैं और क्या थानों में इसकी अलग से जांच की कोई व्यवस्था है?

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने धर्मांतरण के मुद्दे पर कहा कि जशपुर जिले में सबसे ज्यादा धर्मांतरण के मामले सामने आए हैं। मिशनरियों से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों को करोड़ों का अनुदान दिया जाता है, लेकिन उसकी ऑडिट नहीं कराई जाती। राज्य में धर्मांतरण और धर्म परिवर्तन के मामले बढ़ रहे हैं। गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि चंगाई सभा की आड़ में धर्मांतरण कराए जाने के शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। अब तक चार मामले सामने आए हैं, जिस पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा तुरंत वैधानिक कार्रवाई की गई है।गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि जो संस्थाएं विदेशों से सहायता लेती हैं, वह एफसीआरओ से पंजीकृत होती हैं। राज्य में ऐसी 153 संस्थाएं हैं। विदेशी फंडिंग की जांच और कार्रवाई का अधिकार केंद्र के पास है। लिहाजा, इस मामले में जांच के बाद केंद्र सरकार ने विदेशी फंडिंग पाने वाली सैकड़ों संस्थाओं को खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। संस्थाओं की गतिविधियों पर भी निगाह रखी जा रही है। प्रदेश के गृह मंत्री ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक में जल्द ही नए प्रावधान शामिल किए जाएंगे।

भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि जोशुआ प्रोजेक्ट चलाकर बिलासपुर में धर्म परिवर्तन कराया जाता है। पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। वेबसाइट पर खुलेआम धर्मांतरण चल रहा है। यदि इसकी जानकारी स्थानीय प्रशासन को नहीं है तो इसका मतलब है कि सूचना तंत्र फेल है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि ऐसी संस्थाएं जिन्हें विदेशी फंडिंग होती है, उस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय की सीधी नजर है।केशकाल के विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि बस्तर के 70 फीसदी गांवों में धर्मांतरण का खेल चल रहा है। इसमें सीधे तरीके से विदेशी फंडिंग का इस्तेमाल हो रहा है। यदि स्थिति ऐसी ही रहेगी तो आने वाले दिनों में हम आदिवासी राज्य नहीं रह जाएंगे। अब तक जो क़ानून है, उसकी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इस पर रोक के लिए कड़े कानून की ज़रूरत है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि बस्तर में ऐसी 18 संस्थाएं हैं जिन्हें विदेशी फंडिंग मिलती है। भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कहा कि पंद्रह दिनों के भीतर राजधानी में ही धर्म परिवर्तन के दो प्रकरण सामने आए हैं। जिस तरह से हिंदू समाज कोई आयोजन करता है तो उसकी अनुमति लेता है। लेकिन धर्मांतरण कराने वाले ऐसे आयोजनों की सरकार से मंजूरी नहीं लेते।

उत्तराखंड में ...

और इन मदरसों के फंडिंग सोर्स क्या हैं? इसकी जांच चल रही है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड की धामी सरकार को खुफिया रिपोर्ट्स से इनपुट मिले हैं कि उत्तर प्रदेश में मदरसों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के बाद कई मदरसों संचालकों ने उत्तराखंड का रुख किया है। इन रिपोर्ट्स के आधार पर राज्य सरकार ने अवैध मदरसों के खिलाफ अभियान को तेज कर दिया है।

बसें रोक कर...

उनकी बाइक पर भिंडरावाले का झंडा लगा हुआ था, जिसे उतारने को लेकर एक स्थानीय व्यक्ति सुभाष ठाकुर से मारपीट की गई। युवकों ने झंडा उतारने से मना कर दिया और सुभाष ठाकुर को जान से मारने की धमकी दी। कई ऐसे वीडियो सामने आए हैं जिसमें सिख युवक भिंडरावाले का झंडा उतारने की सलाह देने वाले से उलझ रहे हैं। कई इसी तरह के वीडियो वायरल हो रहे हैं, इनमें सिख युवक झंडे को लेकर लड़ाई करते हुए दिख रहे हैं। वे तलवारों से भी हमला कर रहे हैं। एक और वीडियो वायरल हो रही है, इसमें कुछ सिख युवक एक बैरियर तोड़ते हुए दिखाई पड़ते हैं। भिंडरावाले का झंडा लगाने के मामले में हिमाचल पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया है।हिमाचल प्रदेश में भिंडरावाले का झंडा हटाने के बाद अब पंजाब में हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बसों को रोका जा रहा है। बाहर से आने वाली निजी बसों को भी निशाना बनाया जा रहा है और इन पर भिंडरावाले के पोस्टर जबरदस्ती चिपकाए जा रहे हैं। विडंबना यह है कि अकाल तख़्त के एक जत्थेदार ने भी हिमाचल प्रदेश में भिंडरावाले का झंडा हटाए जाने की निंदा की है और कहा है कि वह कौमी शहीद हैं। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने भी भिंडरावाले के फोटो लगाकर चलने वालों की आलोचना की है। उन्होंने हिमाचल की कांग्रेस सरकार और पंजाब की आपा सरकार पर भी निशाना साधा कि वह इन लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही हैं?

केरल के...

परंपरा बंद करवाना चाहते हैं। गज सेवा समिति ने आरोप लगाया कि यह एक्टिविस्ट विदेशी फंड के सहारे काम करते हैं और यह हिंदुओं की परंपराओं को रोक रहे हैं। गज सेवा समिति ने कहा कि हाथियों को केरल के भीतर पवित्र माना जाता है और उन्हें शक्ति के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। गज सेवा समिति ने आरोप लगाया कि कथित पशु अधिकार वाले पूरी तरह से मंदिरों में उनका इस्तेमाल रोकना चाहते हैं। केरल हाईकोर्ट ने मंदिर के उत्सवों में हाथियों के उपयोग पर रोक लगा दी थी। केरल हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2024 में रोक दिया था। इसके बाद भी जनवरी 2025 में केरल हाईकोर्ट ने नया ऐसा ही आदेश दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाते हुए केरल हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 20 मार्च, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस द्वारा अन्तर कार्यालय कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक व बीमा), हैदराबाद के सदस्य कार्यालयों के कर्मियों हेतु अंतर कार्यालय कविता पाठ प्रतियोगिता'' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ ओरिएण्टल इंश्योरेंस की उप महाप्रबंधक श्रीमती के सावित्री ने दीप प्रज्वलित कर किया। के सावित्री ने सभी प्रतिभागियो को शुभकामनाएं दी तथा राजभाषा कार्यान्वयन हेतु योगदान देने की अपील की । इस अवसर पर श्री एस वी कृष्णा राव क्षेत्रीय प्रबंधक (राजभाषा) ने कहा कि हिन्दी का सम्मान,राष्ट्र का सम्मान हैं। उन्होने हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया।

इस कार्यक्रम मे नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक व बीमा), हैदराबाद के सदस्य सचिव एवं सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) अजय कुमार तिवारी भारतीय स्टेट बैंक से मुख्य अतिथि के रुपमे उप-स्थित रहे।इस प्रतियोगिता का संचालन पी रमेश,उप प्रबंधक तथा सुनील कुमार, राजभाषा अधिकारी ने संयुक्त रूप से किया। पी रमेश ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन से हिन्दी के प्रचार-प्रसार को गति मिलती है और हिन्दी के प्रति कर्मियों का लगाव बढ़ता है। सुनील कुमार ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष श्री राजेश मुख्य महाप्रबंधक और सचिव अजय कुमार तिवारी सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) भारतीय स्टेट बैंक को इस प्रतियोगिता के आयोजन का उतरदायित्व ओरिएण्टल इंश्योरेंस को प्रदान करने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

प्रतियोगिता के मूल्यांकन हेतु श्री प्रदीप कुमार-चांगभाल, प्रबंधक (सेवानिवृत) ओरिएण्टल इंश्योरेंस एवं श्री संतोष कुमार, सहा निदेशक हिन्दी शिक्षण योजना, हैदराबाद की सेवाएं ली गयी। प्रतियोगिता में पर्यवेक्षक के रूप में श्रीमती आर माधवी, उच्च श्रेणी सहायक (राजभाषा) भारतीय जीवन बीमा निगम से उपस्थित रही। सभी प्रतिभागियो ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए ओरिएण्टल इंश्योरेंस के राजभाषा विभाग की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की। प्रतियोगिता में कुल 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को स्व. केदानमल गुप्ता चिंडालिया की पुण्यतिथि के अवसर पर चिंडालिया परिवार (राज प्लास्टिक्स) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

श्री श्याम मित्र मंडल सूरजगढ़ निशांत अत्तापुर के तत्वावधान में गत दिनों निकाली गई भव्य श्री श्याम निशान यात्रा के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी श्याम सेवकों का सम्मान किया गया। इस श्रृंखला में बुधवार को मंडल के सरक्षक पवन नालपुरिया, अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, महामंत्री अशोक शर्मा एवं परामर्शदाता सोहनलाल नेहरा के नेतृत्व में हरिकिशन अग्रवाल, लालचंद अग्रवाल एवं कवि पुरुषोत्तम कड़ेल का सम्मान किया गया है।

नराकास (उपक्रम) द्वारा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को सशक्त करने और राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद में एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में मूल राज्य, प्रिय राज्य, मूल कार्यालय, प्रिय कार्यालय एवं तेलंगाना राज्य से संबंधित प्रश्न पूछे गए, जिससे प्रतिभागियों को विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक विशेषताओं को जानने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भारत सरकार टकसाल के मुख्य महाप्रबंधक सुनील तिवारी, संयुक्त महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) जी. श्रीनिवास की विशेष गरिमामयी उपस्थिति थी। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजनों से 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को और अधिक बल मिलता है। समिति के सदस्य-सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने भारत सरकार टकसाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रतियोगिता की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संजीव कुमार, लेखा अधिकारी, बीएसएनएल आदर्शनगर ने, द्वितीय स्थान दुर्गेश चंद्रकांत देशमुख, सहायक प्रबंधक (विपणन), भारत सरकार टकसाल ने तथा तृतीय स्थान शुभम बलोदी, कार्यकारी अधिकारी, ईसीजीसी ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में राजेंद्र कुमार वी., वरिष्ठ प्रबंधक, एएआई; विनोद रेड्डी, सहायक प्रबंधक, आरईसी लिमिटेड; अमन कुमार अवधिया, प्रशिक्षु अधिकारी, हडको; हर्षवर्धन पडोले, वरिष्ठ प्रबंधक, एचएएल; अंबाती सूर्य किरण, सहायक अधिकारी, आरईसी पीएमटी; उपेंद्र कुमार पटेल, उप महाप्रबंधक, रेलटेल; रमेश प्रसाद मिश्र, राजभाषा अधिकारी, पॉवरग्रिड; ए. संदीप, वरिष्ठ प्रबंधक, बीएचईएल, आर एंड डी; वी. उषा रानी, अपर अधिकारी, कॉनकॉर; आशिष किरोड़ीवाल, उप प्रबंधक (विपणन), एनएफएल; आकाश दास, सहायक अभियंता, सीडब्ल्यूसी; एस. ज्योतिषा, प्रबंधक (सिविल), राइट्स; अभय अवस्थी, उप मंडल अभियंता, बीएसएनएल ने प्रतिभागिता की।

प्रतियोगिता संचालन का तकनीकी संयोजन अजहर सुल्तान तथा डॉ. सीएच. अम्बेडकर समन्वय कार्यालय ईसीआईएल ने किया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशाल वी. प्रभु, उप प्रबंधक (राजभाषा) तथा भीष्म नारायण शर्मा एवं उनकी टीम ने विशेष योगदान दिया। इस अवसर पर नराकास (उपक्रम) कोर समिति सदस्य एम. नरेन्द्रनाथ ने सहयोग किया। प्रतियोगिता के अंत में मुख्य महाप्रबंधक सुनील तिवारी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ न केवल राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में सहायक हैं, बल्कि भारत की विविधता में एकता की भावना को भी मजबूत करती हैं। इस आयोजन ने उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

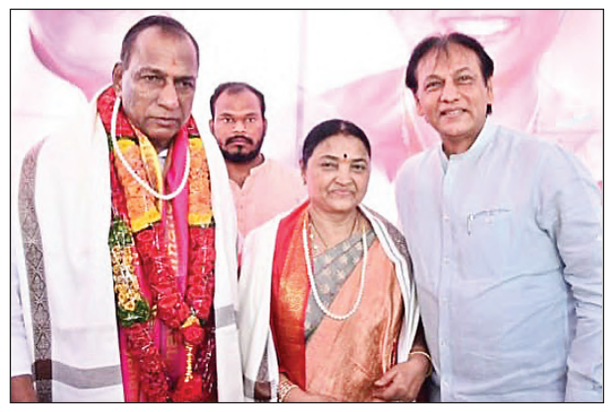

विधायक सीएच मल्ला रेड्डी एवं उनकी पत्नी श्रीमती कल्पना रेड्डी को उनके वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई देते हुए समाज सेवी विनोद संचेती।

कुमावत समाज जागृति सेवा समिति, निमाज, ब्यावर (राजस्थान) द्वारा चौदहवाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन आगामी 8 मई 2025 का निमंत्रण आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत को देते हुए समिति के अध्यक्ष शिवराम ऐकलिया, शंकरलाल भड़लीवाल, नारायणलाल घोड़ावड़ एवं अन्य ।

देवीबाग में राम कथा का शुभारंभ

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बहादुरपुरा देवीबाग स्थित देवी फंक्शन हाल में श्रीमद् भागवत सेवा समिति भाग्यनगर के नेतृत्व में बुधवार, दि. 19 से 27 मार्च तक 9 दिवसीय श्री राम कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।जिसके चलते बुधवार को कलश यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा बैंड बाजे सहित श्री तुलसी कृत रामायण जी को अपने सिर पर रखकर यात्रा को प्रारंभ किया गया।

यात्रा मुरली नगर स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर से प्रारंभ होकर देवीबाग स्थित देवी फंक्शन हाल तक निकाली गई। इउक्त कलश यात्रा में 300 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

राम कथा व्यास श्री अशोकाचार्य महाराज जी द्वारा किए जाने वाली उक्त राम कथा प्रति दिन मध्यान्ह 1.00 से सायंकाल 6.00 बजे तक देवी बाग स्थित फंक्शन हाल में जारी रहेगी।

जिसमें कथा श्रवण करने हेतु सभी भक्तगण पधारने के लिए सभी समिति के सदस्यों ने आग्रह किया। बुधवार के आयोजन में श्रीमद् भागवत सेवा समिति भाग्यनगर के सभी सदस्य एवं अनेक ब्राह्मणों परिवारों ने भाग लिया तथा उनके साथ अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सिडबी और एफटीसीसीआई द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य में एमएसएमई के वित्तपोषण और क्षमता निर्माण के लिए साथ मिलकर कार्य करने के एक प्रयास के रूप में, सिडबी ने फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

वी. चंद्रमौली, महाप्रबंधक, सिडबी, हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय और श्री सुरेश कुमार सिंघल, अध्यक्ष, एफटीसीसीआई ने हैदराबाद में 18/03/2025 को इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य सिडबी के उत्पादों और योजनाओं के माध्यम से एफटीसीसीआई के साथ पंजीकृत एमएसएमई इकाइयों को सशक्त बनाना है। दोनों संस्थाओं ने एमएसएमई के वित्तपोषण के लिए साथ मिलकर कार्य करने पर ज़ोर दिया। इस अवसर पर सिडबी और एफटीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

11वीं पुण्यतिथि
स्व. श्री हरिनारायणजी तिवारी
सुपुत्र : स्व. श्री बिलेश्वरप्रसाद तिवारी
स्वर्गवास : 20 मार्च 2014
स्नेह आपका था हम पर, करते है नमन आपको।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको ।।
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता
विनय, सुनील, राकेश (पुत्र) एवं तिवारी परिवार
सुनीता-प्रकाश शुक्ला (पुत्री-दामाद)
श्री पंडित प्लाईवुड
रानीगंज, सिकन्दराबाद.
फोन : 9246341610
प्रीति हार्डवेयर
आर.पी. रोड, सिकन्दराबाद.
फोन : 9848084359
जगदीश प्लाईवुड
गोशामहल, हैदराबाद.

बत्तीसवीं पुण्यतिथि पर
हार्दिक श्रद्धांजलि
सत्ता का सदुपयोग- सर्वश्रेष्ठ समाजसेवक
स्व. श्री लखन सिंहजी हज़ारी
मीठी-मधुर स्मृतियाँ आपकी, कभी नहीं मिट पाएँगी।
आपका व्यवहार आपकी बातें, सदैव हमें याद आएँगी ।।
अशोक सिंह हज़ारी, रंजीत सिंह हज़ारी
एवं समस्त दुर्गा हज़ारी परिवारजन
दुर्गा हज़ारी भवन
शिवलाल नगर, हैदराबाद. फोन : 9391069998

दमरे ने क्षमता निर्माण पहल के तहत

साइबर अपराधियों को मात देने पर व्याख्यान आयोजित किया

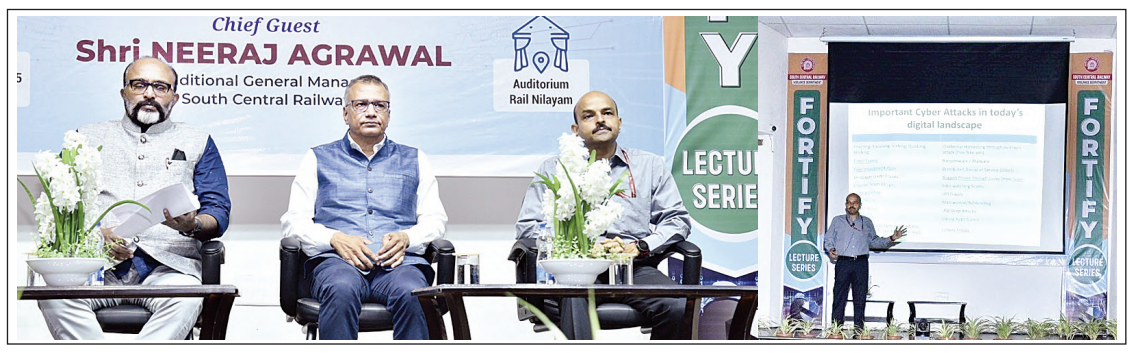

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे की सतर्कता शाखा ने बुधवार दि. 19 मार्च 2025 को रेल निलयम ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में ..साइबर ब्लैक बेल्ट बनना: साइबर अपराधियों को मात देने के लिए सरल साइबर स्वच्छता कदम.. पर व्याख्यान आयोजित किया। सतर्कता शाखा द्वारा क्षमता निर्माण पहल के तहत फोर्टिफाई लेक्चर सीरीज के तहत यह दूसरा व्याख्यान है। श्री अनीश प्रसाद, आईपीएस जो वर्तमान में रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, सतर्कता के पद पर हैं, मुख्य वक्ता थे और उन्होंने साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क और बरती जाने वाली सावधानियों पर व्याख्यान दिया। श्री नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर; श्री जे. विनयन, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, एससीआर अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी इसमें शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए, अपर महाप्रबंधक श्री नीरज अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में धोखेबाजों से हमारे डेटा की सुरक्षा करना बहुत जरूरी है और आग्रह किया कि किसी भी तरह के दुरुपयोग से बचने के लिए पासवर्ड सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह सत्र प्रतिभागियों के ज्ञान को समृद्ध करने और दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए साइबर लचीलेपन की उनकी समझ को बढ़ाने में अत्यधिक लाभकारी होगा। श्री जे. विनयन, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक ने अपने भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि रेलवे टिकटिंग जैसे बड़े पैमाने पर सार्वजनिक उपभोग वाले क्षेत्रों सहित सभी क्षेत्रों में इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर सुरक्षा और स्वच्छता समय की जरूरत है। श्री अनीश प्रसाद, कार्यकारी निदेशक (पुलिस) के पास आईआईटी बीएचयू से बी.टेक, पुलिस प्रबंधन में परास्नातक, साइबर कानून में डिप्लोमा और यूनाइटेड किंगडम की रक्षा अकादमी से शेवनिंग साइबर सुरक्षा फेलोशिप की शैक्षणिक पृष्ठभूमि है। सीबीआई में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने नेटवर्क सुरक्षा, आईसीटी रखरखाव, ई-गवर्नेंस परियोजना के पर्यवेक्षित कार्यान्वयन आदि के लिए एसओपी बनाए हैं। व्याख्यान के हिस्से के रूप में, श्री अनीश प्रसाद ने साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता के रखरखाव के विभिन्न विषयों को कवर किया। प्रतिभागियों को खच्चर खातों के संचालन, डिजिटल गिरफ्तारी और साइबर हमलों से सुरक्षा, क्रिप्टोकरेंसी और अपराध, डार्कनेट और डीप वेब और साइबर कानून के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने व्यक्तिगत जीवन में साइबर स्वच्छता, साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा, कार्यस्थल पर डेटा सुरक्षा आदि के संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन भी किया। एससीआर सतर्कता विभाग अपनी बहुमुखी भूमिका में अपने संचालन की अखंडता की रक्षा, संवेदनशील डेटा की सुरक्षा और जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता को प्राथमिकता दे रहा है। आज के व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाना है।

दमरे महाप्रबंधक ने गुंटकल डिवीजन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने गुरुवार,दि. 19 मार्च, 2025 को गुंटकल डिवीजन के यादगीर-गुंटकल सेक्शन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ गुंटकल डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर श्री चंद्र शेखर गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

महाप्रबंधक ने यादगीर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण शुरू किया। उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और स्टेशन मास्टर के कार्यालय, बुकिंग कार्यालय, सर्कुलेटिंग एरिया और फुट ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन के तहत यादगीर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों की भी समीक्षा की। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी महाप्रबंधक से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपे। इसके अलावा, श्री अरुण कुमार जैन ने कृष्णा रेलवे स्टेशन की यात्री सुविधाओं और सुविधाओं का निरीक्षण किया।

बाद में, महाप्रबंधक ने लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 221 का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा पहलुओं, सतर्कता और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता पर उनके ज्ञान की सराहना की और गेटमैन की सराहना की।श्री अरुण कुमार जैन ने रायचूर रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं, सर्कुलेटिंग एरिया आदि की समीक्षा की। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रायचूर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों और विस्तार योजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को लक्ष्य तिथियों के भीतर कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्रू बुकिंग लॉबी, रनिंग रूम का निरीक्षण किया और खाद्य पदार्थों की स्वच्छता की जांच की। महाप्रबंधक ने रनिंग रूम में ठहरने के दौरान लोको पायलटों और गार्डों से उन्हें प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में बातचीत की। उन्होंने हरित पहल की ओर पौधे लगाए। महाप्रबंधक ने रायचूर-मंत्रालयम स्टेशनों के बीच तुंगभद्रा नदी पर प्रमुख पुल संख्या 1017 का निरीक्षण किया। बाद में, उन्होंने मंत्रालयम रोड स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं, सर्कुलेटिंग एरिया, फुट ओवर ब्रिज आदि की समीक्षा की उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की। स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने भी महाप्रबंधक से मुलाकात की और अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने अडोनी से गुंतकल सेक्शन तक ट्रैक सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा के लिए रियर विंडो निरीक्षण किया।

आईआईटी में हिन्दी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(आईआईटी) हैदराबाद में दि. 18 मार्च, 2025 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला में डॉ. रवि चंद्रा राव, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यशाला का संचालन हिन्दी प्रकोष्ठ के नवीन श्रीवास्तव द्वारा किया गया । कार्यशाला का विषय कार्यालयीन पत्राचार/पत्र लेखन रखा गया । कार्यशाला में संस्थान के 25 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।

कार्यशाला में अतिथि वक्ता द्वारा सभी प्रकार के कार्यालयीन पत्राचार के प्रकारों से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया और सरल ढंग से हिंदी में कार्य करने हेतु प्रतिभागियों को प्रेरित भी किया गया । कार्यशाला में प्रतिभागियों द्वारा अपने विचार रखते हुए इस कार्यशाला को कार्यालयीन कार्यों में अत्यंत लाभकारी बताया गया । कार्यशाला के समापन सत्र के अवसर पर संस्थान के कुलसचिव श्री वेंकट राव जी एवं डीन(प्रशासन) प्रो. प्रेम पाल जी द्वारा भी प्रतिभागियों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया । हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन तथा अतिथि वक्ता के साथ सामूहिक चित्र के साथ इस कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ ।

समर स्प्रिंग फैशन स्पेशल हाईलाइफ प्रदर्शनी कल से

हैदराबाद,19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। फैशन तथा लाइफस्टाइल एक्जीबिशन हाईलाइफ का आयोजन 21 से 23 मार्च तक एचआईसीसी नोवोटेल में किया जाएगा। स्प्रिंग एंड समर फैशन स्पेशल तीन दिवसीय हाईलाइफ प्रदर्शनी में लक्जरी फैशन तथा लाइफस्टाइल से जुड़े वैभवपूर्ण व विशिष्ट उत्पादों को प्रस्तुत किया जाएगा। एचआईसीसी नोवोटेल में 21 मार्च से आयोजित होने वाली स्प्रिंग एंड समर फैशन स्पेशल हाईलाइफ एक्जीबिशन में देशभर से डिजाइनर भाग लेकर विविध प्रकार के फैशन तथा जीवनशैली पर आधारित उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे। इनमें फैशन वियर, ब्राइडल

वियर, लाइफस्टाइल वियर, डिजाइनर तथा फ्यूजन वियर, एसेसरीज, ज्वेलरी, होम डेकोर तथा आने वाले त्योहारों व मौसम अनुकूल उत्पादों सहित अन्य विविध प्रकार की आकर्षक वस्तुओं का वृहद संग्रह शामिल होगा।

श्री जवरीलाल जी किरण देवी लौड़ा सिकंदराबाद निवासी वर्षी तप के उपलक्ष में शांति नाथ भगवान , हस्तिनापुर, कंपीलाजी, अयोध्या, रतनपुरी,प्रयागराज,कौशांबी,के दर्शन प्राप्त कर, सुख साथा पूर्वक पधारे,सह परिवार मिलकर श्री प्रकाश जी प्रीति लोढ़ा,एवं प्रकाश जी आरती मुन्नौत,का स्वागत किया।

के.बी.आर. पार्क में भगवान गणेश जी की पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, विजय पुष्पलता, दिनेश पंचोली, विजय कुमार अग्रवाल, रूपा रानी, डॉ. राधा कृष्णा, सुरेंद्र अग्रवाल, भोज रेड्डी, विट्ठल दास अग्रवाल, मनसा राम अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, विजय तुंबी, शंकर लाल अग्रवाल, राहुल सिंघल, कैलाश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल ने मोहसिन कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, अमीरपेट, हैदराबाद की पहली मंजिल के बाएं विंग में स्थित कार्यालय, जिसका क्षेत्रफल लगभग 2000 वर्ग फुट है, जिसका म.नं. 6-3-802/20 है, को इसके कानूनी मालिक श्री सी. राधा कृष्ण सुपुत्र स्व. श्री सत्यनारायण मूर्ति से सभी अधिकारों, हक और हित के साथ खरीदना चाहते हैं और भूमि, मार्ग, सीढ़ी के साथ-साथ पार्किंग स्थल आदि पर समान अधिकार का आनुपातिक हिस्सा प्राप्त करना चाहते हैं। यदि किसी व्यक्ति (व्यक्तियों) को उपरोक्त संपत्तियों के संबंध में कोई अधिकार, हित या दावा हो, तो वह इस तिथि से **7 दिनों** के भीतर सम्बद्ध दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी से सम्पर्क करें, अन्यथा बिक्रीनामा कर लिया जाएगा और उसके पश्चात यदि कोई आपत्तियां प्राप्त होती हैं तो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा और उन्हें स्वेच्छा से छोड़ दिया गया माना जाएगा।

हस्ता/- **अक्षत संघी और प्रणीता संघी**
एडवोकेट्स,
फ्लैट नंबर 302, वंश टावर्स,
तीसरी मंजिल, महेश नगर कॉलोनी,
चिराग अली लेन, हैदराबाद - 500 001
सेल नंबर: 09963 102934

घुसपैठ मामले में एनआईए का जम्मू में 12 जगहों पर छापा

जम्मू, 19 मार्च (एजेंसियां)। सीमा पार से घुसपैठ के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू में 12 जगहों पर छापेमारी की है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि खुफिया इनपुट के आधार पर सुबह से ही पुलिस और सुरक्षाबलों के साथ मिलकर छापेमारी की जा रही है। ओवरग्राउंड वर्कर और हाइब्रिड आतंकवादियों के ठिकानों पर छापा मारा है।

समर्थकों और कार्यकर्ताओं के परिसरों पर तलाशी ली जा रही है।एनआईए ने गृह मंत्रालय के निर्देश पर 24 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के जरिए भारतीय क्षेत्र में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े सक्रिय आतंकवादियों की घुसपैठ के संबंध में सूचना के आधार पर मामला दर्ज किया था।

तेलुगु राज्यों में हिंदी अध्यापक, प्राध्यापक, प्रोफेसरों की नियुक्ति के लिए केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अहिंदी भाषा प्रांतों तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश राज्यों में हिंदी भाषाभिवृद्धि के लिए कार्यवाही करने के लिए हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली एवं प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय गृह मंत्रालय दिल्ली कार्यालय में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से प्रत्यक्ष मिलकर विनती की।

इस संदर्भ में एस. गैबुवली ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से बताए कि तेलुगु राज्यों तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश में अगर हिंदी भाषाभिवृद्धि करना चाहे तो विद्यालय स्तर से ही हिंदी भाषा को अपनाना चाहिए। इसके लिए हिंदी अध्यापकों की नियुक्ति अत्यावश्यक है। तेलुगु राज्यों में कस्तुरबा गाँधी बालिका विद्यालय, मॉडल स्कूल में अबतक एक भी पी.जी.टी. हिंदी अध्यापक का नियुक्ति नहीं हुआ है। उसी तरह वेल्फेयर स्कूलों में भी पी.जी.टी. हिंदी पोस्ट बहुत कम हैं। उतना ही नहीं जूनियर कॉलेजों में, डिग्री कॉलेजों में, पी.जी. कॉलेजों में हिंदी प्राध्यापकों, विश्वविद्यालयों में हिंदी प्रोफेसरों का नियुक्ति करना आवश्यक है। जब ही विद्यालय स्तर से कॉलेज स्तर तक हिंदी भाषा छात्र सुचारू रूप से सीख सकते हैं।

जिससे हिंदी भाषाभिवृद्धि अनायास ही होगी।

दक्षिण भारत में केंद्र गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग से हिंदी भाषा संबंधी किसी प्रकार का कार्यक्रम को हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद सौंप दिये तो सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद तत्पर रहने का आश्वासन एस. गैबुवली ने मंत्री को दिए। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के स्थापना दिवस का 90 वाँ वार्षिकोत्सव समारोह मई 2025 में हैदराबाद में आयोजित किया जाने वाले कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मंत्री को प्रतिनिधि मंडल ने निवेदन किए। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रतिनिधि मंडल से बात करते हुए कहा कि 90 साल से हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार के साथ अनेक हिंदी भाषाभिवृद्धि के कार्यक्रम किये जा रहे हैं। उतना ही नहीं लाखों छात्रों को हिंदी सिखाना, हजारों छात्रों को सरकारी एवं गैर सरकारी हिंदी अध्यापक एवं प्राध्यापक बनाकर रोजगार दिया जा रहा है। मंत्री नित्यानंद राय ने हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के कार्यों को बधाई, शुभकामनाएँ देते हुए अभिनंदन किए। भविष्य में हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद की सेवाओं को केंद्र सरकार के राजभाषा कार्यक्रमों में कार्य करने का अवसर प्रदान करेंगे ऐसा उन्होंने कहा। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के कार्यक्रमों संबंधी संपूर्ण जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को देंगे ऐसा भी कहा। इस कार्यक्रम में हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव, संयोजक श्रुतिकांत भारती, कानूनी सलहाकार प्रमुख वकील जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी आदि ने भाग लिया।

LOST DOCUMENT - PUBLIC NOTICE

The general public is hereby informed that our client on 13-03-2025 has lost a bag containing original sale deeds as per the following list near Masab Tank flyover bridge, Hyderabad.

S.No.	Lease deed no	Survey No	Extent	Village	SRO
1	2391/2012	1051,1050/2	4.00	UMARIKOTTAI	Ottapidaram
2	426/2017	35/8, 35/9	4.88	Akhilandapuram	Kayathar
3	1740/2017	32/2A,32/2B	4.57	Kurumalai	Kadambur
4	802/2017	8/1, 8/2	4.51	Sundareswarpuram	Kadambur
5	1873/2018				
6	1024/2019	441(P)	4.24	AKKANAYAKENPATTI	Gangaikondan
7	501/2017	1068/3,1076/1	4.19	SEKKARAKUDI	Pudukotai
8	2254/2012	941/1B	4.00	UMARIKOTTAI	Ottapidaram
9	752/2017	497/3,497/4	4.84	THEKUMYILODAI	Kayathar
10	366/2017	553/3,554/3,555/1,571/1B	4.25	Vadakkukaraseri	Murappanadu

Our client has lodged the missing documents compliant with the Police Station on 19-03-2025 vide receipt no. 2487768 for the said lost documents.
If any person/s who finds it, is requested to return it as below address-
Adv. Sanchit Kumar Bang (Advocate)
Unit No 405 & 406, 4th Floor, Upasana, Ahuja Estate, 4-1-970, Abids, Hyderabad – 1.
Ph 040-4221333; E mail: s_k_bang@yahoo.com

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

शुद्धिपत्र-2 दि. 15.03.2025
निविदा सूचना संख्या: बी-एसजी-पी-एबीएस-03-2024-25 दि. 02.02.2025 PUB0283

संदर्भ के लिए शुद्धिपत्र का विवरण नीचे दिया गया है:
संशोधित/नए जोड़े गए दस्तावेज़ विवरण :

क्रम.सं.	निविदा दस्तावेज का विवरण
1	व्यवहार्यता रिपोर्ट जीडीआर एसकेएम संशोधन II
2	7 आरडीएसओ डीआरजी सं. सीबीएस 0038 आर3 क्लैम्पिंग खुली व्यवस्था गर्डर15032025
3	7ए आरडीएसओ डीआरजी सं. सीबीएस 0039 आर ब्रैकेट की व्यवस्था कम्पोजिट गर्डर15032025
4	द्वितीय प्री बिड प्रश्नों का उत्तर 15032025

A0354 उप मुख्य सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर, परियोजनाएँ, विजयवाड़ा

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15814842K Nk (DVRMT) NARASHIMHA REDDY V of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, India Hence I have Changed my name as VELIDANDLA NARASHIMHA REDDY.

CHANGE OF NAME & DOB
I, SURINDER KAUR Mother of Service No. 2608574L Nk GURDEEP SINGH, R/o.Vill and PO:Johal, Teh:Dasuya, Dist:Hoshiarpur, Punjab-144305 have changed my name and DOB from SURINDIR KAUR, DOB:07-05-1961 to SURINDER KAUR, DOB:12-06-1956 vide affidavit dt:18-3-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB
I, SHER SINGH Father of Service No. 2608574L Nk GURDEEP SINGH, R/o.Vill and PO:Johal, Teh:Dasuya, Dist:Hoshiarpur, Punjab - 144305 have changed my Date of Birth from 04-06-1955 to 10-05-1952 vide affidavit dt:18-3-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, NIRMALA DEVI Spouse of GANDLA RADHA KRISHNA, Resident of Flat No.102, I Floor, Vineyards Rainbow Apartment, Defence Colony, Sainikpuri, Hyderabad, MedchalMalkajgiri Dist-500094 have changed my name from NIRMALA DEVI to GANDLA NIRMALA DEVI vide affidavit dt:19-03-2025 at X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, A ARUNA Spouse of Service No. 15328904F Hav ARANGI SRINIVAS RAO, R/o.H.No.1-59, Peddaveedi, Vill&PO:Vallabharayapadu, Teh:Nandigam, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532218 have changed my name from A ARUNA to ARANGI ARUNA vide affidavit dt:18-3-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME
I, ANUMOL THOMAS D/o. THOMAS, Permanent Resident of Kollamparambil , Edappuzha, P.O Ayyankunnu , Payam, Distt. Kannur, Kerala 670704 & Presently Residing at Qtr No. 278/2, Officers Enclave, MD Lines Hyderabad, Telangana 500008 declare that name of mine has been wrongly written as ANU MOL THOMAS in my Service Records. The actual name of mine is ANUMOL THOMAS which may be amended accordingly.

CHANGE OF NAME
I, Vaitheeshwari.R R/o D.no.531, Vill & P.O: Kannandahalli, Teh:Bargur, Dist: Krishnagiri, State: Tamilnadu-635203 have changed my name from VAITHEESHWARI.R To VAITHEESHWARI vide affidavit dt:20-03-2025 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 9108013P, Rank: HAV, SAGEER AHMED KHAN S/O. MEHBOOB KHAN, presently residing at 12 Jakli, C/o. 56 APO, Mehdipatnam, Hyderabad-500028, Telangana State, do hereby I submit that actually my son name & Date of Birth is ABDUL WAHID & 20-03-2013, but, in my service records my son name & Date of Birth was wrongly mentioned as ABDUAL WAHID & 11-04-2011 instead of ABDUL WAHID & 20-03-2013.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 9108013P, Rank: HAV, SAGEER AHMED KHAN S/O.MEHBOOB KHAN, presently residing at 12 Jakli, C/o. 56APO, Mehdipatnam, Hyderabad-500028, Telangana State, do hereby That I submit that actually my wife name is KHATIJA BEGUM, but, in my service records my wife name was wrongly mentioned as KHATIZA BEGUM instead of KHATIJA BEGUM.

CHANGE OF NAME
I, SAHELI ARATHDAR spouse of Army No.15815915X NK AMARNATH ARATHDAR R/o. Vill: Nandankanan, Post: Ganganagar, Teh: Barasat, Dist: North 24 parganas, West Bengal 700132 have changed my name from SAHELI ARATHDAR to SAHALI DAS ARATHDAR vide affidavit dt:19/03/2025 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No. 6946136K NK CHAUHAN SONUSING of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from ANTARBEVI CHAUHAN to ANTAR DEVI

गोपाल सरस्वतीजी दीदीजी ने किया ध्यान फ़ाउंडेशन गौशाला का दौरा

फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। गाय के बिना घर अपनों के बिना घर जैसा है– गोपाल सरस्वतीजी दीदीजी, एक आईएएस आकांक्षी जो गौ प्रेमी और प्रचारक बन गईं, उन्होंने ध्यान फाउंडेशन गौशाला का दौरा किया और फाउंडेशन द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।

ध्यान फाउंडेशन एकमात्र संगठन है जो भारत–बांग्लादेश सीमा से बचाए गए गौवंश के पुनर्वास के लिए सीमा सुरक्षा बल के साथ काम कर रहा है।

ध्यान फाउंडेशन तेलंगाना में चेल्लूर गांव, राजपेट और पेद्दाशपुर, गोलूर रोड, शमशाबाद में दो गौशाला चला रहा है, जो 3000+ बचाए गए, परित्यक्त, बीमार गौवंशों का घर है और पूरे भारत में 47 गौशालाएं हैं जिनमें 70,000 गौवंश आश्रित हैं।

आश्विन गुरुजी, ध्यान आश्रम के मार्गदर्शक, वेदों के ज्ञान के प्रतीक हैं, और वर्तमान युग में अपनी तरह के एकमात्र हैं। गुरु–शिष्य परंपरा का पूर्ण रूप से पालन करते हुए, वे मानते हैं कि योग एक साधना है, व्यवसाय नहीं, और इसी तरह उन्होंने अपने हर साधक को इस पथ पर अग्रसर किया है।

गौ कथा हमारे जीवन में पवित्र गाय की प्रासंगिकता के बारे में जनमानस में जागरूकता पैदा करने का एक शक्तिशाली माध्यम है: श्रद्धे गोपाल सरस्वतीजी दीदीजी।

अंग्रेजों के भारत पर आक्रमण करने से पहले भारत 80 करोड़ गौवंशों का घर था, अब उनकी आबादी घटकर 9 करोड़ रह गई है। अब हर भारतीय को यह देखना चाहिए कि उन्हें न केवल कसाइयों से बचाया जाए बल्कि उनकी आबादी भी बढ़े, साध्वी ने कहा।

गोपाल सरस्वतीजी ने 19 मार्च को गो कृपा कथा में कहा कि गाय एक सार्वभौमिक माँ है, श्रद्धे गोपाल सरस्वतीजी दीदीजी कहती हैं, एक आईएएस आकांक्षी जो गौ प्रेमी और प्रचारक बन गई हैं, जो भारत के सबसे पवित्र पशु गाय के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए पूरे भारत में यात्रा कर रही हैं।

वह शहर में गौ कृपा कथा के सिलसिले में थीं, जो एक पांच दिवसीय आध्यात्मिक वार्ता और कथा सुनाने का कार्यक्रम है, जो गौ माता के बारे में हमारे प्राचीन शास्त्रों के तथ्यों का एक दुर्लभ संग्रह है। आपको

शायद ही कभी हमारे शास्त्रों से प्रमाण और साक्ष्य सहित इतनी विस्तृत जानकारी मिली होगी। इन्हें गौ कथा के रूप में नामित किया गया है और इन्हें हरे कृष्ण गोल्डन टेम्पल (संकीर्तन भवन), रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में उनके द्वारा सजाया जा रहा है। मध्य प्रदेश के इंदौर की 29 वर्षीय साध्वी, ध्यान फाउंडेशन (डीएफ), एक स्वयंसेवी आध्यात्मिक और धर्मार्थ एनजीओ के निमंत्रण पर शहर के छह दिवसीय दौरे पर अपनी पहली यात्रा पर हैं। उन्होंने पेद्दाशपुर, गोलूर रोड, शमशाबाद में ध्यान फाउंडेशन द्वारा पिछले पांच वर्षों से चलाई जा रही एक गौशाला का दौरा किया, जो 3000+ बचाए गए, परित्यक्त, बीमार गौवंशों का घर है।

गौशाला में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के भारत पर आक्रमण करने से पहले भारत 80 करोड़ गायों का घर था। अब गौवंशों की आबादी घटकर 9 करोड़ रह गई है। इसी तरह गौ कथा भी होती थी, जो पवित्र गाय के संरक्षण की एक प्राचीन परंपरा और संस्कृति थी। लेकिन अंग्रेजों के भारत पर आक्रमण करने के बाद से यह परंपरा लुप्त हो गई।

पवित्र गाय के संरक्षण की प्राचीन भारतीय परंपरा और संस्कृति को पुनर्जीवित करने के प्रयास में, ध्यान फाउंडेशन शहर में 21 मार्च तक शाम 4 से 7 बजे के बीच हरे कृष्ण गोल्डन टेम्पल में बड़े उत्साह और जोश के साथ पांच दिवसीय 'गौ कथा' प्रवचन का आयोजन कर रहा है।गाय के बिना घर अपनों के बिना घर जैसा है। गायें धन की देवी का निवास हैं। पाप उन्हें छूते नहीं हैं, 29 वर्षीय श्रद्धे गोपाल सरस्वतीजी दीदीजी (आध्यात्मिक गुरु श्री गोपालचरण गोपालानंद सरस्वती महाराज की शिष्या) कहती हैं। उनके गुरु, गोपालचरण गोपालानंद सरस्वती महाराज, गौ माता के महत्व को जन–जन तक पहुंचाने के लिए 31 वर्षों की एक विशाल पदयात्रा पर हैं, जिसकी दूरी 1,25,000 किलोमीटर है। उन्होंने 2012 में अपनी यात्रा शुरू की और अब तक 25,000 गांवों का दौरा करते हुए चार राज्यों को पार कर महाराष्ट्र में प्रवेश किया है। उन्होंने बताया कि वे जल्द ही तेलंगाना में भी अपनी यात्रा करेंगे।उन्होंने कहा कि गाय सभी की माता हैं। केंद्र सरकार को गायों की रक्षा के लिए एक राष्ट्रीय कानून स्थापित करना चाहिए। जबकि राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने इस दिशा में कानून बनाए हैं, केंद्र सरकार द्वारा अभी तक कोई कानून पारित नहीं किया गया है। गायों को वध से बचाने और उनके संरक्षण के लिए सख्त कानूनों की आवश्यकता है। साथ ही, गाय संरक्षण को स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने समझाया कि भगवान कृष्ण को अक्सर गायों के बीच बांसुरी बजाते और गोपियों (दूधवालियों) के साथ नृत्य करते हुए चित्रित किया गया है। वे गायों का पालन–पोषण करते हुए और उनके साथ खेलते हुए बड़े हुए। इसी तरह, भगवान कृष्ण, जिन्हें गोविंद और गोपाल के नाम से भी जाना जाता है, का शाब्दिक अर्थ है 'गायों का मित्र और रक्षक'।

हमारे सभी वैदिक शास्त्र इस बात पर जोर देते हैं कि गायों की रक्षा और देखभाल की जानी चाहिए। गाय को मारना और उसका मांस खाना पाप माना जाता है। नाश्ता करने से पहले गाय को खिलाना बहुत शुभ माना जाता है। आज भी भारत में कई ऐसे राज्य हैं जिनमें गाय का वध अवैध है और उसी का अधिक सख्त कार्यान्वयन नहीं हो रहा है, उन्होंने खेद व्यक्त किया।

ताजा, जैविक दूध, दही, छाछ, पनीर (घर का बना पनीर) और घी, सभी को अत्यधिक पौष्टिक माना जाता है, और आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये डेयरी उत्पाद न केवल हमारे ऊतकों के लिए महत्वपूर्ण प्रोटीन और कैल्शियम प्रदान करते हैं, बल्कि ओजस के स्रोत भी हैं, जो हमारे शरीर को ताकत और प्रतिरक्षा देते हैं। गाय ऑक्सीजन में सांस लेती है और ऑक्सीजन छोड़ती है। गाय की संगति में कुछ क्षण बिताने से बहुत कायाकल्प होता है, उन्होंने समझाया।

गाय के गोबर को ईंधन के लिए उपयोग किया जाता है। यह मीथेन में उच्च होता है और गर्मी और बिजली उत्पन्न कर सकता है। गांवों में दीवारों को मिट्टी–गाय के गोबर के मिश्रण से प्लास्टर करना एक आम दृश्य है, जो दीवारों और फर्श को अत्यधिक गर्म और ठंडे तापमान से बचाता है। गाय का गोबर खनिजों से भी भरपूर होता है और एक उत्कृष्ट उर्वरक बनाता है। यह एक बहुत अच्छा कीटाणुनाशक भी है। भारत में प्राचीन तरीकों पर लौटने के लिए एक बड़ा जैविक खेती आंदोलन है, जो समाप्त हो चुकी मिट्टी को फिर से खनिज बनाने के लिए गाय के गोबर का उपयोग करता है।

वैज्ञानिक अनुसंधान ने पाया है कि पवित्र आग के लिए ईंधन के रूप में गाय के गोबर और घी को जलाने की रस्म हवा को शुद्ध करती है, और पर्यावरण में प्रदूषण–रोधी और विकिरण–रोधी गुण होते हैं।

ये और कई कहानियाँ हम 'गौ कथा' के माध्यम से प्रदान करते हैं, जो अब हमारे जीवन में पवित्र गाय की प्रासंगिकता के बारे में जनमानस में जागरूकता पैदा करने का एक शक्तिशाली माध्यम साबित हुई है, श्रद्धे गोपाल सरस्वतीजी दीदीजी ने कहा।

ध्यान फाउंडेशन ने गौवंश संरक्षण के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय, राज्य और निजी स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। यह पूरे भारत में 47 गौ आश्रयों का संचालन करती है, जहाँ कसाइयों से बचाए गए 70,000 से अधिक गौवंशों का पालन–पोषण किया जाता है।

चैन्नई में केन्द्रीय रेल मंत्री से मिले राजस्थानी प्रवासी मारवाड़ जालोर सीधी रेल का दिया ज्ञापन

मंचेरियाल, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नई एयरपोर्ट पर राजस्थानी प्रवासी व्यापारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर सभी राजस्थानी समाज के लोगो ने मारवाड़ जालोर के लिए सीधी रेल सेवा के लिए दिया ज्ञापन जिसमें भाजपा नेता पवन कुमार राजपुरोहित,भीमाराम मोदी, डार्विन शर्मा , केसर सिंह ,राम सुथार , राजू सिंह राजगुरु राजपुरोहित सब ने मिलकर रेल मंत्री से मांग की कि चेन्नई से जोधपुर वाया मेहसाणा – जालोर रेगुलर ट्रेन की जाए क्योंकि अप्रैल और जून महीने में विधार्थियो के गर्मियों के अवकाश व विवाह की सीजन होने के कारण आवागमन ज्यादा रहता है इसलिए स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था की जाए रेल मंत्री जी ने आश्वासन दिया है की 15 दिनों खुश खबरी आ जायेगी बहुत जल्दी ही चेन्नई से जोधपुर सीधी रेल सेवा वाया जालोर होते हुए जाने का आश्वासन दिया तथा राजस्थानी प्रवासी भाईयो ने रेल मंत्री का आभार जताया एवं माला व साफा व वाद्ययंत्र से भव्य स्वागत किया गया इस अवसर समस्त प्रवासी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर जागरूकता शिविर एवं रैली

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना नागरिक परिषद एवं विकास भारती चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार 21 तारीख को प्रातः 10 बजे इंदिरा प्रियदर्शिनी महिला सरकारी डिग्री कॉलेज में एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ वन संरक्षण पर जागरूकता रैली एवं भाषण का आयोजन किया जाएगा। राम गोपाल रेड्डी ने आज एक सांकेतिक बयान में कहा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय पर्यावरणविद् प्रोफेसर के.पुरुषोत्तम रेड्डी मुख्य अतिथि होंगे तथा कॉलेज के अतिथि प्राचार्य प्रोफेसर चंद्र मुखर्जी होंगे, तथा पर्यावरण संरक्षण विकास परिषद के राष्ट्रीय सलाहकार एवं तेलंगाना राज्य के हरित राजदूत लायन डॉ. कोमाटीरेड्डी गोपाल रेड्डी, परोपकारी अमेरिकी नागरिक टी. रामचंद्र रेड्डी, शहर के प्रमुख चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. ऊहा मुलपुरू मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर इंदिरा प्रियदर्शिनी डिग्री कॉलेज एनएसएस इकाई एक, दो, तीन व चार के स्वयंसेवक तख्तियां लेकर रैली निकालेंगे और लोगों को वन संरक्षण के महत्व से अवगत कराएंगे।

निरंजन यादव भाजपा मलकपेट जिला अध्यक्ष बने

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना ने संगठन पर्व 2024 की विधिवत चुनाव प्रक्रिया हाल ही में पूरी की है। इसके चलते बीजेपी के तेलंगाना रिटर्निंग अधिकारी एंडाला लक्ष्मीनारायण ने जिला अध्यक्ष और राज्य परिषदों के सदस्यों को नियुक्त किया है।

इसी क्रम में मलकपेट भाग्यनगर के अध्यक्ष के रूप में जंगली निरंजन यादव को नियुक्त

किया गया है। इसके साथ ही निरंजन यादव मलकपेट, चांद्रायानगुट्टा, याकुतपुरा और बहादुरपुरा के लिए मुखिया बन गये है।

इसके चलते पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और निरंजन के प्रशंसक पीछले तीन–चार दिनों से उनके निवास पर बधाई दे रहे हैं। इस दौरान नेता, कार्यकर्ता और प्रशंसक जमकर आतिशबाजी, नारेबाजी और नाचते हुए खुशी मना रहे हैं।

मुख्य रूप से बीजेपी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, निरंजन जिंदाबाद के नारों से आसमान गूंज रहा है।

बजट का विरोध करने वाले बीआरएस नेता गिरफ्तार

मंचेरियाल, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार पहली बार विधानसभा में पूर्ण बजट पेश कर रही है मंत्री भट्टी विक्रमार्क विधानसभा में लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का विधेयक पेश करेंगे हालांकि खबर है कि बजट में कई योजनाओं और कल्याणकारी योजनाओं में कटौती की जाएगी इस संदर्भ में पुलिस ने मंचेरियाल जिले के कोटापल्ली में बीआरएस नेताओं को गिरफ्तार किया बीआरएस कार्यकर्ताओं को पहले ही हिरासत में ले लिया गया क्योंकि वे विरोध प्रदर्शन करने वाले थे इस अवसर पर बोलते हुए पार्टी नेताओं ने राज्य को अपमानित करने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की कहा जा रहा है कि यद्यपि सरकार ने पिछले बजट में कई योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए धन आवंटित किया था लेकिन उनका उपयोग नहीं किया गया, तथा इस बार भी इसी प्रकार का आवंटन किया जा सकता है उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह शासन करने में असमर्थ है तथा कल्याणकारी योजनाओं को धीरे–धीरे खत्म कर रही है उन्होंने मांग की कि चुनाव के दौरान वादा की गई छह गारंटियों को पूरी तरह लागू किया जाए उन्होंने कहा कि वे तब तक लड़ेंगे जब तक वादे पूरे नहीं हो जाते उन्होंने मांग की कि सरकार लंबित बिलों का तुरंत भुगतान करे।

काछी संघ रामसिंहपुरा के अध्यक्ष बने सुरेंदर सिंह

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ए. सुरेंदर सिंह को काछी संघ राम सिंह पुरा, कारवान का अध्यक्ष बनने पर बधाई और शुभकामनाएँ देने का सिलसिला जारी है। कारवान स्थित श्री ए. सुरेंदर सिंह के कार्यालय में सिकंदराबाद काछी संघ के अध्यक्ष श्री एम. रवि प्रकाश सिंह और महासचिव श्री एम. तारा सिंह ने श्री ए. सुरेंदर सिंह को बहुत–बहुत बधाई और शुभकामनाएँ दीं। श्री ए. सुरेंदर सिंह ने अपने सम्मान के बाद कहा कि काछी संघ राम सिंह पुरा सोसायटी का अध्यक्ष बनने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है, इसके लिए मैं काछी संघ राम सिंह पुरा के सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। यह न केवल मेरे लिए बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व और ज़िम्मेदारी का क्षण हैं हमारे समाज की उन्नति, एकता और समृद्धि के लिए मैं पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लेता हूँ। शिक्षा, रोज़गार, सामाजिक

उत्थान और युवा पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए हम मिलकर कार्य करेंगे। आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए मैं हरसंभव प्रयास करुँगा। मैं आप सभी से सहयोग, समर्थन और मार्गदर्शन की अपेक्षा करता हूँ, ताकि हम समाज को नयी ऊँचाइयों तक ले जा सकें। जय काछी समाज, जय भारत।

सिकंदराबाद काछी संघ के अध्यक्ष श्री एम. रवि प्रकाश सिंह और महासचिव श्री एम. तारा सिंह ने श्री ए. सुरेंदर सिंह को काछी संघ राम सिंह पुरा सोसायटी का अध्यक्ष पद ग्रहण करने के उपलक्ष्य में हार्दिक शुभकामनाएँ और अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि श्री ए. सुरेंदर सिंह जी के नेतृत्व में हमें पूरा विश्वास है कि समाज को नयी दिशा मिलेगी, संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा विकास की गति और तेज़ होगी। उनकी प्रशासनिक क्षमता, दूरदर्शिता और समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए हमें पूर्ण आशा है कि उनके कार्यकाल में काछी समाज नये आयाम स्थापित करेगा। हम उनका हार्दिक सम्मान करते हैं और हर क़दम पर उनके साथ खड़े रहेंगे। समाज की प्रगति में हम सभी का सहयोग और एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति होगी।

इस अवसर पर काछी समाज राम सिंह पुरा के सदस्य श्री टी. गोविंद सिंह (कवि गोविंद अक्षय) ने कहा कि समाज को नयी ऊँचाइयों तक ले जाने वाला नेतृत्व जब सही हाथों में होता है तो प्रगति और एकता की राह स्वयं बनती है। मैं काछी संघ का एक समर्पित सदस्य हूँ और कवि तथा भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय में सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफ़िसर (क्लॉस वन गजिटेड ऑफ़िसर) हूँ, अपने प्रिय मित्र श्री ए. सुरेंदर सिंह को काछी संघ के अध्यक्ष पद पर पदस्थ होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ। श्री ए. सुरेंदर सिंह केवल एक नाम नहीं, बल्कि समाज के प्रति सेवा, समर्पण और सशक्त नेतृत्व का प्रतीक हैं। उनके कुशल मार्गदर्शन में काछी समाज निश्चित रुप से न केवल संगठित होगा, बल्कि विकास के नये प्रतिमान भी स्थापित करेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनका कार्यकाल समाज में शिक्षा, व्यापार, संस्कृति और सामाजिक समरसता को और अधिक बल प्रदान करेगा। वे अपने नैतृत्व में समाज को एक नयी ऊँचाई तक पहुँचायेंगे और हम सबको गौरवान्वित करेंगे। अवसर पर काछी समाज राम सिंह पुरा के पूर्व महासचिव श्री एच. मुन्ना सिंह, श्री एम. अरुण सिंह, श्री एम. मेरून सिंह, श्री एच. दीपेश सिंह आदि ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये और अपनी बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

मृतक मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटाया जाए : कलेक्टर

मदनूर, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रदेश सरकार के आदेश नुसार बुधवार के दिन स्थानीय तहसीलदार कार्यालय मदनूर में चुनाव आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता पंजीकरण अधिकारी और कामारेड्डी जिले के अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) डी. श्रीनिवास रेड्डी ने इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और कहा कि चुनाव आयोग द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार, मतदाताओं का पंजीकरण, परिवर्तन, परिवर्धन और विलोपन

त्रुटियों के बिना सुचारू रूप से कार्य किया जाना चाहिए। मतदाताओं के लिए सरकारी मशीनरी के अलावा, राजनीतिक दलों ने भी लोगों को मतदाता पंजीकरण, परिवर्तन, परिवर्धन, विलोपन और आधार संख्या और फोन नंबर को पहचान पत्र से जोड़ने के बारे में शिक्षित करने के लिए कदम उठाने को कहा है। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने दलों के प्रतिनिधियों को सुझाव दिया कि प्रत्येक दल (चुनाव आयोग द्वारा चिन्हित) को प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए बूथ स्तर के सहायकों की नियुक्ति करनी चाहिए.मृतक मतदाताओं के संबंधित परिजनों को नोटिस देकर मृतक मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटाने का निर्देश तहसीलदारों को दिया गया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और राहुल गांधी के चित्रों का दुग्धाभिषेक

आसिफाबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद जिला केंद्र के अंबेडकर चौक पर बीसी कल्याण संघ के तत्वावधान में विधानसभा में 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण विधेयक लागू होने पर विभिन्न जाति समूहों के नेताओं के साथ राहुल गांधी, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पीसीसी के प्रदेश अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और बीसी कल्याण राज्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर के चित्रों का दूध से अभिषेक किया गया। यह कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाया गया, जिसमें समुदाय के सदस्यों के बीच मिठाइयां बांटी गईं और पटाखे फोड़े गए।बीसी कल्याण संघ कोमाराम भीम आसिफाबाद जिला अध्यक्ष डॉ. रमेश रूपुनार ने कहा कि आजादी के 75 साल बाद स्थानीय निकायों में शिक्षा और रोजगार में बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले विधेयक को पारित करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का विशेष आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में बीसी कल्याण संघ के जिला उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम बालेश, जिला महासचिव गजुला जक्कन्ना, बीसी कल्याण संघ के मानद अध्यक्ष पोन्ना रमेश, बीसी कल्याण संघ के जिला छात्र अध्यक्ष लोबड़े लहू कुमार, किसान संघ के जिला अध्यक्ष वैरागड़े मारुति पटेल, जिला महासचिव गद्दाला शंकरन्ना, एमआरपीएस के राज्य नेता श्री रेगुंटा केसव, राज्य नेता एडवोकेट रविंदर, बीसी जिला नेता माचरला शिनान्ना, अखिल भारत माली संघ के जिला अध्यक्ष गुरुनुले मेंगाजी, माली संघ के अखिल भारतीय राज्य मानद अध्यक्ष नागोसे शंकर, सिंगल विंडो के उपाध्यक्ष रुकुम प्रहलाद, बीसी संघ के नेता शेंडे नंदेव, डॉ. पुधारी नारायण और अन्य ने भाग लिया।

तेलंगाना सरकार ने 3.04 लाख करोड़ के व्यय के साथ 2025-26 के लिए राज्य बजट पेश किया

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू, जो वित्त विभाग भी संभालते हैं, ने बुधवार को यहां राज्य विधानसभा में 2025-26 के लिए 3,04,965 करोड़ रुपये का कर-मुक्त बजट पेश किया।

कुल राजस्व व्यय 2,26,982 करोड़ रुपये आंका गया है, जबकि पूंजीगत व्यय 36,504 करोड़ रुपये है। राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद यह पहला पूर्ण बजट है और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क का यह तीसरा बजट भाषण है।

इस अवसर पर भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार ने जनहित में पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करते हुए सदन में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक बजट पेश किया है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासन ने कल्याण और विकास के बीच सफलतापूर्वक संतुलन स्थापित किया है, इसकी तुलना सुशासन के रथ को खींचने वाले घोड़ों की जोड़ी से की। उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर के भारत को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक न्याय को बनाए रखने वाले एक मजबूत राष्ट्र के रूप में देखने के दृष्टिकोण को याद किया और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।बजट में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण आवंटन शामिल हैं। अनुसूचित जाति (एससी) कल्याण विभाग को 40,232 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग को 17,169 करोड़ रुपये मिलेंगे। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को 11,405 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।पंचायत राज के लिए 31,605 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं, जबकि कृषि विभाग को 24,439 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। शिक्षा क्षेत्र को 23,108 करोड़ रुपये मिलेंगे और पशुपालन विभाग को 1,674 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।नागरिक आपूर्ति विभाग को 5,734 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जबकि महिला एवं बाल कल्याण विभाग को 1,862 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को 3,527 करोड़ रुपये, आईटी विभाग को 774 करोड़ रुपये और हथकरघा क्षेत्र को 371 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। रोजगार कार्यक्रमों के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। अतिरिक्त आवंटन में बिजली के लिए 21,221 करोड़ रुपये, उद्योग के लिए 3,525 करोड़ रुपये और नगर प्रशासन एवं शहरी विकास के लिए 17,677 करोड़ रुपये शामिल हैं। सड़क एवं भवन विभाग को 5,907 करोड़ रुपये मिलेंगे, जबकि पर्यटन को 775 करोड़ रुपये और संस्कृति को 465 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वन एवं पर्यावरण क्षेत्र को 1,023 करोड़ रुपये मिलेंगे और बंदोबस्ती विभाग को 190 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। राज्य में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10,188 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। इंदिराम्मा घरों के निर्माण के लिए कुल 22,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 3,500 घरों की योजना बनाई गई है। गृह विभाग को 10,188 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। गरीब परिवारों की सहायता के लिए गृहज्योति योजना के तहत मुफ्त बिजली के लिए 3,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।सरकार ने युवा भारत एकीकृत स्कूलों के निर्माण की योजना की भी घोषणा की है, जिसमें छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान करने के लिए 11,600 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं।किसानों के कल्याण के लिए रायथु भरोसा योजना के तहत 18,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग को 12,393 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि सिंचाई विभाग को 23,373 करोड़ रुपये मिलेंगे।

तेलंगाना बजट: बीआरएस ने कांग्रेस सरकार के जनविरोधी बजट की निंदा की

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव (केटीआर) ने वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क द्वारा प्रस्तुत तेलंगाना बजट 2025-26 की कड़ी आलोचना करते हुए इसे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अक्षमता और प्रशासनिक विफलता का प्रतिबिंब बताया।

बुधवार को विधानसभा में मीडिया प्वाइंट पर मीडिया से बात करते हुए केटीआर ने आरोप लगाया कि बजट में जन कल्याण की अनदेखी की गई है और कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए चुनावी वादों को धोखा दिया गया है।उन्होंने कांग्रेस सरकार पर चुनाव के दौरान किए गए छह प्रमुख गारंटियों को पूरा करने के बजाय दिल्ली को वित्तीय पैकेज भेजने पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया।केटीआर के अनुसार, बजट को भ्रष्ट आचरण को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया था, उन्होंने इसे 40 प्रतिशत कमीशन वाला बजट करार दिया, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह तेलंगाना की आर्थिक स्थिरता और जन कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है।केटीआर ने महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक वित्तीय सहायता और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 4,000 रुपये पेंशन के वादे के अभाव पर निराशा व्यक्त की।उन्होंने इन महत्वपूर्ण आश्वासनों की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की, जिससे लोग निराश हो गए। उन्होंने यह भी बताया कि पिछली बीआरएस सरकार ने हथकरघा बुनकरों के लिए 1,200 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, लेकिन कांग्रेस ने इस प्रमुख समुदाय के कल्याण की अनदेखी करते हुए इस राशि को घटाकर सिर्फ 370 करोड़ रुपये कर दिया।केटीआर ने आगे दावा किया कि बजट ऑटो चालकों, गिग श्रमिकों और राज्य सरकार के कर्मचारियों की चिंताओं को दूर करने में विफल रहा। उन्होंने पीआरसी, पांच लंबित डीए या इन समूहों के लिए समर्थन पहल का उल्लेख नहीं करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की।उन्होंने कांग्रेस सरकार पर खेत मजदूरों को दिए गए 12,000 रुपये के समर्थन को लागू करने में विफल रहने और यादव समुदायों को भेड़ उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को नजरअंदाज करके किसानों की उपेक्षा करने का भी आरोप लगाया।

आर्थिक चिंताओं पर प्रकाश डालते हुए केटीआर ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी के अप्रभावी शासन और नकारात्मक नीतियों के कारण तेलंगाना के राजस्व में 73,000 करोड़ रुपये की गिरावट आई है।उन्होंने बिना किसी नई विकास परियोजना को शुरू किए सिर्फ़ एक साल में 1.6 लाख करोड़ रुपये उधार लेने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। केटीआर ने पहले साल में दो लाख नौकरियां पैदा करने के अपने वादे को पूरा करने में सरकार की विफलता की निंदा की और बजट में बेरोज़गारी भत्ते और 5 लाख रुपये के शिक्षा आश्वासन कार्ड की अनुपस्थिति पर दुख जताया।उन्होंने दावा किया कि सरकार की अक्षमता ने राज्य की अर्थव्यवस्था को विकास से अस्थिरता की ओर धकेल दिया है।केटीआर ने घोषणा की कि बीआरएस इस बजट का दृढ़ता से विरोध करेगी जिसे उन्होंने जनविरोधी बजट बताया। उन्होंने तर्क दिया कि कांग्रेस ने तेलंगाना की दशक भर की प्रगति को पटरी से उतार दिया है और चेतावनी दी कि मौजूदा सरकार की दोषपूर्ण नीतियों के कारण राज्य की अर्थव्यवस्था डूब रही है।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने तेलंगाना बजट को भ्रामक और अपर्याप्त बताया

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क द्वारा प्रस्तुत तेलंगाना बजट 2025-26 की कड़ी आलोचना करते हुए इसे खोखला और भ्रामक बताया।

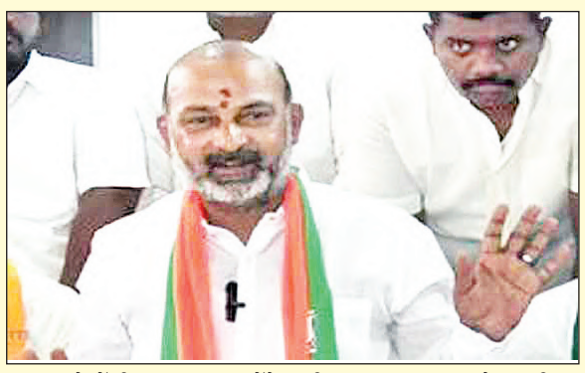

बुधवार को यहां जारी अपने बयान में बंदी संजय ने कांग्रेस सरकार पर जनता को धोखा देने के लिए बजट के आंकड़ों में हेराफेरी करने का आरोप लगाया।उन्होंने दावा किया कि आवंटन में वृद्धि के बावजूद, बजट प्रमुख चुनावी वादों, विशेष रूप से छह गारंटियों को पूरा करने में विफल रहा। उन्होंने टिप्पणी की कि कांग्रेस, जो कभी अपने घोषणापत्र को पवित्र पुस्तक कहती थी, ने अब इसे कागज़ के टुकड़े में बदल दिया है।बंदी संजय ने महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक सहायता, सोना और स्कूटी, बेरोजगारी लाभ और वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि जैसी वादा की गई योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आवंटन की अनुपस्थिति को उजागर किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए प्रावधानों की कमी के लिए बजट की आलोचना की।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार वित्तीय कुप्रबंधन में पिछली बीआरएस सरकार से भी आगे निकल गई है, उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना का कर्ज का बोझ चिंताजनक रूप से बढ़ गया है। उन्होंने बजट खर्च में पारदर्शिता की मांग की और छह गारंटियों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए संशोधनों का आह्वान किया।

रेवंत ने अनुसूचित जातियों के लिए न्याय की प्रतिबद्धता जतायी

हैदराबाद,19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के साथ किये जा रहे अन्याय को दूर करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

श्री रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी सरकार ने शीर्ष न्यायालय में मजबूत तर्क प्रस्तुत किये थे, जिससे बहुत समय से लंबित एक मामले को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया जा सका। उन्होंने एससी समुदाय के लिए न्याय सुनिश्चित करने में अपने प्रशासन के समर्पित प्रयासों पर प्रकाश डाला।

रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया कि उनकी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मजबूत दलीलें पेश कीं, जिससे लंबे समय से लंबित एक मामले को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया जा सका।

उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में भी एससी वर्गीकरण लागू नहीं किया गया है, इस बात पर जोर देते हुए कि तेलंगाना ने इस मील के पत्थर को हासिल करने में अग्रणी भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि एससी को तीन समूहों में वर्गीकृत करने का कदम किसी समुदाय को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं था, बल्कि सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक कदम था।

उन्होंने बताया कि नई संरचना समूह-1 के लिए 1 प्रतिशत, समूह-2 के लिए 9 प्रतिशत और समूह-3 के लिए 5 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करेगी। सरकार ने समान विकास सुनिश्चित करने के लिए सबसे कम आबादी वाले और विकास तक सबसे कम पहुंच वाले लोगों को समूह-1 में रखने को प्राथमिकता दी।

रेड्डी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उनके अटूट समर्थन का श्रेय देते हुए कहा कि उनके बिना, यह स्थायी समाधान हासिल करना संभव नहीं होता। उन्होंने विधानसभा में किए गए प्रयासों को भी स्वीकार किया, जहां किसी भी पार्टी ने विधेयक का विरोध नहीं किया।

भविष्य में कानूनी बाधाओं से बचने के लिए, सरकार ने एक सदस्यीय आयोग नियुक्त किया, जिसने वर्गीकरण का समर्थन करते हुए 199-पृष्ठ की एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की। सीएम ने इस उपलब्धि को रेखांकित करते हुए कहा कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है जिसने एससी वर्गीकरण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करने की पहल की है। मुख्यमंत्री ने मडिगा समुदाय के व्यक्ति प्रोफेसर कुमार मोलुगरम को उस्मानिया विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त करके एससी समुदाय के उत्थान के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर किया - दो दशकों में एक अभूतपूर्व कदम - और प्रोफेसर कासिम को आर्ट्स कॉलेज का प्रिंसिपल नियुक्त किया। इसके अतिरिक्त, मडिगा उम्मीदवारों को उच्च शिक्षा परिषद, लोक सेवा आयोग और शिक्षा आयोग जैसे प्रमुख निकायों में प्राथमिकता दी गई है। एससी समुदाय से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह करते हुए, रेड्डी ने एकता और दूरदर्शी सोच का आह्वान किया। उन्होंने समुदाय को इस अवसर को स्थायी प्रगति के लिए एक कदम बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, यदि मैं आपके मित्र के रूप में इस कुर्सी पर बैठता हूं, तो मेरा एकमात्र उद्देश्य आपके लिए अच्छा करना है।

मुख्यमंत्री को अपशब्द कहने पर वृद्ध व्यक्ति अरेस्ट

हैदराबाद,19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

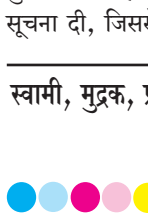

हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर दर्ज मामले के सिलसिले में दर्शनम वेंकटैया (77) को हिरासत में लिया है।महबूबाबाद जिले के इनुगुर्थी मंडल के चिन्ना मुप्पारम के वेंकटैया ने मीडिया से बात करते हुए रेवंत रेड्डी के शासन की आलोचना करते हुए कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया।

पिछले सप्ताह पुलिस ने दो महिला पत्रकारों रेवती और थानवी यादव को वेंकटैया की बात वाले एक वीडियो को प्रसारित करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। परिवार के सदस्यों के अनुसार, मुफ़्ती में पुलिस ने देर दोपहर वेंकटैया को उनके घर से उठा लिया।

परिवार के सदस्यों ने कहा कि पुलिस ने उनकी इस अपील पर ध्यान नहीं दिया कि उसे बीमार होने के कारण वहां से न ले जाया जाए।

इसके अलावा, पुलिस टीम ने परिवार के सदस्यों को कोई जानकारी नहीं दी कि वेंकटैया को कहां ले जाया जा रहा है।पुलिस ने उसकी तबियत खराब होने की बात कहने के बाद भी उसकी एक न सुनी और न ही उसके परिजनों को कोई सूचना दी, जिससे वे चिंतित हो गए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.